

(v)	To discuss and recommend changes in the syllabi of all undergraduate courses offered by the department from time to time before sending the same to the Senate	
(vi)	To review student feedback (summary data only) of courses and to recommend corrective measures, if any.	
	Functions of the Secretary, DUPC	
(i)	To hold meetings of the DUPC, at least twice in a semester, and as often as required	
(ii)	To prepare agenda for meetings and to prepare Minutes of meetings	
(iii)	To keep track of academic performance of students in the UG programmes, and to put up cases to the DUPC as per need.	
(iv)	To co-ordinate assignment of students to faculty for projects	
(v)	To co-ordinate the feedback from students of the courses offered by the Department	

[F. No. 52-2/2017-TS.I]

SUKHBIR SINGH SANDHU, Addl. Secy. (TE)

(2017 का 23), क धारा 34 (1) (2) और (3) के साथ पठत धारा 33 (ारा दS शि_य+ का योग करते ,ए, , , , शासी बोर्ड के अनुमोदन से सीनेट, , , , भारतीय सूचना ौोिंगिक संथान, , , , वडोदरा के िनहिलिखत अ3यादेश बनाती है।
 1: शै_णिककैल@डरबीटीआर 2: वेशबीटीआर 3: उपिथितअनुपिथित और अवकाश बीटीआर 4: आचरणऔरअनुशासन बीटीआर 5: शाखा प&रवत नबीटीआर 6 पाmYमसंरचना बीटीआर 7 पंजीकरण बीटीआर 7.1 पंजीकरण के िलए Yयाबीटीआर 7.2 पाmYम पंजीकरण के िलए पा?ताबीटीआर 7.3 पूवा पेि>तपाmYमबीटीआर 7.4 छमाही से नाम वापसी और पंजीकरण न कर पाने पर िनf कासन बीटीआर 8 पाmYमऑडिटमगबीटीआर 8.1 ऑडिट के िलए पाmYम का पंजीकरण बीटीआर 9 पाmYमभारिवषयसूचीका.आ. 3822(अ).—भारतीय सूचना ौोिंगिक संथान (साव जिनक-िनजी भागीदारी) अधिनयम, , , , 2017नई दली, , , , 23अ तूबर, 2019अधिसूचना

314 314 314 313 310 310 311 311 312 312 313 313 313 313

Hkkx IIµ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 309

बीटीआर 9.1 िनयिमत छमाही बीटीआर 10 पाmYममूयांकन और मूयांकन के साधन बीटीआर 10.1 पाmYममूयांकनबीटीआर 10.2 बेडगबीटीआर 11 पाmYमदोहराना बीटीआर 11.1 बैकलॉगपाmYमबीटीआर 11.2 बेड सुधारबीटीआर 12 बी.टेक.ोजे टबीटीआर 13 दश न सूचकांकबीटीआर 13.1 छमाही दश नसूचकांक (एसपीआई) बीटीआर 13.2 संचयीदश नसूचकांक (सीपीआई) बीटीआर 13.3 एसपीआई और सीपीआई क गणना बीटीआर 14 शै_णिकदश नकपयूनतमआव<यकताएँबीटीआर 14.1 शैि>कप&रवी>ाबीटीआर 14.2 खराब शै_णिकदश न के कारण संथान से िनकासनबीटीआर 14.3 दूसरे और चौथे छमाही के अंत म@ खराब शै_णिकदश न के कारण संथान से िनकासनबीटीआर 14.4 बी.टेक.ोबाम पूरा करने कपयूनतम और अधिकतम अविध बीटीआर 15 डिबीऔरपुरकारकादयाजाना आव<यकताX (सीनेट (ारा अनुमोदत) कोपूराकरनेकेबाद दीजाएगी।
 बीटीआर 16 श्ददावलींिनहिलिखत भारतीय सूचना ौोिंगिक सं थान (साव जिनक-िनजी भागीदारी) अधिनयम, 2017 (2017 क संया 23) के अंश हH।मामल+, नामत: के िलए दान कर सकते हH: - (क) छा?+ का संथानम@वेश; (ख) संथान के सभी डिबी और डिडालोमा के िलए िनधा &रतकए जाने वाले अ3 ययन पाmYम; (ग) वे शतn, िजनके तहत छा?+ को डिबी या डिडालोमापाmYम+ और संथानकपरी>ाIX के िलए वेश दया जाएगा, और डिबी और डिडालोमा के िलए पा?ह+गे; (घ) फैलोिशप, छा?वृis, दश िनयो, पदक और पुरकार दए जाने क शतn; (ड.) परी>णिनकाय+, परी>क+ और मॉडरेटर किनयुि त क शतn और तरीके; 33: इस अधिनयम और िविधय+ के ावधान+ के अधीन,)येकसंथान के अ3यादेशिनहिलिखतम@ से कसी या सभी

15.1 बीटेक (सीएस) और बीटेक (आईटी) डिबीएकछा?कोउसके(ारापाmYमम@िनधा &रत[ातक15.2

अंतिमसीपीआईऔर

लास15.3 शै>णिकयो यताकामाणप?: 15.4 पदक दया जाना : भा.सू.ौ.स. (सा. िन. भा.

318

318 318 314 315 315 316 316 316 316 316 317 317 317 317 317 318 318 318 319

(च) परी>ाIX का संचालन; (झ) संधान के छा?+म@ अनुशासन का रख-रखाव; तथा (ज) कोई अपय मामला जो अ3यादेश+(ारा इस अधिनयम या विविधय+ (ारादया जाना है या दानकया जा सकता है। (2) सीनेट (ारा बनाए गए सभी अ3यादेश उसके (ारा िनदक्षित तिथि से लागू ह+गे, लेकिन ऐसे जारी कया गया)येकअ3यादेशबोड के पास िजतनी जदी हो सके, तुतकया जाएगा और बोड (ारा अपनी अगली बैठक म@ विचार कयाजाएगा। (3) ताव के (ाराबोड के पास ऐसे कसी भी अ3यादेश के संशोधन या र्क करने कशि_ होगी और इस तरह के

अ3यादेशऐसे तावक तारीख से संशोधित या र्क, जैसा भी मामला हो।

तावनाभा.सू.ौ.स.वडोदरा(ारादानकयेजानेवालेसभीबैचलरऑफटे_ोलॉजी (बी.टेक.) काय Yमबी.टेक.िनयमावली(ाराशासितह+गे।2. इनिनयम+म@निहतावधानछा?पंजीकरण, , , , पामYममूयांकनऔरमूयांकनकेतरीक+, , , , शै>णिकदश नकपयूनतमआव<यकताXऔरबी.टेक.िडबीहेतु दश नकेमूयांकनकेलिऐनयम+औरशतकोनिनयंितकर@गे।3. संधानिहलिखतशाखाXम@बी.टेक.काय Yमदानकरेगा

अ3 यादेश भिवयम@तावितअपयबी.टेक.िडबीकाय Yम+परभीलागूहोगा।येअ3 यादेश भारतसरकार(ाराअनुमोदतऔरकािशतहोनेकिथिसेभावीह।अ3 यादेश केवलिडबीकाय Yम+केवेशकेबादकशै>णिकगितिविधय+सेसंबंधितहै।वेशकेलिऐपा?ता मानदंड,वेशYया, , , , आदइनिनयम+केदायरेसेबाहरह।

1.1)येक शै>णिकस? को लगभग अठारह सQाहक अविध के दो छमाही म@ विभाजित कया गया है (येक छमाही म@क>ाIX के लिए कम से कम सSRकाय दवस): एक शरद ऋतु छमाही और एक शीतकालीन छमाही । 1.2 इसके अलावा, गKमय+क छुी (ेक) के दौरान एक छमाही हो सकता है, िजसे bीम कालीन छमाही कहा जाता है। 1.3 स? के लिए सीनेट(ाराअनुमोदत शै>णिकगितिविधय+कअनुसूची म@ पंजीकरण के लिए तारीख@, म3य-छमाही और अंत-छमाही परी>ाएं, इंटर-छमाही ेकआद कोस? के शै>णिककैल@डरम@निधा &रतकया जाएगा।

2.1 [ातककाय Yमक)येक शाखा म@सीट+कसं;या िजसके लिए भा.सू.ौ.स. वडोदरा म@वेशकया जाना है, भा.सू.ौ.स. वडोदरा क सीनेट (ारा तय क जाएगी। समय-समय पर भारत सरकार के िनण य+ के अनुसार अपय पिछड़ा वग (ओबीसी), अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी),शारी&रकOप से विकलांग (पीसी) उ।मीदवार+ के लिए सीट@आरि>तह।टीआर 2:

34: (1) इस खंड के अनुसार, अ3यादेश सीनेट (ारापा&रतकया जाएगा।

क) कांयूटरिवLानएंडअभयांिक (सीएसई) म@चारवषयबी.टेक. ख) सूचनौगिक (आईटी) म@चारवषयबी.टेक.

शै,णिककैल9डर

¹Hkx IIμ[k.M 3(ii)^o Hkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 311

2.2 कसी भी वष बी.टेक.काय Yमम@वेश भारत सरकार के आदेश के अनुसार होगा। वत मानम@ ये क@ीयमा3यिमकिश>ाबोड (सीबीएसई) केदशा-िनदक्ष+ के अनुसार संयु वेशपरी>ा (जेईई) मुय और एचएससी परी>ाIXम@ सीएसएबी (ारासंबंधित वष के लिए आयोजित काउंसलग के मा3यम से दश न पर आधा&रतह।2.3 संधान के कसी भी काय Yमम@ अनंतिम Oप से या अपयथा पंजीकृत)येकछा?, सीनेट (ारा िनधा &रतयो यताडिबी/अनंतिममाणप? और ऐसे अपयदतावेज+कितयांतुतकर@गे। इन दतावेज+ को िनधा &रत तिथि तक जमा करना होगा। कसी भी छा? का वेश, अनंतिम या अपयथा, जो िनधा &रत तिथि तक या तो आव<यकदतावेजतुतनह करता है या वेश के लिए कसीअपयिन्धा &रतआव<यकता को पूरा करने म@ विफल रहता है, संधान(ारारकया जा सकता है। 2.4 यद यह पाया जाता है कछा? ने वेश के समय गलत जानकारी दी थी या कुछ ासंगिक जानकारी को दबा दया था तो ऐसे कसी भी छा? के वेश को सीनेट (ाराकसी भी समय र्कया जा सकता है। 2.5 असंतोषजनक शै>णिकदश न के आधार पर या अनुशासना)मक आधार पर संधानकसी भी छा? के वेश को र्क करने का अधिकार रखता है और उसे उसके आजीविका के कसी भी चरण म@ पढ़ाई बंद करने के लिए कह सकता है। 3.1 (क) छा?+ को सभी क>ाIX (Zाऱयान, ूटो&रयल, योगशाला, ैि

टकल, काय शालाXआद) म@ भाग लेना अपेक्षित है, जिसके लिए उपह@ पंजीकृत किया गया है। (ख) छा?+ को सभी क>ाXम@ भाग लेना होगा। छा? को अंतिम छमाही परी>ाम@उपस्थित होने से वंचित किया जा सकता है यदक>ाम@ उस कउपस्थित 75 तिशत से कम है और फर उस पामYमम@ "एफ" bेडदानकया जाएगा। अनुपस्थित का3.2 (क) छा?+ से छमाही के दौरान संधान से दूर रहने कअपे>ानह□ क जाती है। (ख) छा?+ को िनकट प&रवारम@मृ)यु जैसी िथितय+म@अनुपस्थितकछु□ी दी जा सकती है। इस तरह कछु□ीकसी भी िथितम@ एक सQाह से अधिक नह□ होगी। (ग) बीमारी के कारण अनुपस्थित का अवकाश उचित अनुमित लेने के बाद दानकया जाएगा, जो क तीन सQाह से अधिक नह□ होगा। आपात िथित के कारण, इस तरह कअनुमित बाद म@ और आव<यक होने पर अभिभावक (ारा ली जा सकती है। (घ) यदकसी छमाही म@अनुपस्थितक अविध तीन सQाह से अधिक है, तो छा? को अपने (ारा पंजीकृत सभी पामYम+को छोड़ते, ए छमाही छोड़ना होगा। सीनेट केवल िवशेष प&रिथितय+म@ लंबे समय तक अनुपस्थित रहने और खोए, एसमय कपूक करने कछा?क>मता का पता लगाने के बाद ही इसक अनुमित दे सकती है। (ड.) खंड 3.2 (क) से 3.2(घ) के अनुसार अनुपस्थितकछु□ी को उपस्थित के ऒपम@नह□ माना जाएगा। 3.3 छा?किज़1मेदारी होगी क वह छा?ावास के वाड निजसम@ वह िनवास कर रहा/ रही है, और संबंधित िश>क+ को छु□ी पर जाने से पहले अपनी अनुपस्थित के बारे म@ बताए। 4.1 छा?संधान के दायरे के भीतर और बाहर रा6ीयमह)व के संधान के छा?+क तरह आचरण कर@गे।4.2 छा? अनुशासन से संबंधित सभी मुq+ के िलए, सामायदशािनद□शछा? अनुशासन कपुितकाम@ बताए गए हH।आर3: उपस्थित

औरअनुशासन

5.1 सामायपयऒ से, [ातककाय Yमक एक िवशेष शाखा म@भत□छा?[ातक होने तक उस शाखा म@अउययन जारी रखेगा। 5.2 िवशेष मामल+म@, संधान दूसरे छमाही के बाद छा? को पढ़ाई क एक शाखा से दूसरी शाखा बदलने क अनुमित दे सकता है। इस तरह के बदलाव क अनुमित इसके बाद के ावधान+ के अनुसार दी जाएगी। 5.3 केवल उन छा?+ को दूसरे छमाही के बाद शाखा / काय Yमम@ बदलाव के िलए यो य माना जाएगा, िजपह+ने पहले यासम@ अपने अउययन के पहले दो छमाही म@आव<यक सभी सामाययYेडिट को पूरा और उडीण किया है। 5.4 इZ छुक पा?छा?+(ारा शाखा/काय Yमम@प&रवत न के िलए आवेदन िनधा &रतप?म@ भेजकर किया जाना चाहिए। शै>णिक अनुभाग)येकशै>णिकवष के दूसरे छमाही के अंत म@ आवेदन मांगेगा और पूण कए गए फॉम को अधिसूचना म@िनपद] अंतिम ितिथ तक जमा करना होगा। 5.5 छा? वरीयता के Yमम@ अपनी पसंद कशाखा / काय Yम, िजसम@ वे बदलाव करना चाहते हH,को सूचीबR कर सकते हH। आवेदन जमा होने के बाद िवकप+म@ फेरबदल करने क अनुमित नह□ होगी। 5.6 शाखा / काय Yम का प&रवत नआवेदक+क वरीयता के Yमम@ कड़ाई से किया जाएगा। इस योजन के िलए दूसरे छमाही के अंत म@ाQ सीपीआई पर िवचार किया जाएगा। टाई के मामले म@, आवेदक+क जेईई RHक पर िवचार किया जाएगा। 5.7 आवेदक+ को शाखा म@ बदलाव क अनुमित केवल वरीयता के Yम से ही दी जा सकती है, बशतक एक शाखा कछा?संया मौजूदा छा?संया से दस तिशत से कम नह□ होनी चाहिए और वीकृत से दस तिशत ऊपर नह□ जानी चाहिए। 5.8 उपरो िनयम+ के अनुसार संबंधित आवेदक+ के कए गए शाखा के सभी प&रवत न तीसरे छमाही से भावीह+गे। इसके बाद कसी भी शाखा / काय Yमम@प&रवत नक अनुमित नह□ दी जाएगी। 5.9 शाखा के सभी प&रवत न अंतिम और आवेदक+ पर बाउयकारीह+गे। एक बार शाखा म@प&रवत न मंजूर होने के बाद, कसीभी छा? को कसी भी प&रिथितम@, तावित शाखा म@प&रवत न से इनकार करने क अनुमित नह□ दी जाएगी। बीटीआर6 पामसंधानम@िश>ाअउययन के छमाही -आधा&रतYेडिटणाली के अनुसार आयोजित क जाती है। छा? को पामYमकक>ाXम@ भाग लेने और इसके िलए YेडिटअKजत करने क अनुमित केवल तभी है जब वह उस पामYम के िलए पंजीकृत हो। Yेडिटसटमकमुख िवशेषता एक छा? के दश न / गित के िनरंतर मूयांकनकYया है जो एक छा? को उसक>मता या सुविधा के अनुकूल उपयु गित से गित करने क अनुमित देता है, बशत िनरंतरता के िलए Pयूनतमआव<यकताXको िडbी के पूरा करने

क अधिकतम वीकाय अविध के भीतर पूरा कया जाए। छा? के दश न / गित को उस Yेडिटकसंया से मापा जाता है जिसे उसने अकजतकया है, अथा त संतोषजनक तरीके से पूरा कया है। छा?(ाराQपाmYमYेडिट और bेड के आधार पर बेडावाइंटक गणना क जाती है। काय Yमम@ संतोष जन्मक मित और निरंतरता के लिए Pयूनतमबेडबदु बनाए रखने क आवक्यकता है। डिबी के लिए यो यताQ करने के लिए अकजतYेडिटकPयूनतमसंयाऔर Pयूनतमबेडबदु भी हासिल कए जाने चाहिए। 6.1 पाmYम+ के शि>ण को Yेडिटम@ बदला जाएगा; Yेडिटिनाहिलिखतसामापयपैटन के आधार पर पाmYम+ को दए गए ित सQाह 1 घंटाZाऱयान (एल)ित सQाह 1 घंटे का ढूटो&रयल (टी) ित सQाह 2 घंटेयोगशाला (पी) ित सQाह 3 घंटेयोगशाला (पी) शाखापरवत?न

1 Yेडिट1 Yेडिट1 Yेडिट2 Yेडिट

'Hkkx IIµ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 313

6.2 संधानक बी.टेक. डिबी के लिए यो य होने के लिए छा? को एक विशेष काय Yम के लिए पाmYमम@निधा &रतYेडिटआवक्यकता को पूरा करना आवक्यक है। 6.3) येक बी.टेक.काय Yम के लिए सीनेट (ाराअनुमोदतपाmYम और पाm विवरण होगा। 6.4 िनदशन, परी>ा और ोजे ट&रपोट का माउयमअंजेजी होगा। 6.5 संकाय सलाहकार छा?+ को अपने पाmYम+ के अउययनक योजना बनाने और शै>णिककाय Yम पर सामापय सलाह ाQ करने म@ मदद कर@गे, संबंधित विभाग)येकछा? के लिए एक संकाय सलाहकार िनयु करेगा।

)येक छमाही कशुआतम@, काय Yम के पूरा होने तक, एक छा? को उस छमाही और पाmYम के लिए पंजीकृत होना चाहिए जिसका वह छमाही के दौरान अउययन करेगा। पंजीकरण अनुसूची पहले से ही घोषित क जाती है, और शै>णिक अनुभाग (ारानिधा &रतYया के माउयम से पंजीकरण आमतौर पर)येक छमाही के पहले दो दन+

के भीतर कया जाता है। वैधकारण+ के होने पर रिजुअर को आवेदन करके, और केवल िनधा &रत विलंब

पंजीकरण शुक् के भुगतान पर देर से पंजीकरण क अनुमित दी जा सकती है। कसी भी िथितम@,

शै>णिककैल@डरम@ देर से पंजीकरण के लिए िनधा &रत अंतिम ितिथ से पहले पंजीकरण पूरा होना चाहिए। संधान या छा?ावासक कोई बकाया राशि रखने वाले छा?+ को पंजीकरण करने क अनुमित नह दी जाएगी। बीटीआर7.2 पामछा?जिसकेकोईबैकलॉगपाmYमनहह (यानीजोपिछलेसभीपाmYम+m@उसीण होचुकाहै) छमाही के लिए निधा

&रतसभीपाmYम+m@पंजीकरणकेपा?ह+गे। एकछा?जिसकेपासबैकलॉगपाmYमहयशै>णिकप&रवी>ापरहै कसीपाmYमकेलिएपंजीकरणकरनेवालेछा?कोउसिवशेषपाmYमकेलिएकसीभीतरहसेपूवा पेि>तपाmYम (म+) कोसफलतापूर्व कपूराकयाहोनाचाहिए।पूवा पे>ा क&ठनहोनेपर, कमसेकम "डीडी" बेडआवक्यकहै।क.कोई छा? जो छमाही के लिए पंजीकरण से पहले िनकासी चाहता है, उसे संबंधित छमाही के लिए देर से पंजीकरण 7 पंजीकरण

7.1 पंजीकरण

के लिए िनधा &रत अंतिम ितिथ से पहले डीन (शै>णिककाय Yम) से औपचा&रक अनुमोदन ाQ करना होगा। छमाही के लिए पंजीकरण के बाद िनकासी क अनुमित केवल िचक)सा आधार पर या अपय असाधारण कारण+ से दी जाती है और संबंधित छमाही के लिए अंतिम छमाही परी>ाशुO होने क तारीख से पहले इस तरह क वापसी के लिए औपचा&रक अनुमोदन डीन (शै>णिककाय Yम) सोQकया जाना चाहिए। पंजीकरण से पहले या पंजीकरण के बाद छमाही से िनकासी के लिए अनुमित, एक समय म@ केवल एक छमाही के लिए दी जाती है। यदछा? िनयिमत छमाही के लिए पंजीकरण नह करता है या ऊपर बताए अनुसार डीन (शै>णिककाय Yम) से अनुमित नह लेता है, तो उसे संधान से िनफासित कर दया जाएगा।

14.1) (शै>णिककाय Yम+केडीन(ाराअलगपाmYम+किसफा&रशकजासकतीहै)।पूवा?पेि,तपाम

से नाम वापसी और पंजीकरण न कर पाने पर िनह का

बीटीआर8 पाmYम+ के ऑडMटग से छा?+ को अपने समब काम के बोझ को बढ़ाए िबना अित&र विषय+ के संपक म@ आने क अनुमित िमलती है। िनहिलिखतशत के तहत पांचव@ छमाही से ऑडिट के लिए पाmYम+ के पंजीकरण क अनुमित है:

बीटीआर9पाम भारछा? को िनयिमत छमाही के िलए पामचया म@निधा &रतपामYम+ से अित&र_ पामYम+ के िलए पंजीकरण करने कअनुमित दी जा सकती है, बशतकपामYम+क कुल संया 7 से अधिक न हो और कुल Yेडिट 26 से अधिक न हो। एक छा?को एक या अधिक पामYम+ को छोड़ते ,ए अपना पामYम भार कम करने क अनुमित है, बशतपामYम+कसंया कम से कम 4 हो और पंजीकृत Yेडिट 12 से कम न ह+। तथापि, अपने िनयिमत सातव@ छमाही के पूरा होने के बाद, छा? को चार से कम पामYम+ के िलए पंजीकरण करने क अनुमित दी जाएगी।

ख.जो छा? पिछले छमाही (सेमेटर+) म@ नाम वापस लेने के बाद छमाही के िलए पंजीकरण करता है, पूरा पे>ाIX, ग. "नाम वापसी क िथित" वाले छा?कितिलिप संबंधित छमाही (र+) के िलए उपयु िथित "वापस ले ली गई"

क.पूरे काय Yम के दौरान एक छा? अधिकतम दो पामYम ऑडिट कर सकता है। ख.छमाही के िलए पंजीकरण करते समय छा? को पामYम पंजीकरण फॉर्म म@ ऑडिट कए जाने वाले पामYम+ को ग.छा? ऑडिट के िलए पामYम रिजटर कर सकता है, बशतिनालिखत दो शतn पूरी ह+:

घ.ऑडिट कोस को अित&र_ भार नह□ माना जाएगा। ङ.यदछा? का दश न संतोषजनक है, तो पी (उ) तीण) बेंडदानकया जाएगा। यददश न संतोषजनक नह□ है, तो च.छमाही दश न सूचकांक (एसपीआई)/संचयी दश नसूचकांक (सीपीआई) क गणना म@ ऑडिट पामYम पर िवचार यद कोई हो, के अधीन उस िवशेष छमाही के िलए पामचया के िनधा &रतमानदंड+ के अनुसार, उपलब्धपामYम+दखाएगी। जो छा?शै>णिक या अनुशासना)मक कारण से िनलंबित है, कितिलिप भी "वापस ले ली गई" िथितदखाएगी।

भरना होता है। छा? के पामYम पंजीकरण फॉर्म के &टापणी कॉलम म@ "ऑडिट" शब्द का उलेख िवशेष ाप से

नह□कया जाएगा। तथापि, यद "पी" बेंडदानकया गया था, तो एक ऑडिट पामYम के ाप म@ छमाही बेंड&रपोट और ितिलिप म@ पामYमप&रलि>त होगा, अपयथा छमाही बेंड&रपोट और ितिलिप म@ पामYमकटनह□ होगा।

ii. i.

ऑडिट के िलएपाम
िनयिमतछमा
ही
पामऑडwटग

पामYमिश>क पंजीकरण क अनुमित देता हो और अनुमोदन करता हो, और Zाियान, योगशाला और ाूटो&रयल टाइम-टेबल इसक अनुमित देते हH।

¹Hkkx IIμ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 315

बीटीआर 10 छा?+ के शै>णिक दश न के मूयांकनम@अपय िनरंतर मूयांकनघटक+ के साथ-साथ छमाही और अंत-छमाही परी>ांशामिल हH।कसीपामYमम@ िनरंतर मूयांकन के िविभाघटक+म@gृह स?ीय काय (असाइनम@ट), ाूटो&रयलअसाइनम@ट, बुप असाइनम@ट, ' ज़, परी>ण (खुली या बंद कताब), वाइवा-वॉयस, िमनी ोजे

टआद शामिल हो सकते हH।Zाियान/योगशालाX/ाूटो&रयलम@उपिथित को भी पामYममूयांकनम@ उचित भार दया जा सकता है। िश>कZाियान/ाूटो&रयल/लैब अनिवाय म@उपिथित (80% या उससे कम) अनिवाय बना सकते हH और डीन (शै>णिककाय Yम) से परामश करने के बाद, उन छा?+को "एफ" बेंडदान कर सकते हH जो उस पामYमम@उपिथित के िनधा &रततर को ाQनह□ करते। ऊपर सूचीबRि विभामाउयम+ से छा?+ के शै>णिकदश न के मूयांकन के िलए वेतेज का िवतरण, िनदेशक से उचित अनुमोदन लेने के बाद छमाही

कशुआतम@पामYमिश>क(ारा सूचित कया जाएगा। नोट: शै>णिकआव<यकताएंजैसेजो

टऔरबीमकालीनअसाइनम@ट,..., जोपामचया म@निधा &रतहH, , , ,

मूयांकनकेउके<यकेिलएपामYमकेापम@मानेजातेहH।बीटीआर10.2पाममूयांकनपाममूयांकन

	बड+ को नीच दी गई तालिका मवकणत	
	10तदनुापी अंक10 Yम क िलए, सभी	
	असानमट+ म उसक	

FIP

0 - -

अनु) तीण अपूण उ) तीण

छा? ने िजस पामYम को Yेडिट के िलए चुना हो और उसम@एफ bेडाQकया हो, तो उस पामYम को दोहराना चाहिए। इस तरह के पामYम को बैकलॉग पामYम माना जाता है और पंजीकरण िनयम+ के अधीन है। एक बैकलॉग पिछकपामYम को उसी tेणी के दूसरे पिछक(ारा बदला जा सकता है। बीटीआर11.2छा? िजसका सीपीआई 5.0 से कम है, को केवल एक िनयमित छमाही म@बेड सुधार के उqे<य से एक पामYम िजसम@ उसने डीडी bेडाQकया हो दोहराने क अनुमित है। दोहराए गए यास (स+) म@ाQबेड को इसके बाद के छमाही के िलए सीपीआई क गणना के उqे<य से िवचार कया जाएगा। तथापि, पहले और बाद के यास(यास+)म@ाQबेड को ितिलिप म@दखाया जाएगा। बीटीआर12 12.1 सभी छा?+ को बी.टेक.ोजे ट (बीटीपी) को पूरा करना आव<यक है। Yेडिटककुल सांया समय-समय पर सामापYOP से पामYमम@िन्धा &रतक जाएगी। 12.2 सीनेट (ारा अनुमोदत बीटीपी मूयांकनदशा-िन्दश+ से पंजीकरण के समय छा?+ को सूचित कया जाएगा। ख.छा?पामYमम@उSीण होता है, यद उसे AA से DD कतेणीम@ कोई भी bेड िमलता है, लेकिनयद उसे F bेड

ग.यदपामYमम@छा? का समबदश न संतोषजनक है लेकिनप&रवारम@ बीमारी, दुघटना/मृयु के कारण छा? या ाQ होता है, तो वह अनु) तीण हो जाता है। कुछ पामYम+ को पास/फेल पामYम के OPम@ इंगित कया जाता है, और इन पामYम+म@ P/F bेडदानकया जाता है। परी>ा / िनरंतरमूयांकनYयाम@ कदाचार के मामले म@ भी F bेड दानकया जा सकता है। एसपीआई/सीपीआई क गणना के िलए पास/फेल पामYम+ पर िवचार नहकयाजाता है। तो अंत-छमाही परी>ा चूक जाता है या असाधारण प&रिथितय+म@ डीन (अकादिमक काय Yम) से इस तरह कवीकृिताQ करता है, तो उसे "आई" bेडदानकया जाएगा। कोई छा? जो अंतिम-छमाही परी>ानह दे पाता है, उसे आवेदन करना चाहिए और उसका आवेदन (i) बीमारी के मामले म@संथान के िचक)साधिकरण (ारािविधवत अनुमोदत उचित िचक)सामाणप?(ारा या (ii) प&रवारम@मृयुक घटना म@पया Qमाण(ारासमKथत होना चाहिए। िबना समथ न के कये गए आवेदन पर िवचार नहकया जाएगा। एंड-छमाही परी>ा न दे पाने के िलए दानकए गए "I" bेड को उस िवशेष पामYम के अंतिम-छमाही परी>ा के बराबर परी>ा देने के बाद एक दश नबेड (पामYमम@छा? के समबदश न के आधार पर) म@ बदल दया जाएगा। एक "I" bेड को अगले छमाही के िलए शै>णिककैल@डरम@िन्पद ितिथ तक एक दश नबेड म@प&रवKतकया जाना चाहिए, अपयथा इसे "एफ" bेडम@ बदल दया जाएगा। पामदोहराना

दश?नसंकेत

क

बैकलॉग

पाम

सूचकांक (एसपीआई)

¹Hkx IIµ[k.M 3(ii)° Hkjr dk jkti=k % vIk/kj.k 317

छमाही म@ एक छा? के दश न को छमाही दश नसूचकांक (एसपीआई) (ारा इंगित कया जाता है। एसपीआई, छमाही के दौरान छा?(ारा पंजीकृत सभी पामYम+m@ाQबेडअंक+ का भा&रत औसत (दो दशमलव थान+तक प&रभाषित) है।

संथानम@वेशकरनेकेसमयसेछा?केसमदश नकाअिततमूयांकनछा?केसंचयीदश नसूचकांक (सीपीआई))))
कगणनाकरकेQकयाजाताहै।

सीपीआईसंथानम@वेशकेबादछा?(ाराYेडिटकेलिएपंजीकृतसभीपामYम+m@ाQबेडअंक+काभा&रतऔसतहै।सीपीआईकगणनाभीदोदशमलवथान+तककजातीहै।एसपीआई उन सभी पामYम+m@छा? के समबशै>णिकदश न का संकेतक है, जिसम@ उसने कसी छमाही के दौरान पंजीकरण कया है। इसक गणना िनकार से क जाती है: यदछा? को दए गए बेड (संया)मक मान बीटीआर 10.2 के अनुसार) G₁, G₂, ... आदहH, िजनके पामYम+m@Yेडिटयूनिट U₁, U₂, ... आदहH तो एसपीआई है, एसपीआई= (U₁G₁ + U₂G₂ + ...) / (U₁ + U₂ + ...) उपरो गणना म@, P बेड वालेपामYम+ को अनदेखा कया जाता है। इसी तरह, सीपीआई वत मान छमाही म@ िलिए गए सभी पामYम+ सहित संचयी शै>णिकदश न को इस Oपम@ इंगित करता है, 13.3 एसपीआई सूचकांक(सीपीआई

एक छा? को उसके दूसरे छमाही म@ िलिखत सूचना के साथ शै>णिकप&रवी>ा पर रखा जाएगा यद पहले छमाही के अंत म@उसका एसपीआई 4.5 से कम है। बाद के छमाही म@, एक छा? को िलिखत सूचना के साथ शै>णिकप&रवी>ा पर रखा जाएगा यद िपछले छमाही म@ उसका सीपीआई 5.0 से कम है या यद उसका एसपीआई िपछले छमाही म@ 4.5 से कम है। शै>णिकप&रवी>ा पर रखे गए)येकछा? के िलिए, डीन (शै>णिककाय Yम) एकPयूनतम एसपीआई िनधा &रत करेगा जो छा? को छमाही म@ाQ करना होगा। इस कार िनधा &रत Pयूनतम एसपीआई क गणना एसपीआई / सीपीआई के संदभ म@छा? के दश न और [ातककPयूनतमआव<यकताXक तुलना से होगा। बीटीआर 14.2 खराबयदकसीछा? का दश न इतना खराब है क उसे आगे कसी भी काय Yम को जारी रखने से लाभ होने क संभावना नह है, तो उसे संथान छोड़ना होगा। इस योजन के िलिए, छा? के शै>णिकदश न का मूयांकनशुOम@संथानम@ दूसरे छमाही के अंत म@ और उसके बाद)येक छमाही के अंत म@कया जाएगा। यह मूयांकनछा?(ाराQ सीपीआई और एसपीआई पर आधा&रत होगा।शै, कपरवी,)यूनतमआव%यकताएँ

छा? जिसका सीपीआई दूसरे या चौथे छमाही के अंत म@ 4.0 से कम है, उसे संथान से िनफाकिसत कर दया जाएगा। तथापि, ऐसे छा? को दूसरे या चौथे छमाही के बाद, बीफ मकालीन छमाही म@उपलध बैकलॉग पामYम+ के िलिए पंजीकरण करने कअनुमित दी जा सकती है। इस तरह के एक छा? को उपलधबीफमकालीन पामYम+m@ से अधिकतम तीन के िलिए पंजीकरण करने क अनुमित होती है, जिसम@ उसका एफ या डीडी बेड है। यदछा?स।बंथितबीफमकालीन छमाही के अंत म@ 4.0 कPयूनतम सीपीआई ाQ करता है, तो उसे काय Yमम@फर से वेश करने क अनुमित दी जानी चाहिए। काय Yम को पूरा करने कPयूनतम अविध चार शै>णिकवष है। हर िथित म@, एक छा? को छह शै>णिकवषक अधिकतम अविध के भीतर अपनी डिबीकआव<यकताX को पूरा करना चाहिए, अप यथा उसे संथान छोड़ना होगा। छह साल कअविध म@ ऐसे कसी भी छमाही को शािमल नहकया जाता है, जिसम@छा?क "नाम वापस िलया गया" क िथित है। बीटीआर15 आव%यकता (सीनेटXाराकाय Yम के अंत म@ सीपीआई क गणना के योजन+ के िलिए, छा? के सीपीआई क गणना पामYम+ से ाQसव ते सीपीआई के आधार पर क जाएगी। छा? के अंतिम सीपीआई क गणना करते समय बी.टेक.ोजे

ट (यदपामचया म@िनधा &रतOप से बेड दया गया हो) को शािमल कया जाना चाहिए।

कोईछा?जोिनधा &रतअधिकतमअविधकेभीतरडिबीकआव<यकताXकोपूराकरनेम@असमथ है, , , ,

वहइसकेलिएआवेदनकर "शै>णिकयो यताकामाणप?"

ाQकरनेकेलिएपा?होगा।माणप?जारीकरनेकपा?तामानदंडऔरYयासमय-समयपरसंथानकेसीनेट(ारािनधा &रतकजाएगी।बीटीआर15.4 िनहिलिखतमानदंड+ को पूरा करने वाले [ातक (क+) कोअ3य> के वण पदक से स।मािनतकया जाएगा। बेजुएट को चाहिए 1. वेशबैच (िवभाग+ / शाखाXम@) म@उ=तम सीपीआई 2. 9 कPयूनतम सीपीआई 3. शै>णिककाय Yमक अविध के दौरान शै>णिकप&रवी>ा पर नह रखा गया हो 4.

शैक्षणिककाय Yम अविध के दौरान अनुशासनात्मकपदवी पर नह रखा गया हो 5. तिलिप म कोई अनु तीण “एफ” बेंड न हो। पुरकार के लिए एक से अधिक उमीदवार के यो होने के मामले म, सभी उमीदवार को पदक से समानितकया जाएगा। संथानकेकेकेकेपदक 9.0
याउससेअधिककसीपीआईकरताहै, तोतिलिपउकृदकशतकरेगीऔरयदछा? 6.5 9.0
सेकमकसीपीआईकरताहैतोथम णी दकशत करेगी।

अंतिमसीपीआई

शैक्षणिकयोयता

(सीएस) औरबी.टेक. (आईटी) डि

अधिकतमअविध

संथानसेसेसेसेनिहका

Hkkx IIµ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 319

है।भा&रतयोग।एलऔरटीकेलिएभार 1.0

दसंबरतकऔरदूसरा (शीतकालीनछमाही) जनवरीसेमईतक।बीमकालीनछमाही नियमितनह

हैलेकनलगभगआठसQाहकाविशेषछमाही हैजोआमतौरपरमईऔरजुलाईकेबीचहोताहै।

Sांस(Pट:कसीछा?(ारापंजीकृतसभीपामYम+म@ाQbेडकाआधका&रक&रकॉड

औरइसेडिबीआव<यकताXकोपूराकरनेकेबादजारीकयाजाताहै।अंक: पामYमकेलिएदएगए
लेटरबेडकेYेडिटऔरअंक+काउ)पाद।1.संथान उन छा?+ को वण पदक दान करेगा, जिपह+ने अपने संबंधित
काय Yम+म@ पहला थान हासिल कया है। 2.)येककाय Yम के दूसरे थानधारक+ को संथान रजत पदक दया

जाएगा पाम:पामYमम@निधा

&रतएकपामYमजोयातोछा?(ारापंजीकृतनहकयागयाहैयाविवफलहोगया।16श;दावलीेडिट:पामYमकेसाथजुड़ेZ

ाियानघंटे (एल), , , , टूटो&रयलघंटे (टी) औरZावहा&रकघंटे (पी) कसांयाका

रपोट?: छमाही म@एकछा?(ारापंजीकृतसभीपामYम+म@ाQbेडकाआधका&रक&रकॉड।16

सQाहकअविधकेदो नियमितछमाही होतेहH, , , , पहला (शरदछमाही) जुलाईसे

माटरऑफ्टे लॉजीकाय Yमिनयमावली

विषयसूची

एमटीआर 3: 1. काय Yमअवलोकन2: शैक्षणिककैल@डर322 322 322

एमटीआर 7

एमटीआर 8पामYममूयांकनऔरमूयांकनकेसाधन

एमटीआर ोजे

ट/थीसिसकआव<यकताएंएमटीआर 6.1 विशेषता के >?एमटीआर 6.2 एम.टेक. (ोजे

ट मोड) कYेडिट संरचना एमटीआर 6.3 एम.टेक. (थीसिस मोड) कYेडिट संरचना एमटीआर 7.1

पंजीकरण के लिए Yयाएमटीआर 7.2 पामYम पंजीकरण के लिए पा?ताएमटीआर 7.3 पूवा

पेि>तपामYमएमटीआर 7.4 छमाही से नाम वापसी और निष्कासनएमटीआर 8.1 पामYममूयांकनएमटीआर

8.2 बेडगएमटीआर 9.1 बैकलॉग पामYमएमटीआर 9.2 बेड सुधार एमटीआर 10.1 छमाही दश न सूचकांक

(एसपीआई) एमटीआर 10.2 संचयी दश न सूचकांक (सीपीआई) एमटीआर 10.3 एसपीआई और सीपीआई क

गणना

एमटीआर 12.1 ओजे

ट के साथ एम.टेक. एमटीआर 12.2

थीसिस (ारा एम.टेक. एमटीआर 12.3

काय Yमम@प&रवत नएमटीआर 13.1

शु क संरचनाएं एमटीआर 13.2 विवीय

सहायता

4: उपिथितऔरअनुपिथितकाअवकाश5:

आचरणऔरअनुशासन6. पामYमसंरचना

9 पा०म०मदोहराना

10 दश नसूचकांक

11. शै० णिक आव० यकताएं

13 वि० सी० यिववरण 322 323 323 324 325 325 313 327 327 327 327 327 327 328 329 329 329 329 329 329 330 330 330 330 330 330 330

¹Hkxx IIμ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vIk/kj.k 321

नि० लिखत भारतीय सूचना ा० णिक (साव जिनक-निजी भागीदारी) अधिनयम, 2017 (2017 क सं० 23) के अंश ह०। या सभी मामल० नामतः के िल० दान कर सकते ह०: - (क) (ख) (ग) (घ) (ङ) (च) (छ) (ज) (झ) (2) सीनेट (ारा बनाए गए सभी अ० यादेश इसके (ारा नि० द० णिक ितिथ से लागू ह०गे, लेकिन ऐसे जारी कया गया) येक अ० यादेश बोड के पास िजतनी जदी हो सके, तुतकया जाएगा और बोड (ारा अपनी अगली बैठक म० विचार कया जाएगा। (3) ताव के (ारा बोड के पास ऐसे कसी भी अ० यादेश के संशोधन या र० करने कशि० होगी और इस तरह के अ० यादेश ऐसे तावक तारीख से संशो० धित या र०, जैसा भी मामला हो, ह०गे।

एमटीआर 13.3 टीए मूयांकन

एमटीआर 16.1 एम.टेक. (सीएसई) िड० बी० छा० को तब दी जाएगी जब वह पा०म०मम० नि० धा & रत० ातक आव० यकता (जैसाकसी भी नेट (ारा अनुमोदत है) को पूरा कर लेता है। एमटीआर

16.2 अंतिम सीपीआई और

लासः एमटीआर 16.3 शै० णिक यो यता का माणपः

34: (1) इस खंड के अनुसार, अ० यादेश सीनेट (ारा पा० रतकया जाएगा। 33: इस अधिनयम और िविधय० के ावधान० के अधीन, येक संथान के अ० यादेश नि० लिखत मामल० म० से कसी छा० का संथान म० वेश; संथान के सभी िड० बी० और िडालोमाम० अ० ययन के िल० नि० धा & रतकए जाने वाला पा०म०म; वे शत० िजन के तहत छा० को िड० बी० या िडालोमा पा०म०म और संथान कपरी० ा० के िल० वेश दया जाएगा, और िड० बी० और िडालोमा के िल० पा० ह०गे; फैलो० शिप, छा० वृ० ि, दश नि० य०, पदक और पुरकार दए जाने कशत०; परी० णिकाय०, परी० क० और मॉडरेटर क नि० यु० त क शत० और तरीके; परी० ा० का संचालन; संथान के छा० म० अनुशासन का रखरखाव; तथा कोई अप०य मामला जो अ० यादेश (ारा इस अधिनयम या िविधय० (ारा दया जाना है या दानकया जा सकता है।

14 अवकाशिनयम 15. शोध नि० बंध 16 िड० बी० का दया जाना

17. आचार संहिता भा.सू.ौ.स. (सा. नि. भा.

331

331 332 332

एमटीआर 1. कां० यू० रि० व० ल० न और अभियां० िककाय० म० मा० टर ऑफ टे० लॉजी (एम.टेक.) काय० म० उ० अ० त शोध को एक छोटे और एक बड़े ोजे ट के साथ शा० मिल करके तैयार कया गया है। शोध उ० मुख आजी० वि० का को आगे बढ़ाने के इ० छु० छा० को ोजे ट के थान पर एक साल के िल० शोधकाय करने का िवकप दानकया जाता है। पहले छमाही का उ० ये० यकां० यू० रि० व० ल० नि० श० ण के िल० आव० यकन० र रखना है। यह छा० को भा.सू.ौ.स. वडोदरा म० नि० द० शा० मकदश न और अ० यापन के तरीके को समझने का अवसर देता है। बाद के छमाही कां० यू० रि० व० ल० न के एक या एक से अधिक >० म० वि० शेष ल० ता के अवसर दान करते ह०। 2.1) येक शै० णिक स० को लगभग अठारह स० ाहक अविध के दो छमाही म० वि० भा० िजत कया जाता है (येक छमाही म० क० >० ा० के िल० कम से कम स० रकाय दवस)। स० म० एक शरद ऋतु छमाही (जुलाई से नवंबर) और एक शीतकालीन स० (जनवरी से अ०) शा० मिल ह०। 2.2 सीनेट (ारा अनुमोदत स० के िल० शै० णिक गिति विधय० क अनुसूची, पंजीकरण के िल० तारीख०, म० य०-छमाही और अंत-छमाही परी० ा०, इंटर-छमाही णिक आद० शै० णिक कैल० डरम०) येक शै० णिक स० के िल० नि० धा & रतकए जाएंगे। एमटीआर 3: 3.1

3.2 3.3

3.4 3.5 काय० म० म० सी० ट० क सं० या िजसके िल० भा.सू.ौ.स. वडोदरा म० वेशकया जाना है, भा.सू.ौ.स. वडोदरा कसीनेट (ारा तय क जाएगी। भारत सरकार के मानक० के अनुसार अप०य िपछड़ा वग (ओबीसी), अनुसू० चित जा० त (एससी), अनुसू० चित जनजा० त (एसटी), शारी० रक० प से िवकलांग (पीसी) उ० मीदवार० के

लिए सीट@आरि>तहH।कसी भी वष म@ एम.टेक. काय Yमम@वेश भारत सरकार के आदेश के अनुसार होगा। वत मानम@ ये बेंजुएट एटी□ूड टेडिभियां?क (गेट) म@दश न और संबंिधित वष के लिए सीसीएमटी (ारा आयोजित काउंसलिंग के माउयम से [ातकिडबीकयो यतादशांिनद□श+ पर आधा&रतहH।संथान के कसी भी एम.टेक. काय Yमम@ अनंितम Oप से या अपयथाभत□)येक छा?, सीनेट (ारांिनधा &रतयो यताडिडबी / अनंितममाणप? और ऐसे अपयदतावेज+कितयांतुतकर@गे। इन दतावेज+ को िनधा &रतित्तिथ तक जमा करना होगा। कसी भी छा? का वेश, अनंितम या अपयथा, जो िनधा &रत ित्तिथ तक या तो आव<यकदतावेज तुतनह□ करता है या वेश के लिए कसीअपयिनधा &रतआव<यकता को पूरा करने म@ विफल रहता है, संथान(ारारकया जा सकता है। यद यह पाया जाता है कछा? ने वेश के समय गलत जानकारी दी थी या कुछ ासंिगक जानकारी को दबा दयाथा तो उस छा? के वेश को सीनेट (ारा बाद म@कसी भी समय रकया जा सकता है। असंतोषजनक शै>णिंकदश न के आधार पर या अनुशासना)मक आधार पर संथानकसी भी छा? के वेश को रक करने का अधिकार रखता है और उसे उसके आजीविका के कसी भी चरण म@ पढ़ाई बंद करने के लिए कह सकता है। शै,णिंककैल9डर

मअवलोकन

और अनुपिथित

'Hkkx IIµ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vllk/kj.k 323

4.1 (क) छा?+ को सभी क>ाX (Zांियान, □ूटो&रयल, योगशालाX, Zावहा&रक, काय शालाXआद) म@ भाग लेने कआव<यकता होती है, िजसके लिए उपह@ पंजीकृतकया गया है। (ख) छा?+ को सभी क>ाXम@ भाग लेना होगा। छा? को अंितम छमाही परी>ाम@उपिथित होने से वंिचित कया जा सकता है यदक>ाम@उसकउपिथित 75 ितशत से कम है और फर उस पामYमम@ "एफ" डेडानकया जाएगा। अनुपिथित का4.2 (क) छमाही के दौरान छा?+से संथान से दूर होने कअपे>ानह□ क जाती है। (ख) छा?+ को िनकट प&रवारम@मृ)यु जैसी िथितय+म@अनुपिथितकछु□ी दी जा सकती है। इस तरह कछु□ीकसी भी िथितम@ एक सQाह से अधिक नह□ होगी। (ग) बीमारी के कारण अनुपिथित का अवकाश उचित अनुमित लेने के बाद दानकया जाएगा, जो क तीन सQाह से अधिक नह□ होगा। आपातिथित के कारण, इस तरह कअनुमित बाद म@ और आव< यक होने पर अभभावक (ारा ली जा सकती है। (घ) यदकसी छमाही म@अनुपिथितक अविध तीन सQाह से अधिक है, तो छा? को अपने (ारा पंजीकृत सभी पामYम+को छोड़ते ,ए छमाही छोड़ना होगा। सीनेट केवल िवशेष प&रिथितय+म@ लंबे समय तक अनुपिथित रहने और खोए ,एसमय कपूकृत करने कछा?क>मता का पता लगाने के बाद ही छु□ीक अनुमित दे सकती है। (ड.) इस खंड के अनुसार अनुपिथितकछु□ीउपिथित के Oपम@नह□ मानी जाएगी 4.3 छा?किज।मेदारी होगी क वह छा?ावास के वाड निजसम@ वह िनवास कर रहा/रही है, और संबंिधित िश>क+ को छु□ीपर जाने से पहले अपनी अनुपिथित के बारे म@ बताए।

5.1 छा?संथान के दायरे के भीतर और बाहर रा6ीयमह)व के संथान के छा?+क तरह आचरण कर@गे।5.2 छा? अनुशासन से संबंिधित सभी मुq+ के लिए, सामापयदशांिनद□शशै>णिंकअ3 यादेश छा? अनुसाशन पुितकाम@बताए गए हH।

संथानम@िश>ाअ3ययन के छमाही -आधा&रतYेडिटणाली के अनुसार आयोजित क जाती है। छा? को पामYमकक>ाXम@ भाग लेने और इसके लिए YेडिटअKजत करने क अनुमित केवल तभी है, जब वह उस पामYम के लिए पंजीकृत हो। Yेडिटसटमकमुख िवशेषता एक छा? के दश न/गित के िनरंतर मूयांकनकYया है जो एक छा? को उस क>मता या सुविधा के अनुकूल उपयु गित से गित करने क अनुमित देता है, बशत िनरंतरता के लिए Pयूनतमआव<यकताXको डिडबी के पूरा करने क अधिकतम वीकाय अविध के भीतर पूरा कया जाए। छा? के दश न/ गित को उस Yेडिटकसंया से मापा जाता है, िजसे उसने अKजतकया है, अथा त् संतोषजनक तरीके से पूरा कया है। छा?(ाराQपामYमYेडिट और डेड के आधार पर डेड।वाइंटक गणना क जाती है। काय Yमम@ संतोषजनक गित और िनरंतरता के लिए Pयूनतमडेड।वाइंट बनाए रखने कआव<यकता है। डिडबी के लिए यो यताQ करने के लिए अKजतYेडिटकPयूनतमसंयाऔर Pयूनतमडेड।वाइंट भी हासिल कए जाने चाहिए। काय?म क2संरचना

औरअनुशासन

1 पा०Yम+ के िश>ण को Yेडिटम@ बदला जाएगा; Yेडिटिनिहलिखत सामाPयपैटन के आधार पर पा०Yम+ को दए गए है: ितसQाह 1 घंटा Zांयान (एल) ितसQाह 1 घंटे का णूटो&रयल (टी) ितसQाह 2 घंटे योगशाला (एल) ितसQाह 3 घंटे योगशाला (एल) 2 संथानक एम.टेक. िडबी के िलए यो य होने के िलए छा? को एक िवशेष काय Yम के िलए पा०Yमम@निधा &रतयेडिटआव<यकता को पूरा करना आव<यक है। 3 एम.टेक. काय Yम के िलए पा०Yम और पा० िववरण सीनेट (ारा अनुमोदत होगा। 4 िनदण, परी>ा और ोजे ट&रपोट का मा३यमअंेजी होगा। 5 संकाय पय वे>क: थीसिस / प&रयोजना (अंितमवष म@) का संचालन करने के िलए)येकछा? को एक संकाय पय वे>क और एक सह-पय वे>क (यदआव<यकहो) आवं&टतकया जाएगा।

बॉफ

स, िवजन और इमेज के >े? एक दूसरे पर िनभ र करते ह। यह िवशेषLताकांयूटरबॉफ स, कांयूटर िवजन, G्यामितीयसंकरण और मटीमीडियाम@उAतिश>णदान करती है, िजससे छा? इन म@ से कसी भी >े?म@िवशेषLता। त कर सकते ह और दूसर+म@ आधार हासिल कर सकते

ह।छा?कांयूटरबॉफ

स और कांयूटर िवजन म@ नई तकनीक+ के िकास और अनुयोग के अंतKनिहत बुनियादी गिणीय िसरांत+ को समझ@गे और उपलुधएगो&रदम और दिकोण+क सीमा से अवगत हो सक@गे, और नई समयाX, उभरती ौोगिकय+ और अनुयोग+ के िलए एगो&रदम और िविधय+ को िडज़ाइन, िवकिसत और मूयांकन करने म@स>मह+गे।(ख) डेटाएनालिटRस

काय YमकोिवशेषOपसेपेशेवर+, जो आजकलकेसिल और डेटोसेसग/

िवेषणकायक आव<यकताकोपूराकरनेम@स>मह+गे,

कबढ़ती आव<यकतादेखते, एडज़ाइनकयागया है। यह उन छा?+ के िलए है जो

िसिल और सूचना संकरण के >े?म@अ) याधुनिकौगिक पर काम करते, ए, , , ,

अनुसंधान और विकास के िलए उपमुख एक पेशेवर आजीविका का िनमा

ण करना चाहते ह। पा०Yम को डेटा एनालिट&ट

सके साथ सिल और सूचना संकरण किनभ रता को ३यानम@रखते, एवकिसतकयागया है। यह सिलो से सगपूठ भूमि

के छा?+ के िलए डेटा ो से सग और िवेषणक दशाम@अगला कदम है। संथान शैणिक काय

Yम+ के िवतार के दौरान अप य िवशेषता को शामिल करेगा। यह एक अंतर-िवषय िवशेषLता है िजसे

डेटा एनालिट&ट

स के >े?म@जनशि_क भारी कमी को पूरा करने के िलए िडज़ाइन कया गया है। िवशेषLता िविभाकार के िलकेशन डोमेन म@ डेटा से अंतद िाQ करने के िलए क।। यूटेशनल तकनीक+ और णालिय+म@छा?+ को िशि>त करती है।

6.1 िवशेषQता के ,े5

सूचना संकरण

और माटीमीडिया

1 Yेडिट 1 Yेडिट 1 Yेडिट 2 Yेडिट

¹Hkx II μ[k.M 3(ii)° Hkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 325

	(ो Rट मोड) क 2डिट		
छमाही			

I II III				

IV मुख प&रयोजना (मेजर ोजे

ट)

कुल कुल कुलजमा

15-

18 15 15 62

छमाही I II III				

मुख्य परियोजना (मेजर प्रोजेक्ट्स)

¹Hkkx Πμ[k.M 3(ii)^o Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 327

एमटीआर 8 पा०Yमम@ िनरंतर मूयांकन के िविभाघटक+म@gृह काय (होम असाइनम@ट), योगशाला, ढूँटो&रयल असाइनम@ट, बुप असाइनम@ट, ' ज़, परी>ण (खुलीया बंद कताब), वाइवा-वॉयस, िमनी ोजे टआद और अंत-छमाही परी>ाहH।Zाऱयान / योगशालाX / ढूँटो&रयलम@उपिथित को भी पा०Yममूयांकनम@ उचित भार दया जा सकता है। िश>कZाऱयान / ढूँटो&रयल / लैबअिनवाय (80% या उससे कम) म@उपिथितअिनवाय बना सकते हH और डीन (शै>िणककाय Yम) सेपरामश करने के बाद, उन छा?+को "एफ" bेडदान कर सकते हH जो उस पा०Yमम@उपिथित के िनधा &रततर को ाQनह करते। एमटीआर 7.4 छमाही पंजीकरणक.कोई छा? जो छमाही के िलए पंजीकरण से पहले िनकासी चाहता है, उसे संबंधित छमाही के िलए देर से पंजीकरण

13 / 74

बाद िनकासी क अनुमित केवल िचक)सा आधार पर या अपय असाधारण कारण+ से दी जाती है और संबंिधित छमाही के िलए अंितम छमाही परी>ाशुO होने क तारीख से पहले इस तरह क वापसी के िलए औपचा&रक अनुमोदन डीन (शै>णिक्काय Yम) सोQकया जाना चािहिए। पंजीकरण से पहले या पंजीकरण के बाद छमाही से िनकासी के िलए अनुमित, एक समय म@ केवल एक छमाही के िलए दी जाती है। यद एक छा? िनयिमत छमाही के िलए पंजीकरण नह□ करता है या ऊपर बताए अनुसार डीन (शै>णिक्काय Yम) से अनुमित नह□ लेता है, तो उसे संधान से िनकासित कर दया जाएगा। मानदंड+ के अनुसार, पूव-आव<यकताX के अधीन, यद कोई हो, उपलग्धपाmYम+ के िलए पंजीकरण कर सकता है जो क उस िवशेष छमाही के िलए पाmYमम@निधा &रत है। शै>णिक्काय या अनुशासना)मक कारण से िनलंिबित है, कितिलिप भी" "नाम वापस ले ली गई " िथितदखाएगी।पूवा?पेि,तपाम पामम9म9म9म9पंजीकरण पाममूयांकनपाममूयांकन

ऊपर सूचीबRिविभाMA3यम+ से छा?+ के शै>णिक्काय दश न के मूयांकन के िलए वेटेज का िवतरण, िनदेशक से उचित अनुमोदन लेने के बाद छमाही कशु□आतम@पाmYमिश>क(ारा सूचित कया जाएगा। नोट:

शै>णिक्काय आव<यकताएं जैसे ोजे

ट और बीमकालीन असाइनम@ट, जो पाmYमम@निधा &रतहH, मूयांकन के उqे<य के िलए पाmYम के Oपम@ माना जाता है। एमटीआर 8.2 क.एक छा?(ास िलिएमए)येकपाmYम के िलए,सभी आकलन म@ उसके संयु दश न के आधार पर एक बेडप?दानकया जाता है। इन बेडप?+ को नीचे दी गई तालिका म@वKणत 10-cबदु पैमाने पर अंक दए गए हH

ख.छा?पाmYमम@USीण होता है, यद उसे AA से DD क्ेणीम@ कोई भी बेड िमलता है, लेकिनयद उसे F बेड

ग.यदपाmYमम@छा? का समबदश न संतोषजनक है लेकिनप&रवारम@ बीमारी, दुघटना / मृयु के कारण छा? या ाQ होता है, तो वह असफल हो जाता है।कुछ पाmYम+ को पास / फेल पाmYम के Oपम@ इंगित कया जाता है, और इन पाmYम+म@ पी/ एफ कबेडदानक जाती है। परी>ा / िनरंतरमूयांकनYयाम@ कदाचार के मामले म@ भी एफ बेडदानकया जा सकता है। एसपीआई / सीपीआई क गणना के िलए पास / फेल पाmYम+ पर िवचार नह□कया जाता है। तो अंत-छमाही परी>ाम@ चूक जाता है या असाधारण प&रिथितय+म@डीन (शै>णिक्काय Yम) से इस तरह कवीकृिताQ करता है तो उसे "आई" बेडदानक जाएगी। कोई छा? जो अंितम-छमाही परी>ा को नह□ दे पाता है, उसे आवेदन करना चािहिए और उसका आवेदन (i) बीमारी के मामले म@संधान के िचक)सााधिकरण(ारािविधवत अनुमोदत उचित िचक)सामाणप?(ारा(ii) प&रवारम@मृयुक घटना म@पया Qमाण(ारासमKथतहोना चािहिए। िबना समथ न के कये गए आवेदन पर िवचार नह□कया जाएगा। अंत-छमाही परी>ा को न दे पाने के िलए दानकए गए "I" बेड को उस पाmYम के अंितम-छमाही परी>ा के बराबर परी>ा देने के बाद एक दश नबेड (पाmYमम@छा? के समबदश न के आधार पर) म@ बदल दया जाएगा। एक "I" बेड को अगले छमाही के िलए

लेटरबेडAA	पंटीकरण आउट टेडम	
	सदश+वाइंट +0	

F I P

0 - -

फेल इनकंपलीट पास

¹Hkkx 11μ[k.M 3(ii)^o Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 329

एमटीआर 9पामछा? ने जिस कोस को Yेडिट के लिए चुना हो और उसम@ एफ bेडाQकया हो तो उसे उस कोस को दोहराना चाहिए। इस तरह के पामYम को बैकलॉग कोस माना जाता है और यह पंजीकरण नियम+ के अधीन है। एक एिछक बैकलॉग पामYम को उसी िेणी के दूसरे एिछककाय Yम(ारातिथापितकया जा सकता है। एमटीआर 9.2 छा? जिस का सीपीआई 5.0 से कम है, केवल एक नियमित छमाही म@बेडसुधार के उदेय से उसे एक कोस दोहराने कअनुमित मिलती है जिसम@ उसने डीडी bेडाQकया था। दोहराए यास(X)

म@ाQबेड को इस के बाद के छमाही के लिए सीपीआई क गणना के उदेय से विचार कया जाएगा। हालाँक, पहले और बाद के यास(X)म@ाQबेड को तिलिप म@दखाया जाएगा।

छमाही म@ एक छा? के दश न को छमाही दश न सूचकांक (एसपीआई) (ारा इंगित कया जाता है। एसपीआई छमाही के दौरान छा?(ारा पंजीकृत सभी पामYम+म@ाQबेडअंक+ का भा&रत औसत (दो दशमलव थान+क गणना) है। संधानम@वेश करने के समय से एक छा? के समदश न का अिततमूयांकनछा? के संचयी दश न सूचकांक (सीपीआई) क गणना करके ाQकया जाता है। सीपीआई संधानम@वेश के बाद छा?(ाराYेडिट के लिए पंजीकृत सभी पामYम+म@ाQबेडअंक+ का भा&रत औसत है। सीपीआई क गणना भी दो दशमलव थान+ तक क जाती है। एमटीआर 10.3 एसपीआई उन सभी पामYम+म@ एक छा? के समशैणिकदश न का संकेतक है जिसमे उसने कसी छमाही के दौरान पंजीकरण कया है। इसक गणना िनकार से क जाती है: यूनिंस $U_1, U_2, \dots$ आद है तो एसपीआई है, एसपीआई = $(U_1G_1 + U_2G_2 + \dots) / (U_1 + U_2 + \dots)$ उपरो गणना म@, P बेडवालेपामYम+ को अनदेखा कया जाता है। इसी तरह, सीपीआई वत मानम@ लिए गए सभी पामYम+म@ संचयी शैणिकदश न को इस ापम@ इंगित करता है,

शैणिककैल@डरम@निपद] तिथि तक एक दश नबेडम@प&रवKततकया जाना चाहिए, अपयथा इसे "F" बेडम@बदल दया जाएगा।

दश?न

संकेतक

बैकलॉगपा

म

सूचकांक (सीपीआईसूचकांक (एसपीआई

एमटीआर 10.2 के अनुसार) $G_1, G_2, \dots$ आद, िजनके पामYम+म@Yेडिट

11.1 एम.टेक. काय Yमकसामापय अविध 02 वष है। एक छा? को अधिकतम 03 वष के भीतर एम.टेक. डीडी हासिल करने के लिए सभी शैणिक आवक्यकताएं पूरी करनी होती ह। 11.2 बेजुएशन के लिए एक छा? को पयूनतम सीपीआई 6.0 हासिल करने हगे। शैणिकआवक्यकताएं

11.3 काय Yमम@ िनरंतरता के लिए एक छा? को पयूनतम सीपीआई 5.0 बनाए रखने कआवक्यकता है। 11.4 छा?+ को एम.टेक. (ोजे

टमोड) या एम.टेक. (थीसिसमोड) म@पयूनतम 62 YेडिटअKजत करने हगे। 11.5 एक छमाही लोड 12 Yेडिट के बराबर के ापम@प&रभाषितकया गया है। पूरी तरह से पामYमपूण छमाही लोड के लिए पंजीकृत एक छा? आमतौर पर 4 पामYम ले सकेगा। मामले कयो यता के आधार पर, पोटबेजुएट कमेटी

(पीजीसी) एक छा? को अधिकतम 20 Yेडिट या Pयूनतम 9 Yेडिट के िलए पंजीकरण करने क अनुमित दे सकती है। एमटीआर 12.1

थीसिस ोबाम(ारा एम.टेक. म@वेश करने वाले छा? से बीएम छमाही (मई के आस पास, यानी, दूसरे छमाही के अंत) और अगले बीएम छमाही के अंत(जून / जुलाई के आस पास) म@ दूसरे वर्ष के दौरान शोध करने कउ1मीद है। छा?भा.सू.ौ.स., वडोदरा म@ एक संकाय सदयक देखरेख म@ अनुसंधान करेगा। पहले वर्ष के पूरा होने पर, शोध के >े? के आधार पर)येकछा? के िलए तीन सदय+क अनुसंधान सिमित तैयार कजाएगी। छा?+ को अपने शोधकाय□किथित को सिमित के सामने जुलाई / अगत, नवंबर / दसंबर और माच / अैलम@निधा &रतअनुसंधान गित से िमनार के ऒपम@ लगातार पेश करना होगा। अंत म@, थीसिस मूयांकन के समय, डीन शै>णिककाय Yम के परामश से िनदेशक (ारा एक थीसिस परी>ा सिमित का गठन कया जाएगा। थीसिस परी>ा सिमित (ारा अनुसंधान गितसेिमनार और थीसिस मूयांकन के सफल समापन के बाद साव जिनक थीसिस र>ा का काय Yम रखा जायेगा। अउययन के काय Yम को बीच म@ बदलना संभव है। उ)कृ]शोध>मता का दश न करने वाले इछुकछा?+ के पास पीएच.डी. काय Yमम@प&रवKतत होने का अवसर है। एमटीआर 13.1 एम.टेक. काय Yम के िलए फ़ससंरचना संथान(ारा हर साल “बीओजी” क मंजूरी के बाद दानक जाएगी। एमटीआर 13.2 यो यछा?+ को िश>ण सहायता (टीएिशप) के माउयम से िवSीय सहायता दानक जाएगी। टीए िशप पा?ता मानदंड और मा?ा इस कार है: Pयूनतम 6.5 क सीपीआई हासिल करने वाला एक छा? भारत सरकार के दशािनद□श+ के अनुसार पूण टीए / आरएिशप के िलए पा? है। 6.0 सीपीआई वाला छा? केवल आधे टीए / आरएिशप के िलए पा? है। पूण टीएिशप एमएचआरडी (ारा समय-समय पर तय कए गए सीएफटीआई म@ एम.टेक.छा?+ को दानकए गए टीए के बराबर होगा। *उयानद@, दूसरे छमाही से फुल / हाफ टीएिशप ाQ करने का सीपीआई एक मा? मानदंड नह□ है। 1.िविशेषLता के >े?म@ लघु और मुखोजे ट 18 Yेडिट बनाते हH।पय वे>क यह माणित करता है कोजे ट2.Pयूनतम12 YेडिटविशेषLताविश]एिछककाय Yम के समूह से अKजतकए जाते हH।3.छा?मुखोजे ट के ऒपम@ एक औगिकोजे ट का िवकप चुन सकते हH।िविशेषLता के >े?म@ है।

12.2

थीसिस

स

Xारा

ोजेRट

/थीसिस

स

वि7ीय िववरणकाय?मम9म9म9म9बदलाव

¹Hkxkx IIμ[k.M 3(ii)^o Hkkjr dk jkti=k % vIk/kj.k 331

एमटीआर 13.3 टीए के दश नमूयांकन के िलए पाmYमिश>क(ारा"टीएमूयांकनफॉम " होगा।)येक बाद के छमाही के िलए, टीए, सीपीआई और पाmYमिश>क से फडबैक को अगले छमाही क टीएिशप पर िनण य लेने के िलए मानदंड माना जाएगा।

एम.टेक. छा?,जोसंधान छा?वृडिSाQ कर रहे हH, के िलए अवकाश िनयम : 14.1 िनिहिलिखत िनयम छा?वृडिSाQ करने के संबंध म@ लागू हH।पाmYम+ के िलए उपिथितशैि>किनयम+(ारा शासित होगी। 14.2 ितवष अवकाश के दन+क कुल संया 30 दन है। 14.3 शै>णिक स?क अविध के दौरान (संकाय के िलए अवकाश के ऒपम@प&रभाषितनह□), छा? एक छमाही म@ अधिकांश 7 दन+ के अवकाश का लाभ उठा सकता है। छु□ी के दन+म@ अवकाश के शेष दन+ का लाभ उठाया जा सकता है। 14.4 एम.टेक.छा? वेकेशन लीव के िलए पा?नह□हH।14.5 िनदेशक कवीकृति से लंबी अविध के अवकाश (7 दन+ से अधिक) क अनुमित दी जा सकती है। 14.6 मिहला छा?संधान के िनयिमत कम चारी के सामान मातृव अवकाश कपा?ह+गी।

15.1. छा?+ के िलए मौखिक परी>ाशै>णिकवष के िलए शै>णिककैल@डर ख)म होने से पहले आयोजित क जाएगी। यदकोई छा? इस समय अविध के भीतर मौखिक परी>ाम@उपिथितनह□ होता है, तो उस का काय YमसमाQ माना जाएगा। ऐसे छा?(ाराकाय Yमम@ बहाली के िलए अनुरोध पीजीसी, डीन (एपी), और िनदेशक

को संबोधित किया जाना चाहिए। 15.2. थीसिस पय वेक / पीजीसी मौखिक परीक्षा का तारीख सूचित करेगा।

15.3. मौखिक परीक्षा समित थीसिस / ोजे

ट का मूल्यांकन करेगी, मौखिक परीक्षा का आयोजन करेगी और परीक्षा केंद्रों पर संयोजक, पीजीसी को भेजेगी।

15.4. यदकसी मौखिक परीक्षा समित के सभी सदय इस कवीकृतिकिसफ़ाहरश करते हH तो थीसिस को वीकार कर लिया जाएगा। एक थीसिस, जिसे वीकारनह किया गया है, को अवीकार माना जाएगा। 15.5. यद मौखिक परीक्षा समित (ारा सुझाए गए कसी भी संशोधन / सुधार को शामिल करने के बाद शोध को फर से शु करने किसफ़ाहरश के साथ खाहरज कर दया जाता है, तो पुन: तुतथीसिस / पर्योजनाक मौखिक परीक्षा मूल समित (ारा आयोजित क जाएगी जब तक पीजीसी संयोजक (ारा एक अलग समित को मंजूरी नह दी जाती है। यद पुन: तुतक गई थीसिस को खाहरज कर दया जाता है, तो मामले क सूचना डीन (एपी) और निदेशक को दी जाएगी। 15.6. अनुमोदन के लिए थीसिस / पर्योजनाकवीकृति डीन (एपी) को सूचित क जाएगी। एमटीआर

16. अनुमोदत को पूरा करने के बाद दी जाएगी। एमटीआर 15.

16.1 एमटेक (सीएसई) एक छात्र को उसके (ारा पामयम @ निधा हरतक आवकता X

(सीनेट (ारा अवकाश नियम

अंतिम

सीपीआई

निबंध -

काय Yम के अंत म सीपीआई क गणना के योजन के लिए, छात्र के सीपीआई क गणना पामयम से ाQसव तै सीपीआई

को पूरा करने म असमथ है, वह इसके लिए आवेदन करके "शैक्षणिक योग्यता का माणप?" ाQ करने के लिए पा होगा। माणप जारी करने कपाता मानदंड और Yया समय-समय पर संधान के सीनेट (ारानिधा हरतक जाएगी। भा.सू.ौ.स. वडोदरा शैक्षणिक कृता का एक संधान है। एक सकारात्मक श्रवण वातावरण छात्र को बड़े समाज म अच्छी नागरिकता और सामान्य जनक असहमित का अयास करने के अवसर दान करता है। इPही आचरण और गुण को छात्र आचार संहिता से साहित करती है। छात्र के अनुशासन म कमु को हल करने का यास करते समय छात्र आचार संहिता एक संदर्भ और उपयोगी माग दश क के पम काम करती है। समय समय पर अनुमोदत छात्र अनुशासन पुतिका छात्र के लिए आचार संहिता के आधार दान करेगा। अनुशासन म क रवाई समित (डीएसडीन (छात्र), संयोजक (पदाधिकारी) छात्रावास काय कारी समित (एचईसी) सदय रिज्ार, सदय (पदाधिकारी) संकाय सदय (निदेशक, भा.सू.ौ.स. वी (ारा नामित) दो छात्र (लड़का और लड़की) तितिनिध (डीएस (ारा नामित) 17. आचार संहिता 9.0 याउस से अधिक क सीपीआई करता है तो तिलिप उ) कृदक शत करेगी

भारतीय सूचना ाौगिक संधान वडोदरा

9.0 से कम क सीपीआई करता है तो फोटो डिवाइज़न। प5: एक छात्र जो

निधा हरत अधिकतम अविध के भीतर डिब्रीक आवकता X

डॉ

टर ऑफ़ फ़लासफ़ काय Yम नियमावली फरवरी, 2019

भारतीय सूचना ाौगिक संधान वडोदरा फरवरी 2019

1 Hkx II μ [k.M 3(ii)° Hkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 333

विषय सूची पीएचआर 2 पा5ता

पीएचआर 4.1 पीएच.डी. काय Yम किवतुत ओप रेखा

निहिलिखत भारतीय सूचना ाौगिक (साव जिनक-निजी भागीदारी) अधिनियम, 2017 (2017 क संख्या 23) के अंश है। या सभी के लिए दान कर सकते हH:- (a) छात्र का संधान मवेश; (b) संधान के सभी डिब्री और डिडलोमाम @ अ3यन के लिए निधा हरतक जाने वाला पामयम; (c) वे शत निज के तहत छात्र को डिब्री या डिडलोमाम @ पामयम और संधान क परीक्षा के लिए वेश दया जाएगा, और डिब्री और डिडलोमा के लिए पाहगे; (d) फैलोशिप, छात्रवृत्ति, दश नियम, पदक और पुरकार दए जाने क शत; (e) परीक्षण संधान क नियुक्ति के तरीके और कत Z, परीक्षा और म3यथ; (f) परीक्षा का संचालन; (g) संधान के

छा?+म@ अनुशासन का रखरखाव; तथा (h) कोई अपय मामला जो अ3यादेश+(ारा इस अधिनियम या कानून+(ारादया जाना है या दानकया जा सकता है। पीएचआर 3.1 िस□लोसेcसगऔरकांयूटरिवज़न पीएचआर 3.2 इले

□ॉिन

सऔरभौितकपीएचआर 3.3 भाषािवLानपीएचआर 3.4 गिणत

पीएचआर 4.2 पीएच.डी.काय Yमवाह

पीएचआर 7.1 फ़स संरचनाएं पीएचआर 7.2 िवSीय सहायता पीएचआर 7.3 टीए मूयांकन

33: इस अधिनियम और िविधय+ के ावधान+ के अधीन,)येकसंधान के अ3यादेशिनहिलिखतमामल+म@ से कसी

34: (1) इस खंड के अनुसार, अ3यादेश सीनेट (ारापा&रतकया जाएगा। 6 सुपरवाइज़र(रZ) क2 िनयुिY

9.

आचारसंिह

ता

काय?म

अवलोकनअ

नुसंधान

समूह

िव7ीय िववरण

अवकाश िनयम

संरचना

335

शै,िणिकआव%यकता

भा.सू.ौ.स. (सा. िन. भा.

324

334

336 337 337 330 330 330 331 338 338

(2) सीनेट (ारा जारी कए गए सभी अ3यादेशिनदंिशत ितिथ से लागू ह+गे, लेकिन ऐसे जारी कया गया)येकअ3यादेश बोड के पास िजतनी जदी हो सके, तुतकया जाएगा और बोड (ारा अगली बैठक म@ िवचार कया जाएगा। (3) ताव के (ाराबोड के पास ऐसे कसी भी अ3यादेश के संशोधन या रq करने कशि_ होगी

इंडियन इंटी□ूट ऑफ इंफॉम□शनटेोलॉजीवडोदरा (भा.सू.ौ.स.वी) म@डॉ

टर ऑफ फलॉसफ (पीएच.डी.)काय Yम उन छा?+ के िलए है, जो चयिनत >े?+म@उ=गुणवSा वाला

अनुसंधान करना चाहते हH। संरचना म@ गहन पामYमकाय के साथ दKशतगुणवSा अनुसंधान काय शािमल हH िजनको मजबूत काशन+ से दKशतकया जाता है। काय Yम का उqे<यछा?+ को उ)कृ]ता के िलए अbणी अनुसंधान काय म@संल□ करना है। काय Yम का िडजाइन अनुसंधान म@अनुशासन दान करते ,ए चयिनत संकाय+म@ नए सीमाXक खोज करने के िलए कया गया है।

पा5ता मानदंडवेश के िलए पा?ता मानदंड समय-समय पर सीनेट (ारािनधा &रतकए जाएंगे। संकाय के अनुसार ये मानदंड िविश] हो सकते हH।अभयांि?किवषय+ के िलए Pयूनतमआव<यकता बी.ई/बी.टेक है। और अपयिवषय+ के िलए माटरिडबी।आवेदक के पास िनहिलिखतम@ से कोई एक िडबी होनी चािहए: अभयांि5क2:सीएस/ आईटी/ ईसीई या संबंधित >े?+म@ एम.टेक. या एमएससी अनुयु गिणत /कांयूटरिवLान और संबंधित >े?+म@। संबंधित >े?+म@ बी.ई. / बी.टेक. म@ असाधारण उ1मीदवारपर भी िवचार कया जा सकता है। िवQान: एम.टेक. . . . सामबीीिविLान/नैनो-ौोिगिक/ एलाइडऑट स/ अभयांि?कभौितक / वैLानिकक1।यूमटग, , , ,।गिणत/भौितक/ सांियक/ इले

□ॉिन

स/ कांयूटरिवLानऔरसंबंधित>े?+म@एम.एससी.। या संबंधित >े?+म@ बी.ई./ बी.टेक.म@असाधारण उ1मीदवार पर भी िवचार कया जा सकता है। मानिवक2: भाषािवLान/ अंbेजीऔरसंबंधित>े?+म@एम.ए./ एम.फल.।वेश: छा?+कोएकवष म@दोबारवेशदयाजासकताहै।वेशसंधान(ाराआयोिजितसा>ा)कार /

वेशपरी>ाकेआधारपरदयाजाएगा।वेशआमतौरपरछमाही (शरदऋतुऔरसपदय+) कशुआतम@कयाजाएगा-
वेशकेलिएवलापनZापकOपसेसा&रतकयाजाएगा।असट9टिशप: संधानकअसट@टिशपचिलतमानदंड+ के
अनुसार पा?छा?+ को उपलब्ध होगी। बाहरी फंडगसंगठन+ से सहायता संबंधित फंडग संगठन+ के नियम+
और शत+ के अनुसार उपलब्धहोगी।संधान या कसीअपयफंडगएज@सिय+ से फ्रैलोिशप ाQ करने वाले
छा?+ को चिलत मान दंड+ के अनुसार शैणिककत Z+ का पालन करना आवश्यक है। पीएचआर 3 अनुसंधान
अ3यादेश और इस तरह के अ3यादेश ऐसे तावक तारीख से संशोधित या रq, जैसा भी मामला हो, ह+गे।

अनुसंधान समूह:●

िसलोसेसग और कायूटर

विवर्जन ● इले

ॉनि

स और भौतिक●

भाषाविवर्जन● गणित

काय?मअवलोकन

पा5तामानदंड

¹Hkx IIμ[k.M 3(ii)^o Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 335

मुायपाम:आवकगणित, , , , रHडमYयाऔरिसमुलेशन, , , , एडवांसिसलोसेसग।एछक:कायूटर विवर्जन,

ितOप अभिवर्जन और मशीन लानग, इमेज ोसेसग, कॉपे

सऑटमाइजेशन, वे

टरपेसोजे

शन, &रमोटस@सग डेटा विवर्षण, इनवस ऑग्लम इन इमेजग, चिक)सा छिव संकरण, मटीविव्यूयामित,

सांयिकयिसलोसेसग, ाकृतिक भाषा संकरण, भाषण संकरण।मुायपाम:आवक गणित, ांटमयांिक,

सांयिकययांिक, अध चालकउपकरण+ का भौतिक, वीएलएसआई डिजाइन, डिजिटल आईसी डिजाइन,

संया)मक तरीके। एछक:संघिनत पदाथ भौतिक, नैनो और आणविक इले

ॉनि

स, सूचना दश क, नैनो केल डिवाइस और सपकट, एले

सबलइले

ॉनि

स, नॉन-लीनियर िसटम, उAतए।बेडेडिसटम, िमित एनालॉग और डिजिटल डिजाइन, बोस आइंटीन कंडेन

सेट िसटम।पीएचआर 3.3 मुायपामYम: समाज भाषा शा, अनुयु भाषा विवर्जन, सेमेओ&ट

स, शब्दाथ।एछक: क।यूटेशनल भाषा विवर्जन, दूसरी भाषा अधिहण, भाषा और लग, 3विन और

3विनिवर्जन, आकृतित विवर्जन।पीएचआर 3.4 रैखिक बीज गणित, सारबीज गणित, विवर्षण और टोपोलॉजी,

क।यूटे&टव बीज गणित, बीजगणित गयामित, तितिनिध)विसरांत।पीएचआर 4.1 1. काय Yमपूण कालिक है।

छा?+ से पी एच.डी.काय Yम के पूरे काय काल के दौरान संधानम@उपिथत होनेकअपे>ा है। 2. छा?+ को पामYम+

को संरक/पय वेक के परामश से संबंधित शोधसमूह और अनुसंधान पामYम(ारादानकए गए पामYम चुनने

कआवकता होती है। 3. छा? को दूसरे छमाही के शुO होने और चौथे छमाही के अंत के बीच पीएच.डी.

ॉलीफाइंग जाम (कॉिह@सिवपरी>ा) देनाआवक है। इसम@ िलिखत परी>ा और नामित सिमित के

सदय+(ारा आयोजित क जानेवाली मौखिक परी>ाशािमल होगी। छा?+ को केवल दो बार कॉिह@सिव

परी>ा के लिए उपिथत होने क अनुमित दी जाएगी। 4. यद कोई छा? चौथे छमाही के समाQ होने से पहले

कॉिह@सिवपरी>ाउडीण नह कर पाता है, तो छा?कउ।मीदवारीवत:समाQ हो जाएगी। 5. यह उ।मीदक

जाती है कछा?भा.सू.ौ.स. वी म@ एक संकाय क देखरेख म@ कम से कम 4 छमाही शोधकाय कर@गे।6.

अनुसंधान गित सिमित (आरपीसी) येक छमाही म@छा?(ाराकए गए काय का मूयांकन करेगी। आरपीसी का

गठन िनदेशक/ डीन-एपी (ारापय वेक के परामश से कया जाएगा। 7. छा? अधिकतम दो सेफ़टडी कोस कर

सकते ह।8. PयूनतमYेडिटआवकताX को पूरा करने के बाद, छा? को अपने काम का एक सारांश तुत करना

होगा। आरपीसी से अनुमोदन पर, उ।मीदवार को सारांश तुतिक तारीख से छह महीने के भीतर थीसिस तुत करना

होगा। 9. थीसिस को समी>ाX के लिए परीक+ को भेजा जाएगा। थीसिस परीक+ का चुनाव संधान(ाराकया

यो यछा?+ को िश>ण सहायता (टीएशप) के संदभ से िवSीय सहायता दानक जाएगी। टीएशप पा?ता मानदंड और यो यताकमा?ा इस कार है: Pयूनतम 6.5 क सीपीआई हासिल करने वाला एक छा? भारत सरकार के दशांनद□श+ के अनुसार पूण टीए/ आरएशप के िलए पा? है। 6.0 सीपीआई वाला छा? केवल आधे टीए/ आरएशप के िलए पा? है 3यानद@, दूसरे छमाही से फुल/ हाफ टीएशप ाQ करने का सीपीआई एक मा? मानदंड नह□ है। टीए के दश नमूयांकन के िलए पाmYमिश>क(ारा "टीएमयूयांकनफॉम " होगा।)येक बाद के छमाही के िलए, टीए का सीपीआई और पाmYमिश>क से फडबैक को अगले छमाही क टीएशप पर िनण य लेने के िलए मानदंड माना जाएगा। पीएचडी छा? जो संथानछा?वृसिाQ कर रहे हH के िलए अवकाश िनयम : छा?वृसिाQ करने के संबंध म@निहिलिखत िनयम लागू हH।पाmYम+म@उपिथितशैि>किनयम+(ारा शासित होगी। 8.1 ितवष अवकाश के दन+क कुल संया 30 दन है। 8.2 शै>णिगस?क अविध के दौरान (फैकटी के िलए अवकाश के 0पम@प&रभाषितनह□), छा? एक छमाही म@ अधिकांश 7 दन+ के अवकाश का लाभ उठा सकता है। छु□ी के दन+म@ अवकाश के शेष दन+ का लाभ उठाया जा सकता है। 8.3 यह छा? वेकेशन लीव के िलए पा?नह□हH।8.4 िनदेशक कवीकृति से लंबी अविध के अवकाश (7 दन+ से अधिक) क अनुमित दी जा सकती है। 8.5 मिहला छा?संथान के िनयमित कम चारी के सामान मातृव अवकाश कपा?ह+गी।भा.सू.ौ.स. वी शै>णिगउ)कृता का एक संथान है। एक सकारा)मकिश>ण वातावरण छा?+ को बड़े समाज म@अछीनाग&रकता और स1मान जनक असहमित का अ□यास करने के अवसर दान करता है। छा? आचार संहिता इPह□ आचरण और गुण+ कोोसाहित करती है। छा?+ के अनुशासना)मकमुq+ को हल करने का यास करते समय छा? आचार संहिता एक संदभ और उपयोगी माग दश क के 0पम@कय करती है। समय-समय पर अनुमोदतछा? अनुशासन पुितकाछा?+ के िलए आचार संहिता के आधार दानकरेयाम दंडक िववरण।.संथान से िनहकासन:दोषी को संथान को थायी0प से छोड़ने के िलए कहा जाता है; माता-पिता को बुलाया जाता है और छा? को उपह@स□पदया जाता है।

दोषी को छा?वास से कमरा खाली करने के िलए कहा जाता है। ऐसे मामल+म@, छा? को िश>ा जारी रखने क अनुमित दी जाती है, लेकिनछा?वासम@ रहने क अनुमित नह□ होती है। वह सभी दन+म@ (सQाहांत / छु&□य+ सहित) केवल 0800 से 2100 बजे के बीच संथानप&रसरम@वेश कर सकता है। भा.सू.ौ.स. वी प&रसरम@ आते / जाते समय दोषी को एक िनधा &रतसंया के शै>णिग छमाही के िलए िनलंबित कर दया जाता है। छा?वास सेसेसेसे िनहकासन:

अवकाशिनयम

आचार

संहिता

वि7ीय

सहायता

टीए मूयांकन

शै,णिग िनलंबन:

¹Hkx IIμ[k.M 3(ii)^o Hkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 339

रिजटर (मुय गेट पर सुर>ा के साथ रखा गया) म@एं□ीक जानी चाहिए। छा? को कसी भी समय कसी भी कारण से छा?वासम@वेश करने क अनुमित नह□ है। 4.मुआवज़ाआमतौर पर यह कया जाता है अगर कसीछा? को कसी भी तरह के इंा□

चर के नुकसान म@ दोषी पाया जाता है। ऐसे मामल+म@, छा? को कुछ अपय दंड / सजा के अलावा, >ितbत चीज़ कमर।मत या बदलने के िलए कहा जा सकता है। 5.विशेषाधिकारकुछ विशेधाधिकार, टीए क तरह, यद कोई हो तो वापस ले िलए जाते हH।6.सामुदायिक सेवा:संर>क के िनद□शम@ दोषी को एक भा.सू.ौ.स. वी म@ समुदाय/ सामाजिक सेवा के कुछ घंट+ के िलए िनपदकया जाता है। इसके पीछे िवचार यह है कप&रणामीविSीय बोझ के कारण माता-पिता को दंडित न करते ,एछा? को अपराध का एहसास कराया जाए।

7.अनुशासना)मक जांच के तहत एक छा? को काउंसलर से िमलना अनिवाय कया जा सकता है। परामश?:

छा? अनुशासन क िनयम पुितका

भारतीय सूचना ौोगिक संथान वडोदराफ़रवरी 2019

एक शैक्षणिक परिसर, जिसमें अलग-अलग पृष्ठ भूमि वाले युवा छात्र हैं, सूक्ष्मतर पर एक देश जैसा ही है। छात्रों के पास अपने अधिकार, जिन्हें मेदांतरण, या करना चाहिए और यानह के बारे में अलग-अलग धारणाएं हैं। हालाँकि ऐसे थोड़े से ही छात्र होते हैं परंतु छात्रों के द्वारा अनुशासन हीनता के काय कये जाते हैं। इस तरह के कृत्य का शिकार कभी-कभी संथान, कोई अप्रयच्छा या छात्रों का समूह होता है। परिसर में अनुशासन बनाए रखना संथान कि ज़िम्मेदारी है। यह नियमावली अनुशासन के नियंत्रण का को अधिक अनुमानित और संचालित करने में सरल बनाने के लिए एक विविध विधितुत करती है। आवधान को सभी संबंधित के लिए निष्पक्ष बनाने का यासकया गया है। यह महत्वपूर्ण है कयाय न केवल निष्पक्ष हो बिक ऐसा नज़र भी आये। तावितणाली को सामूहिक निणय के द्वारा, जिसमें निणय संकाय सदय और छात्रों द्वारा मिलकर लिए जाते हैं के माध्यम से शासितकया जाता है। कहने का अर्थ यह है कि सही और गलत का निणय लेने का अंतिम जिम्मेदारी सीनेट और निदेशक के पास है। किसी भी अनुशासन नियमावली का सबसे वांछनीय उपयोग यह है कि उसके उपयोग का कभी आवयकता ही नह पड़े। यह आशा की जाती है कि भा.सू.वडोदरा का कोई भी छात्र कभी अनुशासन हीनता के कृत्य का शिकार नह होगा और किसी भी छात्र को अनुशासनात्मक कायवाही का सामना नह करना पड़ेगा। भा.सू.उ.शिक्षण संथान केवल अनुसंधान और शिक्षा के लिए एक शैक्षिक वातावरण दान करती है, यह लाना आधारित वसाय में अपना आजीविका बनाने के लिए यासरत युवा छात्रों का घर भी है। संथान को एक सामाजिक वातावरण दान करना चाहिए जो वत और शांतिपूर्ण हो। कभी-कभी कोई विगत छात्र गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार कर सकता है और यह संथान शासन का कत है कि वहन केवल सुधारात्मक कदम उठाए, बिक इस तरह के कृत्य को पहले से भाँपकर एहियती उपाय भी करे। भा.सू.वडोदरा में, छात्रों के द्वारा अवीकाय व्यवहार पर अंकुश लगाने कि ज़िम्मेदारी सीनेट का अनुशासनात्मक कारवाई सिमित (डीएसी) में निहित है, जो न केवल रिपोर्ट का गई शिकायत का जांच के लिए, बिक कम्पस में छात्रों के व्यवहार को भावित करने वाले नीतिगत मुद्दों पर शासन को सलाह देने के लिए भी जिम्मेदार है। इसे बड़े अनुशासनात्मक मुद्दों पर आम-संलान लेने और सुधारात्मक उपायों का सफ़ाई करने, जिससे अनुशासन हीनता का घटना होने से पहले सामाजिक कठनाइयों को सुलझाया जा सके, का भी अधिकार है। डीएसी सामान्यतः छात्रों, उनके माता-पिता, संथान के शिक्षकों और कम चायों के साथ-साथ सरकार के विास के संरक्षकों को अपनी अधिक्कि ज़िम्मेदारी से अवगत है। हालाँकि कुछ लोग डीएसी को एक विशुद्ध रूप से दंडात्मक निकाय के रूप में देखते हैं, वातवम ऐसा नह है। सिमित का उद्देश्य क्या है? भावित करके, अनुनय, कक्षा और समझ के माध्यम से परिसर में अनुशासन सुनिश्चित करना है, ताकि कोई छात्र अपराध करने का इच्छुक न हो। लेकिन मानव मताकसीमा और परामश के सीमित संसाधनों को देखते हुए, सिमित को अ सरछात्रों को दंड देने के लिए मजबूर होना पड़ता है। निश्चित रूप से, डीएसी के लिए सज़ा कोई नितिशोध का काय नह है। कुछ हद तक, यह उस के चरों को संशोधित करके एक अपराधी का मदद करने का उद्देश्य है; लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात, यह अप्रयच्छा के लिए अपराध करने के खिलाफ एक संदेश है, अनुशासन हीन व्यवहार का पुनरावृत्ति ना हो और एक बड़े छात्र समुदाय के हितों का करने का साधन है। सिमित का काम तयों को थापित करना, अपराध का गंभीरता को मापना और अपराध के अनुसार उसे कम करने के उपायों का सफ़ाई करना है। संथान परिसर में एक अतिथि सामाजिक संरचना होती है। छात्र समुदाय को न केवल वरना बनाम शैक्षिक के रूप में, बिक वरना बनाम जूनियर्स, अंतिम वर्ष बनाम अप्रय, यूजी बनाम पीजी, गृहाराय बनाम बाहरी रायों के, विभाग के अनुसार, छात्रों के अनुसार, छात्रों के विास बनाम बाहर रहने वाले छात्रों के रूप में विवृतकया जा सकता है। हमारे देश में गिरोंह, लफंगे, बुली और उपविषयों के कई उदाहरण हैं। डीएसी को न केवल रिपोर्ट का गए मामलों को संभालना चाहिए, बिक सयकारवाई के माध्यम से इस तरह के विवृकरण को जड़ से खम करना चाहिए। विफलता का परणाम विषय, संथान और उससे भी परे समूह के लिए विनाशकारी हो सकता है। अनुशासन बंधन का विचारधारा तावना

1 Hkx II [k.M 3(ii) Hkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 341

- i.
- ii.
- iii.

iv.

v.

vi.

निम्नलिखित कुछ ऐसे माग दश किसरांत हम् जिन् पर डीएसी आमतौर पर विचार करेगा:

(क) शिकायतकता या आरोपी शेर और नियम+ से अनजान है, (ख) शिकायतकता या आरोपी अज्ञान पूरा करने के कगार पर है, (ग) आरोपी एक अच्छी नौकरी क पेशकश खो सकता है, (घ) आरोपी के पास नौकरी क पेशकश नह है, (ङ.) आरोपी एक अमीर और समाहित पदवार से है, (च) आरोपी एक गरीब पदवार से है, इत्याद। इस तरह के विवाद पदविचार+ को दंड से संबंधित करना ना तो उचित है और ना ही संभव। डीएसी को ऐसे विशिष्ट विचार+ क अनदेखी करते, एछा? समुदाय के बड़े हित+ को देखना चाहिए। संथानक प्रयायणालीमुयप से विवास पर आधा रत है। संथानक इच्छा है कछा? वतं? और सुरितवातावरण म@ बड़े ह+, न कअधिका निगरानी के अधीन। अपेक्षा है क इस से उपह@ समाज के नेतृव का विवासिमलेगा। समुदाय कदुल भ-बुरी हितयां, या अनुशासन हीनता का कोई दुल भकाय जो दूसर+ के वतं? अधिकार+ पर अतियमण करता है, को भारी प से दंडित कया जाना चाहिए ताक वह उसी या अपयजि_ (ारा अपराध कपुनरावृत्ति के खिलाफ एक अच्छे निवारक के पम@ काय करे। कुछ अपराध घटना के संकण दायरे को पार कर जाते हम्। उनके उपक सामाजिक परणाम होते हम् और जो पता चलता है वह घटना क केवल एक ब, त छोटी छिव होती है। समाचार प+ म@ थमवष के अभियां? कछा? कमौत और आमह) या के मामल+ को उदाहरण के पम@ लिया जा सकता है। इह@ सिफ ह) या या कल के पम@ नह माना गया है, बिक "रैगग" नामक एक बड़ी घटना के पम@ देखा और उसके अनुसार निपटा गया है। डीएसी को सामाजिक मु+ को भी उसी तरह देखना चाहिए। एक वर(ारा एक शेर पर हमला, ीफाइनल या अपय जूनियर छा? के मन म@ अंतिम वष के छा? का डर, राठयआधा रतु वीकरण और इसी तरह के अपराध+ को पारपदकझगड़े के सरल मामल+ के पम@ नह माना जाना चाहिए, बिक एक गहरी समया के पम@ जड़ से दूर कया जाना चाहिए। यह देखा जा सकता है कभा.सू.ो.स. वडोदरा के डीएसी के पास खोजी संसाधन+, यो यअधव_ाX तक प, चनह है, और ना ही यह निरत सीमा से अधिक देरी तक ती_ा सकता है। दूसरी ओर, कशोर मन कअथरकृति को देखते, ए, एक गलत निणय का परणाम विनाशकारी हो सकता है, चाहे निणय अभियु के प+ म@ हो या खिलाफ। उपकछा? समुदाय, जो स=ाई के बारे म@ बेहतर जानकारी रखता है, वह डीएसी से अपेक्षा करता है क वह वयंतय+ को खोजे और अपराध के अनुसार दंडित करे। यहां तक क "अनिणय" का निष्कर्ष भी शिकायतकता के साथ-साथ अभियु+ के चर? रकॉड पर एक चिह्न छोड़ देता है। "संदेह का लाभ" अंतिम उपाय होना चाहिए। सिमित को छा?+, शि+क+ और अधिका+ के बयान, परी_ा के दौरान गवाह+ के अवहार और सामाय समझ पर भरोसा करना चाहिए और एक निरतिनिकष पर प, चना चाहिए। यह आसान नह है, लेकिन कया जाना चाहिए। डीएसी से उपलब्ध सूचना के आधार पर निणय लेने क अपेक्षा क जाती है। अ सर "संदेह से परे" "वातिवकस)य" थापित करना संभव नह है। जबक गलत जि_ को दंडित करना अनुचित है, दोषिय+ को बशना और उनके जैसे एक दज न से अधिक बेकसूर लोग+ को पीड़ित बनाना गलत है। डीएसी को अपनी बुि और सही निणयक संभावना के आधार पर इन दो बुराइय+ म@ से एक को चुनना होगा। निवारक उपाय+ तक प, चने के दौरान, संभव है क डीएसी इन आधार पर ढील देने के लिए सुझाव ाQ करे:

कभी-कभी सिमित कसीछा?(ाराकए गए कुटलवहार के मूल कारण को गहराई से देखने पर पा सकती है कयह बचपन क घटना, उसके आजीविका कशु आतम@ भा.सू.ो.स. वी के भीतर क घटना, संथानम@ चल रहे अयास या संथान(ारा अपने वय के नियम+ को लागू करने म@ निरंतर शिथलता के कारण, आ। इस तरह के अंतर्निहतकारण+ पर विचार कया जाना चाहिए और काय कारीएज@सिय+ को उपयु_सिफा+ रश@क जानी चाहिए, खासकर जब अंतर्निहत कारण संथान के भीतर हो। जब एक अलग अवहार बचपन के अभाव या इसी तरह के कारण+ से है, तो डीएसी का इस पर विचार करना अपेक्षित है। जब अंतर्निहत कारण एक अलग सामाजिक था है, तो सिमित या तो कम या ज्यादा (शि_ा)मक) जुमा ना लगा सकती है। निणय के दीघ कालिक भाव को देखना

vii.

viii. ix.

x.

xi.

xii. चाहिए, मकसद यह है कभिवथम@पुनरावृत्ति को कम किया जाए। हालाँकि, इन विचार+ को बत दूर तक नह बढ़ाया जाना चाहिए। Zिगतअपराध+, जो Zिगत आचरण के थापितमानदंड+ से पओप से अलग हह, को एक बड़ी सामाजिक दुभा वना का हिस्सानह माना जाना चाहिए। वत मान के कसीचलन को मौलिक ओप से अवीकाय अपराध के औचय के ओपम@उ;धृतनह कया जाना चाहिए। जांच के ारंभिक चरण म@ सभी तय+ के साथ अपराध को वीकार करने को, अपराध के अनुसार, कम सज़ा के साथ पुरकृतकया जाना चाहिए। यह शिकायतकता X, अभियु + और गवाह+ को शुओम@ ही स=ाई बताने के लिए ोसाहित करेगा। यह विशेष ओप से डीएसी के छा?सदय+ का कत Z है क वे इस संदेश को सभी संबंधित+ तक प,ंचाएं। यहां तक क कुछ देरी से दए गए सयबयान+ को भी थोड़ी &रयायत के साथ वीकारकया जाना चाहिए; अपयथागवाह+ और अभियु + के पास तय+ को वीकार करने के लिए कोई ेरणानह होगी, जिस से जांच लबीहो जाएगी। गवाह जांच Yयाक ताकत हह। कसीदोत को बचाने के लिए या दुमन को दंडित करने के लिए झूठे सबूत देने के खिलाफ गंभीर दंडा)मककार वाई करनी चाहिए। जहाँ छा? या तो शिकायत करने से डरते हह, या ये मानते हहकउनकिशकायत+ पर कार वाई न हक जाएगी वहां अनुशासन हीनता बढ़ती है। डीएसी को शिकायत+ पर तुरंत कार वाई करनी चाहिए। शिकायत कता X को भिवथम@उ)पीड़न के खिलाफ और गैर ज़ोरी काउंटर-शिकायत+ के खिलाफ संरित करने कआवयकता होती है, जैसे एक ऐसे नियम का उलंघन जो क मामले म@ सीधे ासंगिकनह है, अपराध को भड़काना आद।वातवम@ जो छा?खुद दोषी हहलेकन गंभीर अनुशासन हीनता के बड़े मामले को हल करने के लिए डीएसी को महवपूण सुराग दानकरते हह, उपह@ "दंड म@&रयायत" दान करना अपयायनह होगा। झूठी शिकायत करना या पूछताछ के दौरान ासंगिकतय+ को छिपाना एक गंभीर अपराध है और इस तरह के कृयके कसी भी संकेत क जांच क जानी चाहिए,

य+कदुभा वना से क गई शिकायत का जुमा ना अधिक है। हालाँकि, एक शिकायतकता पर तब तक विासकया जाना चाहिए, जब तक दुभा वना से क गई शिकायत का पया Q सबूत नह हो। डीएसी को यह सुनिश्चित करने कआवयकता है क कोई भी वातिवक शिकायत करने से डरे नह और कोई भी झूठी शिकायत कर के बचन हक सके। कभी-कभी पीड़ित या अपराध का गवाह भी शिकायत करने से डरता है। डर दो वोट+ से आता है - (a) अपराधी का तिशोध और (b) साथी छा? के दंड के लिए जिा।मेदार होने के कारण होने वाला सामाजिक बिहाकार।छा?+म@ यह विास पैदा करने किज।मेदारीक शिकायत पर डीएसी (ारांनिप) और तुरंत कार वाईक जाएगी, डीएसी, सीनेट और शासनक है। छा?+ को इस तय के त भी सचेत किया जाना चाहिए कवातवम@ एक दोत के खिलाफ ारंभिककार वाईउपह@भिवथम@ब,त अधिक गंभीर दंड+ से बचाती है। डीएसी और शासनकअपयएज@िसय+ को छा?+(ाराकए गए अपराध+ के बारे म@वत:संलान लेना चाहिए और पीड़ित (ारा शिकायत का इंतजार कए िबना कार वाई करनी चाहिए। वातवम@, पीड़ित (ाराक गई शिकायत को डीएसी के सम सूचना के माउयम+म@ से एक के ओपम@ देखा जाना चाहिए। हालाँकि समित को छा?+ के बीच आपसी उबभावनाX से बचाने का हर संभव यास करना चाहिए, शिकायतकता (ारा गंभीर अपराध का मामला वापस नह िलया जा सकता है। यह िसरान्तपीड़ित+ को न केवल अभियु और उसके दोत+ से बिक उसके अपने साथिय+ से अनुचित दबाव के खिलाफ र>ा करेगा। प&रिथितय+ को शांत करने और उबकरने वाले कारण, यद कोई हो, पर उयानदया जा सकता है। यदसमया को कम करने के कारण जैसे आरोपिय+ से उ)कृ सहयोग, क&ठनप&रिथितय+म@ बेहतर पिछला &रकॉड ह+ तो डीएसी को कम दंड देना चाहिए, जबकसमयाउब करने वाली प&रिथितय+ के मामले म@ (जैसे खराब सहयोग, अनुशासनहीनता का पिछला &रकॉड, दंडित, माफ़या विधिवत जांच नह होना), दंड कठोर होना चाहिए। यदसमया शमन करने वाली प&रिथितयाँ असाधारण ओप से मजबूत हह, तो डीएसी िनधा &रत सीमा से नीचे जा सकती है, जबक अगर उबप&रिथितयाँ असाधारण ओप से मजबूत है, तो डीएसी सूची बर दंड से अधिक जुमा ना लगा सकती है।

¹Hkkx IIµ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 343

1. छा?+ को संधान के शि>क+, छा?ावास के वाड न, को उचित स।मान देना चाहिए, संधान के कम चा&रय+ और छा?ावास2. छा?+ के लिए साथी छा?+ के साथ मै?ीपूण संबंध विवकिसत करना आवयक है। विशेष ओप से, उनसे हर साल संधानम@ xiii.

xiv.

सभी छा?+ के आचरण और अनुशासन को नियंत्रित करने के लिए निम्नलिखित नियम लागू हंगे: के कम चार्य+ के त भी उचित शिाचार का उयान रखना चाहिए। वे आगंतुक+ के त भी शिाचार का उयान रखगे। भत होने वाले न छा?+ का उयान रखने कअपेा है। कसी भी तरह से कसी के भी तिरैलग कानून निष है। ङिगतप से या समूह म@ जूनियर छा?+ पर शारीरक या मानसिक दबाव के कसी भी काय को रैलग का कृय माना जाएगा। रैलग म@ जूनियर छा?+ को संथानप&रसर के बाहर या ऐसे थान+ या समय पर व&रछा?+ से मिलने के लिए मजबूर करना भी शामिल है, जहां छा? के पास उपित होने का कोई वैध कारण नह है, अासंगिक पूछना या अपमान जनक भाषा का उपयोग करना। रैलग करने को घोर अनुशासन हीनता माना जाएगा और इससे गंभीर प से निपटा जाएगा, जिसम@संथान से निासन शामिल हो सकता है। प&रसर के अंदर या बाहर रैलगककसी भी घटना का कसी भी छा?, व&र या ेशर(ारावाड न या नामित संकाय सदय को सूचित कया जाना चाहिए। रैलग क घटना क&रपोट करने म@ विफलता को एक गंभीर अपराध माना जाएगा, भले ही वह ङिगतप से इसम@ शामिल न हो। आचार और अनुशासन के नियमभाग -IIIIIIII (येकअनुशासना)मक मुाअि(तीय होता है, जिसको अि(तीय जांच या और एक अि(तीय उपाय कावक्यता होती है। लेकिन डीएसी और उासन के पास एक औपचारिक जांच सुविधा के लाभ के बिना और दंड को लागू करने कशि, जो माता-पिता या राग के काय कारीअधिकारी के पास होती है, के बिना उचित उपाय करने कि। मेदारी है। विसीय दंड जानबूझ कर हतो)साहितकया गया है

य+क इससे अमीर माता-पिता के ब+ को गलती करने के बाद अपना बचाव खरीदने क अनुमित मिलेगी। संथान के पास उपलब्धिवकप+म@ केवल छा? का आजीविका, उसके डेड, ातक होने का समय आदह। इस पुितकाम@तुत दंड सूची आंशिक प से चेतावनी, सामाजिक काय आद पर काम करती है और आंशिक प से डेड और ातक होने क तारीख पर काम करती है। केवल अयंत गंभीर अपराध+ के मामले म@, अथायी या थायीनिासन, का सहारा लिया गया है। नियम कुछ अपराध+ को दूसर+क तुलना म@ अधिक गंभीर मानते ह। उनम@ से एक कांयूटर या संचार उपकरण का उपयोग करके कए गए अपराध शामिल ह (

य+क कम यासम@ इनका उपयोग करने से ब,त नुकसान हो सकता है), मिहला छा?+ के खिलाफ अपराध (य+कइसम@तिशोधक संभावना कम ह) और परीा और डेडगणालीके साथ छेड़छाड़ (य+कसंपूण छा? समुदाय का भिवय और संथानकितासंथानकडेडगणालीकपिवता पर टकई है)। हालांक, सभी मामल+म@, उपह@ जानबूझकर बाहर क समान िथितय+क तुलना म@ कम रखा गया है। संथानकअनुशासना)मकणाली का लयआयामकवहारकपुनरावृि को कम करना है, सज़ा इस लय को हासिल करने का एक साधन है। सामाजिक अपराध+ के मामले म@, छा?+ के बीच एक सकारा)मक भावना पैदा करना गलत मामल+ का पता लगाकर अलग-थलग सज़ा देने क तुलना म@ गलत वहार को रोकने म@कह अधिक भावी है। हालाँकसत दंड निेतप से एक निवारक के पम@ काम करते ह, अधिक से अधिक वैिछकितयाबनाने के लिए एक नवीन दंड संरचना और भी उपयोगी हो सकती है। वातवम@, लालच और सज़ा दोन+ का संयोजन संभवतः सबसे भावी है। इसे निदेशक को दए गए "काय कारीादान" के विशेष अधिकार के उपयोग के मायमसे हासिल कया जा सकता है, जो डीएसी (ारा सुझाए गए दंड को कम करने म@ङिगतिनण य का उपयोग कर सकता है। डीएसी को अपनी ही सिफ़ारश+म@भावीविकप सुझाने म@सय होना चाहिए। यह उयानदया जाना चाहिए क डीएसी के निण य मिसाल के पम@ काम करते ह और भिवयम@दए जाने वाले दंड उसी अनुसार होने चाहिय@।लेकिननदक काादान, खास िथित के आधार पर, मौजूदा प&रिथितय+ के अनुसार होगा, और भिवय के लिए मिसाल के पम@ काम नह करेगा।

3. निम्नलिखित गलती /चूक के काय और समान अपराध आचार संहिता का उलंघन माने जाएंगे और अनुशासना)मक

(xvii)

iv. पदक+ और पुरकार+ पर रोक , iii. छा?गतिविधय+ ,
चुनाव+ और खेल टीम+ककानी पर रोक , (viii)

(xiii)

(xiv)

(xvi)

ii.संथानम@अित&र_

काय ,

(vii)

(xii)

(xv)

i.डां

टना

,

(vi)

(ix)

(

x

i

)

(

v

)

(x)

4. अपराध क गंभीरता के अनुसार, दंड हो सकते हH: वेश के िलए या छा?वृिS या पुरकारआद के िलए आवेदन के 0पम@कसी भी कार का गलत कथन तुतकरना। अनुशासना)मक सिमित को गलत कथन तुत करना, या जांच के िलए ासंिगक जानकारी रोकना। कसी भी गितिविध का आयोजन या भाग लेना िजसम@ साथी छा?+ को धम , जांित, गृहरा0य, वेश के बैच, िनवास थान या कसीअपयअवीकाय मानदंड पर िवभाजित करने क>मता है। शारी&रकसंपक या मौखिक दुZ वहार के माउयम से ेशस का शारी&रक या मानिसक उ)पीड़न।संथान के बाहर के लोग+ से िववाद या झगड़े म@ शािमल होना, अकेले या समूह म@, गलती चाहे कसीक भी हो। संथान, छा?ावास या साथी छा?+ककसी भी संपिS, सामान को जान बूझकर नुकसान प,ंचाना या चोरी करना। परी>ाXम@ अनुचित साधन+ को अपनाना। मादक पेय या कसी भी कारक मित -मदवाX को रखना, इतेमाल करना या बेचना। पीआईसी छा?कयाणकपूर्व अनुमित के िबना प&रसरम@ या उसके बाहर दूसर+ के साथ िवशुर0प से शै>िणक, वैLािनक या तकनीककाय Yम+ को छोड़कर कसी भी समूह गितिविध का आयोजन या भाग लेना। पुतकालयककताब+ को खराब करना या अनिधकृत कृजा करना। संभािवत अनुशासना)मकमुेक जांच करने वाले संकाय, अधिका&रय+ या सुर>ाकKमय+ के साथ सहयोग नहकरना। शोरगुल और अनुचित Zवहारक वजह से साथी छा?+क पढ़ाई म@ बाधा डालना। नशे क हालत म@ या अपयथा एक शै>िणक या छा? समारोह म@ गड़बड़ी। सुर>ाथाX का पालन नहकरना या कसी भी तरह से अपने िलए या अपयZि_य+ के िलए संभािवत खतरा पैदा करना। िश]ाचार और Zवहारक कमी को दKशत करना, प&रसर के भीतर या बाहर कह भी अशोभनीय Zवहारकरना। प&रसर छोड़ने से पहले छा?ावास केवाड न को अपनी अनुपिथितक सूचना नह देना। राGय या रा6ीयकानून+ का उलंघन करने वाली गितिविध म@ शािमल होना।

¹Hkkx IIµ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 345

सूची(v) से (x) के तहत दंड "मुखदंड" माने जाएंगे और सभी शै>िणक पदक और पुरकार+ के साथ-साथ मह)वपूण गैर-

6.

संकाय के अपयसदय+ को ज़रत के अनुसार अउय> के िववेक पर डीएसी ककाय वाही के िलए आमंितकया जा सकता है। (ख) थायी अनुशासन सिमित िशकायत+क जांच करेगी, उपलुधसाय+क पड़ताल करेगी और सज़ाकिसफ़ा&रश करेगी। (ग) सिमित किसफ़ा&रश, िजसम@ अपराध िसर होने किथितम@ सुझाई गई सज़ा

शांमल है, को आवककार वई के िलए िनदेशक को भेज दया जाएगा। (घ) अपराध के माण का कानून क अदालत म@ िजतना आवक है उतना होना आवकनह है। सिमित, छा?+ के ापकिहत और शैणिकअधिकार+कर>ा करने के िलए, अनुशासना)मककाय वाही कर सकती है यद वह उचित ाप से संतु है क ऐसे उपाय छा?+ के िहत म@हम।(ड.) िनदेशक, अपने िववेक के अनुसार दीघ कालिक मुq+ और संथानबंधन के अपयपहलुX पर भाव को ऽयानम@ रखते, एअित&र_ उपाय कर सकते हम। िनदेशक सीनेट अय>क>मताम@, दंडित कए गए दंड ककृितम@ मामूली बदलाव कर सकता है या उचित कमी (ऊपर नंबर 4 के अनुसार) और/ या सज़ा कमा?ा घटा सकता है। लेकिन वह डीएसी (ाराअनुशंसित सज़ा कमा?ाम@वृिRनह करेगा। िनदेशक के अनुमोदन पर, रिजारछा? के माता-पिता / अभिभावक+ को ितय+ के साथ उचित आदेश देगा। (च) यद िनदेशक को लगता है क सज़ा ककृित और/ या मा?ा अपराध के अनुसार नह है और दीघ कालिक समयएं पैदा कर सकती हम, तो वह इस मामले को पूण सीनेट को संदकभत कर सकता है। मामले म@ सीनेट का िनण य अंतिम होगा। (छ) दुल भमामल+म@, जब िनदशक को संथान के िहत म@ उचित लगता है, तो वह काय वाही के कसी भी तर पर, आऽवानकर सकता है।

viii. छा?ावास से िनकासन, ix. vii. एक या एक से अधिक पामYम+म@अनिवाय िवफलता, धीमीगित से अययन करने के िलए मजबूर कए िबना, vi. एक या अधिक पामYम+म@बेडम@ कटौती,

इसके अलावा, आकथकअपराध+ के िलए (धन क हेराफेरी या संथानकसंपिS को नुकसान), संथान को नु सान दंड के साथ वसूल कया जाएगा जो कनु सान रािश का दस गुना तक हो सकता है।

iii. सीनेट (ारा नामित संकाय के दो सदय दो साल क अविध के िलए- सदयiv. िनदेशक (ारा नामित तीन व&रछा? (एक यूजी, एक पीजी, एक मिहला यूजी या पीजी) एक वष क अविध के v.

v. आंशिक (एक महीने या एक छमाही) या कHपसालेसम@ट पर पूण रोक,

x. संथान से सीधा िनकासन,

ii. छा?ावास+ के वाड न - सदयi.

पीआईसी छा?कयाण - अय>

एक िनपद] अविध के िलए

िनकासन , या

(क) छा?ावासम@ , (ख) िवभाग या क>ाम@ (ग) या कह है और , कए गए मामूली अपराध के िलए फटकार लगाना, जुमा ना लगाना या कोई अपयउपयु_ उपाय करना Yमश; वाड न, िवभागाय> और पीआईसी छा?कयाण का अधिकार होगा। फटकार या जुमा ने के अलावा सज़ा से जुड़े सभी मामल+ को औपचा&रकOप से डीएसी के अय> को सूचित कया जाएगा। (क) अनुशासनहीनता के सभी मुखकृ)य, िजनका सामापयOप से छा?+ पर गंभीर भाव हो सकता है और/ या िजनके िलए एक समान और अधिक औपचा&रककृितक जांच कआवकता है को, सीनेट (ारािनयु_ डीएसी (ारािनयंित कया जाएगा। थायी अनुशासन सिमित म@निहलिखत पदाधिकारी सदय और अपयसदय होते हमः िलए-सदयरिजार – सदय सिचव

7.

8.

कोस का पुनः-पंजीकरण, एक या अधिक छमाही के िलए िनकासन या संथान से सीधा िनकासन हो सकती है। सिमित (ii) संबंधित परी>क(X) और घटना क&रपोट करने वाले संकाय - सदय (iii) िनदेशक (ारा नामित संकाय के दो सदय दो वषक अविध के िलए- सदय(iv) रिजार- सदय सिचव िजन कृ)य+ को अनुशासनहीनता के बजाय “अपराध+” के Oपम@वगकृतकया जा सकता है उपह@राGय के अधिका&रय+ को सूचित कया जाएगा; िजसम@ साथी छा?+ या अपयलोग+ को गंभीर चोट प,ँचाने, संथानकसंपिS को बड़ी >तिप,ँचाने, रा6ीयसुर>ा या सांदायिक सभाव बनाए रखने के िलए हािनकारक गितिविधयां शांमल हम।परी>ाम@ अनुचित साधन+ को अपनाने के मामल+ को परी>ा सिमित (ारा िनपटया जाएगा िजसम@निहलिखतसदयह+गे: (I) शैणिक मामले के डीन - अय> (डीन कअनुपिथितम@परी>ावग संयोजक)

1.भा.सू.ौ.स. वडोदरा पूरी तरह से आवासीय संधान है और सभी छा?+ को छा?ावासम@ रहना आव<यक है।

2.विशेष प&रिथितय+म@, िनदेशक संधानप&रसरम@ या संधान से उचित दूरी पर छा? को माता-पिता/ अभिभावक के छा?ावास के िनवािसयZ के आचार के िनयम

10.क>ा या योगशालाम@ अनुशासन हीनता के मामले पामYमिश>क(ाराक>ा से िनफासन, कुछ क>ाXम@ 11.परी>ा हॉल म@ अनुशासनहीनता, िनरी>कक बात न मानने और अपय छोटे अपराध+ के िलए परी>ा हॉल अपवेषक 12.कसी भी अनुशासनहीनता के मामले और िनदेशक (ारा उठाए गए कदम+ को सीनेट क अपनी अगली बैठक म@ 13. दंड, िजसे जारी और अधिसूचित कया जा चुका है, उसे िनदेशक, अनुशासना)मककार वाई सिमित या कसी भी 14.आमतौर पर मामूली अनुशासना)मक अपराध और दंड छा? के आचरण माणप?म@दखाएनह जाएंगे। लेकिन

छा?+क िनवास आव<यकताX को िनयंित करने वाले िवतृत िनयम िनहिलिखतहH: साथ रहने क अनुमित दे सकता है। हालाँक, ऐसा छा? एक छा?ावास से जुड़ा होगा और उसे संधान(ारा तय कए गए िनपद]कराए के और अपय देय रािश का भुगतान करना होगा। हालाँक, इस अनुमित को िबना कोई कारण बताए कसीभी समय संधान के िववेक पर वापस िलया जा सकता है।

छा?ावास म@ अनुशासन हीनता के कसी भी काय क जांच छा?ावास ए ज़ी

यू&टव कमेटी (एचईसी) (ाराकजाएगी, जो िनदेशक को कार वाईकिसफ़ा&रश करेगी। वह कार वाई का तरीका तय करेगी और इसे लागू करेगी।

उSरियट पर अंक+ (10 अंक तक) क कटौती किसफ़ा&रश कर सकता है। परी>ा हॉल म@ अनुचित साधन+ को

शासिनकाधिकारी(ारा बदला नह जा सकता है। हालाँक, जब नए तय सामने आते हH, तो सीनेट सज़ा म@gंभीर मामल+म@, अनुशासना)मककार वाई सिमित, िनदेशक या सीनेट छा? के आचरण माणप?म@ एक उपयु िवि बनाने का िनण य ले सकते हH। भाग- III

1Hkkx IIµ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vllk/kj.k 347

3.छा?ावासक मेस/ कHटीन एक एककृत इकाई के 0पम@काय करेगी और कसी भी प&रिथितम@कसी भी कार के 4.छा?ावासम@कमर+ का आवंटन िविभापामYम+, बैच+, आवासीय िजल+ और समुदाय+ के छा?+ के एककरणकदशा5.कोई भी छा?वाड नकपूवा नुमित के िबना छा?ावास के िनयत आवास म@वेश या थाननह कर सकता। 6.एक छा? उसे आवंटित कमरे म@ िनवास करेगा और छा?ावास केवाड न के िनदश/ अनुमित के तहत ही कसीअपय कमरे म@ 7.छा?+ को िनरी>ण, मर।मत, रखरखाव या कटाणु रिहत करने के िलए जब भी आव<यक हो अपने कमरे उपलब्ध कराने 8.छा? उनको आवंटितकमर+म@ दरवाजे, िखड़कियां, फनचर, पंखे, और अपयफMटगक उचित देखभाल के िलए 9.छा? अपनी संपिS को सुरि>त रखने के िलए वयंिज।मेदारह+गे। चोरी, या कसीअपय कारण से कसीछा?ककसी10.छा?ावास म@ एक छा?(ाराZि_गत सेवक, पालतू जानवर+ को रखना और इलेि

क हीटर, रेजरेटर, इंड

शन11.त।बाकू, मादकपेय और मित-मपदाथ का सेवन संतवKजत है। 12.छा?+ को छा?ावास म@ आने या बाहर जाने और भोजन के समय के मामले म@छा?ावास के समय का पालन करना 13.छा?ावासम@छा?क भागीदारी के आधार पर एक वायSबंधनणाली है। येकछा? को छा?ावासबंधन और 14.बाहर रहने वाले अंडरहेंजुएटछा?+ को छा?ावास म@मोटरसाइकल, मोपेड या ऑटोमोबाइल रखने क अनुमित नह है, अनुशासन हीनता क घटना कसीभािवितZि_ (छा?, संकाय या कम चारी) या पय वे>क(ारा भी सूचित क जा सकती है। िशकायत िनहिलिखत काया लय+म@ से एक से हो सकती है, जो संबंधित Zि_य+क घटना और संबRता के थान पर िनभ रकरती है। (क) छा?ावास के वाड न(ख) िवभाग+ के मुख(ग) पीआईसी छा?+ के मामले (घ) िनदेशक जब एक व&र संकाय सदय, अपनी शासिनकिज़।मेदारी के अलावा, कसी संभािवित मामूली अनुशासन के मुqे को देखता है, तो उस से हत>ेप कर के गंभीर होने से पहले िववाद को सुलझाने कउ।मीदक जाती है। हालाँक, यदिथित को िनयंितनह कया जा सकता, तो िशकायत दज क जानी चाहिए। समूह+ या उपसमूह+म@ उप-िवभाजित नह होगी। म@कया जाना चाहिए। यद यह उqे<यपया Q0प से पूरा नह होता है, तो वाड नवष के बीच म@ आवंटन म@ फेर बदल कर सकते हH। िशष्ट हो सकता है। वाड नक अनुमित के िबना कमरे के पारप&रक बदलाव क मनाही है। कआव<यकता होगी और छु&य+ के िलए बाहर जाने पर

कमर+ को खाली करना होगा। िज।मेदार होगा और आमतौर पर छा?ावासम@ सभी छा?+ का सामाPय उपयोगवाली वतुX के उचित उपयोग, देखभाल और सुर>ासुिनिःकृत करने म@वाड नक सहायता करेगा। भी िनजी संपिS के नुकसान किथितम@संथान कोई िज।मेदारीवीकारनह करेगा और कसी भी मुआवजे के भुगतान के िलिए उऽरदायीनह होगा। कुकटॉप आद जैसे उपकरण+ का उपयोग िनिषR है। चािहए। छा?ावास के भीतर अपयकयाणकारीगितिविधय+म@ भाग लेने का यास करना चािहए। भले ही कोई छा?छा?ावास के बाहर अपना वाहन पाक करता हो। बाहर रहने क अनुमित वाले छा?+ को अपने वयं के वाहन+ का उपयोग कर के संथानम@ आने क अनुमित है, लेकिनउपह@छा?ावास>े?म@ गाड़ी चलाने करने क अनुमित नह है। भाग - IVअनुशासन

बंधन क2 (या

जब एक वाड न या एचओडी को िशकायत िमलती है, तो उसे संभािवित अपराध क गंभीरता का आकलन करना चािहए। मामूली मुq+ के मामले म@, उससे एक पारप&रकOप से वीकाय समाधान िनकालने और समय को हल करने कउ।मीद है। संथानकसंपिS को मामूली नुकसान, यद कोई हो, के मामले म@ वह िबना कसीअपयकाय वाही के अपराधी (ारा इस कमर।मत या बदलाव करवा सकता है। परPतु, अगर मामला गंभीर कृित का है (जैसे समूह क लड़ाई, मिहला छा?+ के िखलाफ अपराध, शै>णिगक&रकॉड म@ छेड़छाड़, संथानकसंपिS को बड़ा नुकसान और ऐसे अपय अपराध), तो मामले को औपचा&रककाय वाही के िलिए पीआईसी छा?मामल+ या िनदेशक को सूचित कया जाना चािहए। पारप&रकसंघष के मामले म@, यद कोई भािवितZि एचओडी या वाड न(ारातािवित समाधान से संतुनह है, तो वह पीआईसी छा?मामल+ या िनदेशक से अपील कर सकता है। जब पीआईसी छा?मामल+ या िनदेशक को अपराध क गंभीरता के आधार पर िशकायत िमलती है, तो वे या तो मामले को संबंधित वाड नया एचओडी को सौहाद पूण िनपटान के िलिए संदKभत कर सकते हH, या मामले को डीएसी को सप सकते हH।डीएसी को संदKभतमामल+म@, सिमित मामले क जांच करेगी और रोकथाम के िलिए अपनी िसफा&रश अनुमोदन के िलिए िनदेशक को देगी।डीएसी &रपोट म@ शामिल छा?+ के नाम, शुक, सिमित का िनऱकष, यद कोई हो, कम करने और उठकरनेवाली प&रिथितय+ और दंड के िलिए िसफा&रश@यद कोई होतो दज करनी चािहए। िनदेशक अपने िववेक पर, या तो अनुशंसित सज़ा को मंजूरी दे सकता है, उसे समी>ा के िलिए डीएसी को वापस कर सकता है, सज़ा म@ कमी के साथ अनुमोदन कर सकता है या सामूिहक िनण य के िलिए सीनेट म@ डाल सकता है। िनण य होने के बाद, रिजकार एक काय कारी आदेश लाएगा िजसम@ आरोप, िनऱकष और दी गई सज़ा बताई जाएगी। सी&रयल नंबर, अपराध का िववरण और सज़ा प।Oप से दज कजानी चािहए। काय कारी आदेश कितयांभािवितछा?+, उनके माता-पिता/अिभभावक+, संकाय सलाहकार+, एचओडी, वाड न और िशकायतकता X को भी उपलुध कराई जाएंगी। छा?+ के बीच जागOकता पैदा करने के िलिए, अपराध को बताते ए एक अलग नो&टसदया जाता है और दी गई सज़ा को िनदेशक के अनुमोदन के साथ रिजकार(ारा तैयार कया जा सकता है और इसम@ शामिल छा?+ के नाम का उलेखकएिबना नो&टसबोड पर लगाया जा सकता है।भाग - Vडीएसी Xारा सुझाएजाने वाले संभािवित िनवास्कZक2-सूचीयह सूची एक मूल दशािनिदश के Oपम@ अलग-अलग घटनाX के दौरान एकOपता के िलिए दी गई है, इसका उqेय डीएसी

¹Hkx Πμ[k.M 3(ii)^o Hkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 349

[illegible]

30 / 74

33 / 74

P7-P11

¹Hkx Πμ[k.M 3(ii)^o Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 353

[illegible]

OD-3 OD-4 OD-5

क>ा,योगशाला, पुतकालय, संगोव्ी या ऐसे अप्यथान पर नशे म@वेश करना। पुतकालयकपुतक+ और अप्यसामाव्ी से पृ+ को चुराना, >ितवत करना या हटाना। Yेडिट के मूयांकन और ािQ के िलए अपने काम का एक ही टुकड़ा दो (याअधिक) बार तुत करना।

P11-

P11-

P18 P7-P12 P8-P19

[illegible]

OE-13 OE-14 OE-15

दूसरे

उ।मीदवारकपरींा कॉपी से नकल। मुंयअपवेषकक अनुमित के िबना कसी भी उपेय के िलए परींाे?
(यानी बाहर हॉल, शौचालय और कनेc

टगमाग) के बाहर जाना। परीक्षा हॉल के बाहर < नप? या उऽर कॉपी भेजना।

P-15-

P18 P18-P21 P20-P22

¹Hkkx Πμ[k.M 3(ii)^o Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 355

OG-7 OG-8 एक संकाय या टाफसदय के इले

ऑनिकपासवड को मालिक क सहमित के बिना कसी तीसरे जि को बताना। कसी संकाय या टाफसदय या उसके खाते के पासवड चोरी कर के या अपयमायम से विभागीय या क@ीयकायूटरम@ उसके निजी कायूटर का उपयोग करना।

P20-

P22 P21-P23

OG-10 OG-11 टप पणी

Indian Institutes of Information Technology (Public-Private Partnership) Act, 2017 (23 of 2017), the Senate with the approval of the Board of Governors, make the following Ordinances of Indian Institute of Information Technology, Vadodara.

1.अपराध और पंरिथितय को देखते ,ए डीएसी ाराअपय सभी अपराध को उपरो म@ से एक के बराबर बनाया 2.विशेष पंरिथितय म@यदअिम घोषणा क गई है तो उ= दंड दया जा सकता है उदाहरण के िलए , यद3.कई तुलनीय गंभीरता के अपराध के मामले म@जुमा नाजि गतअपराध के उ=तम दंड से कम से कम एक तर 4.यद कोई छा?कसीअपयछा? के िखलाफ झूठी िशकायत करता है, तो िशकायत करने वाले छा? पर जो जुमा ना जाएगा। साव जिनक समारोह म@ यह घोषणा क जाती है कबैरकेडग पार करने से संथान से िनफकासित कया जा सकता है, तो ऐसी सजा दी जा सकती है। अधिक होगा।

S.O. 3822(E).—In exercise of the powers conferred by section 33 read with section 34 (1) (2) and (3) of the गंभीर शरारत या जि गत लाभ के िलए कायूटर (वयं के या कसीअपयजि के खाते) का उपयोग करना। इजाजत के बिना विभागीय या क@ीयकायूटरणाली के शासिनक खाते म@ जाना , उक्ेय भले ही कुछ भी हो।

सुखबीर सह संधू, अपर सिचव
(त.िश.) [फा. सं. 52-2/2017-
टीएस.1]

P22-

P25 P24-P25

Table of Content

INTRODUCTION

	358
AND LEAVE OF ABSENCE	358
STRUCTURE	359

Withdrawal from Semester and Discontinued for Failing to Register

¹Hkkx IIm[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 357

BTR 1: ACAD
BTR 4: COND
BTR 7: REG.

360

BTR 8.1 Registration of Courses for AUDIT		
360	BTR 9	
COURSE LOAD		361
BTR 9.1 Regular Semesters		
361	BTR 10	
COURSE ASSESSMENT AND MODES OF ASSESSMENT		361
BTR 10.1 Course Assessment		
361	BTR 10.2 Grading	
361	BTR 11 REPEATING A COURSE	
		362
BTR 11.1 Backlog Course		
362	BTR 11.2 Grade Improvement	
362	BTR 12 B.TECH. PROJECT	
		362
BTR 13 PERFORMANCE INDICES		362
BTR 13.1 Semester Performance Index (SPI)		
362	BTR 13.2 Cumulative Performance Index (CPI)	
362	BTR 13.3 Calculating SPI and CPI	
362	BTR 14 MINIMUM REQUIREMENTS OF ACADEMIC PERFORMANCE	
		363
BTR 14.1 Academic Probation		
363	BTR 14.2 Discontinued from the Institute on Account of Poor Academic Performance	
363	BTR 14.3 Discontinued from the Institute on account of Poor Academic Performance at the end of the Second and Fourth Semester	
363	BTR 14.4 Minimum and Maximum Period for Completion of B Tech Program:	
363	BTR 15 AWARD OF DEGREE AND MEDALS	
		363
BTR 15.1 The B Tech (CS) and B Tech (IT) Degree will be conferred on a student after he/she has fulfilled the graduation requirements stipulated in the curriculum (as approved by the senate).		
363	BTR 15.2 Final CPI and Class:	
363	BTR 15.3 Certificate of Academic Accomplishment:	
363	BTR 15.4 Award of Medals:	
363	BTR 16 GLOSSARY	
		364

EXTRACTS FROM IIIT (PPP), ACT 2017

The following are the extracts from THE INDIAN INSTITUTES OF INFORMATION TECHNOLOGY (PUBLIC-PRIVATE PARTNERSHIP) ACT, 2017 (NO. 23 OF 2017)

Section 33: Subject to the provisions of this Act and the Statutes, the Ordinances of every Institute may provide for all or any of the following matters, namely: —

- a. the admission of the students to the Institute;
- b. the courses of study to be laid down for all degrees and diplomas of the Institute;
- c. the conditions under which students shall be admitted to the degree or diploma courses and to the examinations of the Institute, and shall be eligible for degrees and diplomas;
- d. the conditions of award of the fellowships, scholarships, exhibitions, medals and prizes;
- e. the conditions and mode of appointment and duties of examining bodies, examiners and moderators;
- f. the conduct of examinations;
- g. the maintenance of discipline among the students of the Institute; and
- h. any other matter which by this Act or the Statutes is to be or may be provided for by the Ordinances.

Section 34:

1. Save as otherwise provided in this section, Ordinances shall be made by the Senate.
2. All Ordinances made by the Senate shall have effect from such date as it may direct, but every Ordinance so made shall be submitted, as soon as may be, to the Board and shall be considered by the Board at its next meeting.
3. The Board shall have power by resolution to modify or cancel any such Ordinance and such Ordinance shall from the date of such resolution stand modified accordingly or cancelled, as the case may be.

INTRODUCTION

1. All Bachelor of Technology (B.Tech.) Programmes offered by IIIT Vadodara shall be governed by the B.Tech. Ordinance.
2. The provisions contained in these regulations will govern the terms and conditions for student registration, course assessment and modes of assessment, minimum requirements of academic performance and evaluation of performance leading to B.Tech. degrees.
3. The Institute shall offer B.Tech. program in following branches
 - a. Four-year B.Tech.in Computer Science and Engineering (CSE).
 - b. Four-year B.Tech.in Information Technology (IT).

The ordinance shall be applicable to other B.Tech. degree programmes offered in future also.

These ordinances are effective from the date they are approved and published by the Government of India. The ordinance deal only with the post-admission academic activities of the Degree Programs. Eligibility criteria for admission, admission procedures, etc. are outside the purview of these regulations.

BTR 1: ACADEMIC CALENDAR

- 1.1 Each academic session is divided into two semesters of approximately eighteen weeks duration (with at-least seventy working days for classes in each semester): An Autumn semester and a Winter semester.
- 1.2 In addition, there may be a semester during the summer break, called a summer semester.
- 1.3 The Senate approved schedule of academic activities for a session, inclusive of dates for registration, mid-semester and end-semester examinations, inter-semester breaks etc, shall be laid down in the Academic Calendar for the session.

BTR 2: ADMISSION

- 2.1 The number of seats in each branch of the undergraduate programme for which admission is to be made at the IIIT Vadodara will be decided by the Senate of IIIT Vadodara. Seats are reserved for candidates belonging to Other Backward Classes (OBC), Scheduled Castes (SC), Scheduled Tribes (ST), and physically challenged (PC) candidates as per the decisions of Government of India from time to time.
- 2.2 Admission to the B.Tech. programme in any year will be as per orders from the Government of India. Currently these are based on performance in the Joint Entrance Examination (JEE) Main and HSC examinations as per Central Board of Secondary Education (CBSE) guidelines through a counselling conducted by the CSAB for the respective year.
- 2.3 Every student, admitted provisionally or otherwise to any Programme of the Institute, shall submit copies of the qualifying degree/provisional certificate and such other documents as prescribed by the Senate. These documents must be submitted by the prescribed date. The admission, provisional or otherwise, of any student who either does not submit the required documents by the stipulated date or fails to meet any other stipulated requirement for admission can be cancelled by the Institute.
- 2.4 The admission of any student may also be cancelled by the Senate, at any later time, if it is found that the student had supplied some false information or suppressed some relevant information while seeking admission.
- 2.5 The Institute reserves the right to cancel the admission of any student and ask him/her to discontinue his/ her studies at any stage of his/her career on the grounds of unsatisfactory academic performance or on disciplinary grounds.

BTR 3: ATTENDANCE AND LEAVE OF ABSENCE

- 3.1 (a) Students are required to attend all the classes (Lectures, Tutorials, Laboratories, Practical, Workshops etc) for which they have been registered.
- (b) Students will have to attend all classes. A student may be debarred from appearing in an end semester examination if his/her attendance falls below 75 percent and will then be awarded an "F" grade in that course.

Leave Of Absence

- 3.2 (a) Students are not expected to be away from the Institute during a semester.

१Hkkx IIµ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vllk/kj.k 359

(b) Students may be granted leave of absence on situations like death in the immediate family circle. Such leave will in no case exceed one week.

(c) Absence due to illness not exceeding three weeks will be allowed after taking due permission. Due to emergencies, such permission may be taken later, and by the guardian if necessary.

(d) If the period of absence in a semester exceeds three weeks, the student will have to drop the semester by dropping all courses he /she has registered for. The Senate may allow longer absences only in special circumstances and only after ascertaining the student's ability to make up for the lost time.

(e) The leave of absence as per Clauses 3.2 (a) to 3.2 (d) will not be condoned for attendance.

3.3 It will be the responsibility of the student to intimate the Warden of the hostel in which he/she is residing, and the concerned instructors regarding his/her absence before proceeding on leave.

BTR 4: CONDUCT AND DISCIPLINE

4.1 Students shall conduct themselves within and outside the precincts of the Institute in a manner befitting the students of an institution of national importance.

4.2 For all issues related to student discipline, the general guidelines are prescribed in the Manual of Student Discipline.

BTR 5: CHANGE OF BRANCH

5.1 Normally a student admitted to a particular branch of the undergraduate programme will continue studying in that branch till graduation.

5.2 In special cases the Institute may permit a student to change branch from one branch of studies to another after the second semester. Such changes will be permitted, in accordance with the provisions laid down hereinafter.

5.3 Only those students will be considered eligible for change of branch/programme after the second semester, who have completed and passed all the common credits required in the first two semesters of their studies in their first attempt.

5.4 Applications for a change of branch/programme must be made by intending eligible students in the prescribed form. The academic section will call for applications at the end of second semester of each academic year and the completed forms must be submitted by the last date specified in the notification.

5.5 Students may enlist their choices of branch/programme, in order of preference, to which they wish to change over. It will not be permissible to alter the choices after the application has been submitted.

5.6 Change of branch/programme shall be made strictly in order of merit of the applicants. For this purpose the CPI obtained at the end of the second semester shall be considered. In case of a tie, the JEE rank of the applicants will be considered.

5.7 The applicants may be allowed a change in branch, strictly in order of merit, subject to the limitation that the strength of a branch should not fall below the existing strength by more than ten percent and should not go above the sanctioned strength by more than ten percent.

5.8 All changes of branch made in accordance with the above rules will be effective from the third semester of the applicants concerned. No change of branch/programme shall be permitted after this.

5.9 All changes of branch will be final and binding on the applicants. Once considered for change in branch, no student will be permitted, under any circumstances, to refuse the change of branch offered.

BTR 6 COURSE STRUCTURE

Education at the Institute is organized around the semester-based credit system of study. A student is allowed to attend classes in a course and earn credit for it, only if he/she has registered for that course. Prominent features of the credit system are a process of continuous evaluation of a student's performance/progress and flexibility to allow a student to progress at an optimum pace suited to his/her ability or convenience, subject to fulfilling minimum requirements for continuation and within maximum allowable period for completion of a degree. A student's performance/progress is measured by the number of credits that he/she has earned, i.e. completed satisfactorily. Based on the course credits and grades obtained by the student, grade point is calculated. A minimum grade point is required to be maintained for satisfactory progress and continuation in the programme.

Also a minimum number of earned credits and a minimum grade point should be acquired in order to qualify for the degree.

6.1 Teaching of the courses shall be reckoned in credits; Credits are assigned to the courses based on the following general pattern:

1 hour Lecture (L) per week	1 Credit
1 hour Tutorial (T) per week	1 Credit
2 hours Laboratory (L) per week	1 Credit
3 hours Laboratory (L) per week	2 Credits

6.2 In order to qualify for a B. Tech. degree of the Institute, a student is required to complete the credit requirement as prescribed in the curriculum for a particular programme.

6.3 Every B. Tech. Programme will have a curriculum and syllabi for the courses approved by the Senate.

6.4 Medium of instruction, examination and project reports will be in English.

6.5 Faculty advisor will help the students in planning their courses of study and getting general advice on the academic programme, the concerned department will assign a Faculty Advisor to each student.

BTR 7 REGISTRATION

At the beginning of each semester, until the completion of the program, a student must register for the semester and for the courses that he/she will study during the semester.

BTR 7.1 Procedure for Registration

The registration schedule is announced in advance, and registration is normally carried out within the first two days of each semester through the prescribed procedure by the Academic Section. Late registration may be permitted for valid reasons on submission of an application to the Registrar, and only on payment of the prescribed late registration fee. In any case, registration must be completed before the prescribed last date for late registration in the Academic Calendar. Students having any outstanding dues to the Institute or hostel will not be permitted to register.

BTR 7.2 Eligibility for Course Registration

A student with no backlog courses (i.e. who has passed all the previous courses) will be eligible to register for all courses prescribed in the curriculum for semester. A student who has backlog course(s) or is on academic probation (BTR 14.1) (may be recommended a different set of courses, by the Dean of Academic Programs).

BTR 7.3 Pre-Requisite Courses

A student registering for a course must have successfully completed the Prerequisite course(s), if any, for that particular course. For hard Prerequisite, a minimum grade of DD is required.

BTR 7.4 Withdrawal from Semester and Discontinued for Failing to Register

- A student who wishes to withdraw prior to registration for a semester must obtain a formal approval from the Dean (Academic Programs) before the prescribed last date for late registration for the concerned semester. Withdrawal after registration for a semester is permitted only on medical grounds or for other exceptional reasons and formal approval for such withdrawal must be obtained from the Dean (Academic Programs) before the date of commencement of the end-semester examination for the concerned semester. Withdrawal from a semester, either prior to registration or after registration is permitted for only one semester at a time. If a student does not register for a regular semester or does not withdraw with permission from the Dean (Academic Programs) as indicated above, he/she will be discontinued from the Institute.
- A student who registers for a semester after having withdrawn in the previous semester(s) can register for the available courses as prescribed in the curriculum for that particular semester subject to the pre-requisites, if any.
- The transcript of a student who has "withdrawn" status would show the appropriate status for the concerned semester(s). The transcript of a student who is suspended for an academic or disciplinary reason would also show "withdrawn" status.

BTR 8 AUDITING OF COURSES

BTR 8.1 Registration of Courses for AUDIT

Auditing of courses allows students to gain exposure to additional subjects without increasing unduly their overall workload. Registration of courses for AUDIT is permitted from fifth semester onwards under the following conditions:

- a. A student can audit a maximum of two courses during the entire program.
- b. A student has to enter the courses to be audited in the Course Registration Form while registering for the semester. The word “Audit” would be specially mentioned in the remarks column of the student’s course registration form.

1Hkkx IIµ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 361

- c. A student can register a course for audit provided the following two conditions are satisfied:
 - i. the course instructor permits and approves the registration, and
 - ii. the lecture, lab and tutorial time-table strictly permits the same.
- d. An audit course will not be considered as an overload.
- e. If the student’s performance is satisfactory, a grade of P (Pass) would be awarded. If the performance is not satisfactory, a grade of F (Fail) would be awarded.
- f. An audit course will not be considered for the calculation of Semester Performance Index (SPI)/Cumulative Performance Index (CPI). However, the course will be reflected in the Semester Grade Report and Transcript as an Audit Course provided a grade of P was obtained, otherwise the course will not appear in the Semester Grade Report and Transcript.

BTR 9 COURSE LOAD**BTR 9.1 Regular Semesters**

A student is permitted to register for additional courses over the prescribed courses in the curriculum for a regular semester provided the total number of courses does not exceed 7 and the total credits do not exceed 26. A student is permitted to under-load his/her prescribed academic load in a regular semester by dropping one or more courses provided the number of courses is at least 4 and the registered credits are not less than 12. However, after completion of his/her seventh regular semester, a student will be permitted to register for less than four courses.

BTR 10 COURSE ASSESSMENT AND MODES OF ASSESSMENT**BTR 10.1 Course Assessment**

The assessment of students’ academic performance include in-semester and end-semester examinations along with other continuous evaluation components. The various components of continuous assessment in a course may include home assignments, tutorial assignments, group assignments, quizzes, tests (open or closed book), viva-voce, mini projects, etc.

Attendance in lectures/labs/tutorials may also be given due weightage in course assessment. The instructor may make attendance in lectures/tutorials/labs compulsory (80% or less) and after consulting the Dean (Academic Programs), award ‘F’ grade to students who do not achieve the prescribed level of attendance in that course.

The distribution of weightage, for the assessment of academic performance of students, through various modes listed above will be communicated by the course instructor at the beginning of the semester after taking due approval from the director.

Note: Academic requirements such as projects and summer assignments, which are prescribed in the curriculum, are regarded as courses for the purpose of assessment.

BTR 10.2 Grading

- a. For every course taken by a student, he/ she is awarded a letter grade based on his/ her combined performance in all the assessments. These letter grades are assigned points on a 10-point scale as described in the table below

Letter Grade	Corresponding Points	Explanation
--------------	----------------------	-------------

AA	10	Outstanding
AB	9	Excellent
BB	8	
BC	7	
CC	6	
CD	5	
DD	4	
F	0	Fail
I	-	Incomplete
P	-	Passed

b.A student passes the course if he/she gets any grade in the range of AA to DD, but fails if he/she gets the grade F. Certain courses are indicated as Pass/Fail courses, and in these courses a grade of P or F is awarded. F grade may also be awarded in case of malpractice in examination/continuous evaluation process. Pass/Fail courses are not considered for calculation of SPI/CPI.

c. "I" grade will be awarded in a course if the overall performance of the student is satisfactory in the course, but the student either misses the end-semester examination due to illness, accident/death in the family or obtains such an approval from the Dean (Academic Programs) under exceptional circumstances. A student who misses the end-semester examination must apply and his/her application must be supported (i) by proper medical certificate duly approved by the Medical Authority of the Institute in the case of illness, or (ii) by adequate evidence in the event of death in the family. An application not so supported will not be considered. Grade "I" awarded for missing the end-semester examination will be converted into a performance grade (depending on the overall performance of the student in the course) after taking an examination equivalent to the end-semester examination of that particular course. An "I" grade must be converted into a performance grade by the specified date in the academic calendar for the next semester, otherwise it will be converted into "F" grade.

BTR 11 REPEATING A COURSE

BTR 11.1 Backlog Course

A student must repeat a course in which he/she has obtained an F grade in a course taken for credit. Such a course is regarded as a backlog course and is subject to the regulations for registration. A backlog elective course can be replaced by another elective of the same category.

BTR 11.2 Grade Improvement

A student whose CPI is less than 5.0 is allowed to repeat a course in which a DD grade was obtained for the purpose of grade improvement in a regular semester only. The grade obtained in the repeated attempt(s) will be considered for the purpose of calculating the CPI for the semesters thereafter. However, the grade obtained in the first and subsequent attempt(s) will be shown in the Transcript.

BTR 12 B.TECH. PROJECT

12.1 All students are required to complete the B.Tech. Project (BTP). The total number of credits will be as normally prescribed in the curriculum from time to time.

12.2 The BTP evaluation guidelines approved by senate shall be communicated to the students at the time of registration.

BTR 13 PERFORMANCE INDICES

BTR 13.1 Semester Performance Index (SPI)

The performance of a student in a semester is indicated by the Semester Performance Index (SPI). The SPI is the weighted average of the grade points obtained in all the courses registered by the student during the semester, calculated to two decimal places.

BTR 13.2 Cumulative Performance Index (CPI)

An up-to-date assessment of the overall performance of a student from the time of entering the Institute is obtained by calculating the student's Cumulative Performance Index (CPI). The CPI is weighted average of the grade points obtained in all the courses registered for credit by the student after entering the Institute. The CPI is also calculated to two decimal places.

BTR 13.3 Calculating SPI and CPI

The SPI is an indicator of the overall academic performance of a student in all the courses he/she has registered during a given semester. It is computed as follows:

$$SPI = \frac{\sum (U_i G_i)}{\sum U_i}$$

If the grades (numeric values as per BTR 10.2) awarded to student are $G_1, G_2, \dots$ etc. in courses with corresponding credit units $U_1, U_2, \dots$ etc., the SPI is given by

$$SPI = \frac{(U_1 G_1 + U_2 G_2 + \dots)}{(U_1 + U_2 + \dots)}$$

In the above computation, courses with P grades are ignored. Similarly, the CPI indicates the cumulative academic performance in all the courses taken including those taken in the current semester as

BTR 14 MINIMUM REQUIREMENTS OF ACADEMIC PERFORMANCE**BTR 14.1 Academic Probation**

A student will be placed on Academic Probation for his/her second semester with written intimation if his/her SPI at the end of first semester is less than 4.5. In subsequent semesters, a student will be placed on Academic Probation with written intimation if his/her CPI in the previous semester is less than 5.0 or if his/her SPI is less than 4.5 in the previous semester.

For every student placed on Academic Probation, the Dean (Academic Programs) will prescribe a minimum SPI the student must attain in the semester. The minimum SPI so stipulated will be arrived at on the basis of the performance of the student in terms of her/his SPI/CPI as compared to the minimum requirements for graduation.

BTR 14.2 Discontinued from the Institute on Account of Poor Academic Performance

If the performance of a student is poor so that he/she is not likely to benefit from continuing in the program any further, he/she would be required to leave the Institute. For this purpose an assessment of the student's academic performance will initially be made at the end of the second semester of his/her stay at the Institute and thereafter at the end of every subsequent semester. This assessment will be based on the CPI and SPI obtained by the student.

BTR 14.3 Discontinued from the Institute on account of Poor Academic Performance at the end of the Second and Fourth Semester

A student whose CPI is less than 4.0 at the end of second or fourth semester shall be discontinued from the Institute. However, such a student may be allowed to register for the available backlog courses offered in the summer semester, following his/her second or fourth semester. Such a student is permitted to register for a maximum of three of the available summer courses in which he/she is having F or DD grade. In case the student achieves the minimum CPI of 4.0 at the end of the relevant summer semester, he/she should be allowed to re-enter the program.

BTR 14.4 Minimum and Maximum Period for Completion of B.Tech. Program:

The minimum period to complete the program is four academic years. In any case, a student should fulfill the requirements for her/his degree within a maximum period of six academic years, failing which she/he will be required to leave the Institute. The period of six years excludes any semester in which the student has "withdrawn" status.

BTR 15 AWARD OF DEGREE AND MEDALS

BTR 15.1 The B.Tech. (CS) and B.Tech. (IT) Degree will be conferred on a student after he/she has fulfilled the graduation requirements stipulated in the curriculum (as approved by the senate).

BTR 15.2 Final CPI and Class:

For the purposes of computing the CPI at the end of the program, the student's CPI will be computed on the basis of the best CPI obtainable from the courses taken. The grade of B Tech Project (if graded as prescribed in the curriculum) should be included while computing the final CPI of the student.

The Transcript will indicate Distinction if the student obtains a CPI of 9.0 or above and First Class if the student obtains a CPI of 6.5 or above but less than 9.0.

BTR 15.3 Certificate of Academic Accomplishment:

A student who is unable to complete the degree requirements within the stipulated maximum period would be eligible to receive a "Certificate of Academic Accomplishment" by applying for it. The eligibility criteria and procedure for issue of the Certificate would be as laid down by the Institute senate from time to time.

BTR 15.4 Award of Medals

The Chairperson's Gold Medal shall be awarded to graduate(s) meeting the following criteria

The graduate should have

1. the highest CPI in the admission batch (across departments/ branches)
2. minimum CPI of 9
3. not been put on academic probation during the academic program
4. not been put on disciplinary probation during the academic program
5. no fail 'F' grade in the transcript.

In case of more than one candidates qualify for the award, all candidates will be awarded the medals.

The institute medals

3.The Institute Gold Medals will be awarded to students who have secured first places in their respective programs.

4.The Institute silver medal will be awarded to the second place holders for each program

BTR 16 GLOSSARY

Backlog Course: A course prescribed in the curriculum which has either not been registered or failed by a student.

Course Credit: Weighted sum of number of Lecture hours (L), Tutorial hours (T) and Practical hours (P) associated with the course. The weight for L and T is 1.0, and the weight for P is 0.5.

Grade Points: Product of the credits and points of a letter grade awarded to the course.

Semester: An academic year consists of two regular semesters of approximately 16 weeks duration each, the first (Autumn Semester) extending from July to December and the second (Winter Semester) from January to May. The summer semester is not a regular but a special semester of approximately eight weeks usually between May and July.

Semester Grade Report: Official record of the grades obtained in all the courses registered by a student in a semester. **Transcript:** Official record of the grades obtained in all the courses registered by a student and is issued after the completion of the degree requirements.

Master of
Technology
**Programme
Ordinance**

Indian Institute of Information Technology
Vadodara
February 2019

Table of Content**MTR 1. PROGRAM OVERVIEW****322 MTR 5: CONDUCT AND DISCIPLINE**

325

MTR 6.3 Credit Structure of M. Tech (Thesis Mode)

322 MTR 2.

323 MTR 6.

325

1Hkkx IIµ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 365

MTR 7 REGISTRATION

Register 327 MTR 8 COURSE ASSESSMENT AND MODES OF ASSESSMENT

313

327

PERFORMANCE INDICES

329

PROJECT/THESIS REQUIREMENTS

330

13.2 Financial Assistance 330

MTR

graduation requirements stipulated in the curriculum (as approved by the Senate).

331 MTR 16.2 Final CPI and Class:

331

The following are the extracts from THE INDIAN INSTITUTES OF INFORMATION TECHNOLOGY (PUBLIC-PRIVATE PARTNERSHIP) ACT, 2017 (NO. 23 OF 2017)

Section 33: Subject to the provisions of this Act and the Statutes, the Ordinances of every

Institute may provide for all or any of the following matters, namely: —

- a. the admission of the students to the Institute;
- b. the courses of study to be laid down for all degrees and diplomas of the Institute;
- c.

the conditions under which students shall be admitted to the degree or diploma courses and to the

- d. the conditions of award of the fellowships, scholarships, exhibitions, medals and prizes;

e. the conditions and mode of appointment and duties of examining bodies, examiners and moderators;

- f. the conduct of examinations;

- g. the maintenance of discipline among the students of the Institute; and

- h. any other matter which by this Act or the Statutes is to be or may be provided for by the Ordinances.

Section 34:

1. Save as otherwise provided in this section, Ordinances shall be made by the Senate.

2. All Ordinances made by the Senate shall have effect from such date as it may direct, but every Ordinance so made shall be submitted, as soon as may be, to the Board and shall be considered by the Board at its next meeting.

3. The Board shall have power by resolution to modify or cancel any such Ordinance and such Ordinance shall from the date of such resolution stand modified accordingly or cancelled, as the case may be.

MTR 1. PROGRAM OVERVIEW

Master of Technology (M.Tech.) in Computer Science & Engineering program is designed to include advanced coursework along with minor and a major project. The students interested to pursue a research oriented career are provided with an option to take up thesis work for a year in place of projects.

The first semester is aimed at laying down the foundation necessary for the computer science discipline. It gives students an opportunity to tune into the instructional philosophy and pedagogy of learning at IIIT Vadodara. Subsequent semesters provide avenues for specializing in one or more areas of computer science.

MTR 2: ACADEMIC CALENDAR

2.1 Each academic session is divided into two semesters of approximately eighteen weeks duration (with at-least seventy working days for classes in each semester). The Sessions include an Autumn semester (July to November) and a Winter semester (January to April).

2.2 The Senate approved schedule of academic activities for a session, inclusive of dates for registration, mid-semester and end-semester examinations, inter-semester breaks etc, shall be laid down in the Academic Calendar for each academic session.

MTR 3: ADMISSION

3.1 The number of seats in the programme for which admission is to be made at the IIIT Vadodara will be decided by the Senate. Seats are reserved for candidates belonging to Other Backward Classes (OBC), Scheduled Castes (SC), Scheduled Tribes (ST), and physically challenged (PC) candidates as per Government of India norms.

3.2 Admission to the M.Tech programme in any year will be as per orders from the Government of India. Currently these are based on performance in the Graduate Aptitude Test Engineering (GATE) and qualifying Undergraduate degrees guidelines through a counselling conducted by the CCMT for the respective year.

3.3 Every student, admitted provisionally or otherwise to any M.Tech Programme of the Institute, shall submit copies of the qualifying degree/provisional certificate and such other documents as prescribed by the Senate. These documents must be submitted by the prescribed date. The admission, provisional or otherwise, of any

student who either does not submit the required documents by the stipulated date or fails to meet any other stipulated requirement for admission can be cancelled by the Institute.

3.4 The admission of any student may also be cancelled by the Senate, at any later time, if it is found that the student had supplied some false information or suppressed some relevant information while seeking admission.

3.5 The Institute reserves the right to cancel the admission of any student and ask him/her to discontinue his/ her studies at any stage of his/her career on the grounds of unsatisfactory academic performance or on disciplinary grounds.

MTR 4: ATTENDANCE AND LEAVE OF ABSENCE

4.1 (a) Students are required to attend all the classes (Lectures, Tutorials, Laboratories, Practical, Workshops etc) for which they have been registered.

(b) Students will have to attend all classes. A student may be debarred from appearing in an end semester examination if his/her attendance falls below 75 percent and will then be awarded an “F” grade in that course.

Leave Of Absence

4.2 (a) Students are not expected to be away from the Institute during a semester.

1Hkkx IIm[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 367

(b) Students may be granted leave of absence on situations like death in the immediate family circle. Such leave will in no case exceed one week.

(c) Absence due to illness not exceeding three weeks will be allowed after taking due permission. Due to emergencies, such permission may be taken later, and by the guardian if necessary.

(d) If the period of absence in a semester exceeds three weeks, the student will have to drop the semester by dropping all courses he /she has registered for. The Senate may allow longer absences only in special circumstances and only after ascertaining the student's ability to make up for the lost time.

(e) The leave of absence as per this clause will not be condoned for attendance.

4.3 It will be the responsibility of the student to intimate the Warden of the hostel in which he/she is residing, and the concerned instructors regarding his/her absence before proceeding on leave.

MTR 5: CONDUCT AND DISCIPLINE

5.1 Students shall conduct themselves within and outside the precincts of the Institute in a manner befitting the students of an institution of national importance.

5.2 For all issues related to student discipline, the general guidelines are prescribed in the Academic Ordinance - Manual of student discipline.

MTR 6. PROGRAM STRUCTURE

Education at the Institute is organized around the semester-based credit system of study. A student is allowed to attend classes in a course and earn credit for it, only if he/she has registered for that course. Prominent features of the credit system are a process of continuous evaluation of a student's performance/progress and flexibility to allow a student to progress at an optimum pace suited to his/her ability or convenience, subject to fulfilling minimum requirements for continuation and within maximum allowable period for completion of a degree. A student's performance/progress is measured by the number of credits that he/she has earned, i.e. completed satisfactorily. Based on the course credits and grades obtained by the student, grade point is calculated. A minimum grade point is required to be maintained for satisfactory progress and continuation in the programme. Also a minimum number of earned credits and a minimum grade point should be acquired in order to qualify for the degree.

1 Teaching of the courses shall be reckoned in credits; Credits are assigned to the courses based on the following general pattern:

1 hour Lecture (L) per week	1 Credit
1 hour Tutorial (T) per week	1 Credit
2 hours Laboratory (L) per week	1 Credit
3 hours Laboratory (L) per week	2 Credits

2 In order to qualify for a M. Tech. degree of the Institute, a student is required to complete the credit requirement as prescribed in the curriculum for a particular programme.

3 M. Tech. Programme will have a curriculum and syllabi for the courses approved by the Senate.

4 Medium of instruction, examination and project reports will be in English.

5 Faculty Supervisor: To conduct thesis/ project (in the final year) every student will be allotted a faculty supervisor and a Co-supervisor (if required).

MTR 6.1 Areas of Specialization

(a) Computer Vision, Graphics and Multimedia

The fields of graphics, vision and imaging increasingly rely on one another. This specialization provides advanced training in computer graphics, computer vision, geometric processing and multimedia, enabling students to specialize in any of these areas and gain grounding in the others.

Students will understand the basic mathematical principles underlying the development and application of new techniques in computer graphics and computer vision and will become aware of the range of algorithms and approaches available, and be able to design, develop and evaluate algorithms and methods for new problems, emerging technologies and applications.

(b) Data Analytics

It is an interdisciplinary specialization designed to meet the huge manpower shortage in the area of data analytics. The specialization trains students in computational techniques and systems to draw insights from data in a variety of application domains.

(c) Signal and Information Processing

The program has been specially designed to meet the increasing need of professionals who would be able to respond to the need of modern day signal and data processing/analysis tasks. It is meant for students who wish to build a professional career oriented towards research and development, working at the cutting edge technology in the area of Signal and Information Processing. The curriculum is developed keeping in view the convergence of signal and information processing paradigm with data analytics. It is a step forward towards data processing and analysis for signal processing background students.

The Institute will include other specialization as and when the academic programmes expand.

MTR 6.2 Credit Structure of M. Tech (Project Mode)

Semester		Courses	Credit Structure (L-T-P-C)	Cr
I		Core Course - I	3-0-0-3	3/4
II		Core Course - II	3-1-0-4	3/4
III		Core Course - III	3-0-2-4	3/4
IV		Programme Elective CourseI	3-0-0-3	3/4
		HS Course	2-0-0-2	2
		Total	16-	
		Core Course IV	3-0-2-4	3/4
		Core Course V	3-0-0-3	3/4
		Core Course VI	3-0-2-4	3/4
		Programme Elective CourseII	3-0-0-3	3/4
		Technical Writing	2-0-0-2	2
		Total	16-	
		Program Elective – III	3-0-0-3	3/4
		Program Elective – IV	3-0-0-3	3/4
		Program Elective – V	3-0-0-3	3/4

		Program Elective – VI	3-0-0-3	3/4
		Minor Project		3
			Total	15
		Major Project		15
			Total	15
			Grand Total	62

MTR 6.3 Credit Structure of M. Tech (Thesis Mode)

Semester		Courses	Credit Structure (L-T-P-C)	Credits
I		Core Course - I	3-0-0-3	3/4

¹Hkkx IIµ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 369

II		Core Course - II	3-1-0-4	3/4
III		Core Course - III	3-0-2-4	3/4
IV		Programme Elective Course I	3-0-0-3	3/4
		HS Course	2-0-0-2	2
			Total	16-1
		Core Course IV	3-0-2-4	3/4
		Core Course V	3-0-0-3	3/4
		Core Course VI	3-0-2-4	3/4
		Programme Elective Course II	3-0-0-3	3/4
		Technical Writing	2-0-0-2	2
			Total	16-1
		Program Elective – III	3-0-0-3	3/4
		Program Elective – IV	3-0-0-3	3/4
		Program Elective – V	3-0-0-3	3/4
		Program Elective – VI	3-0-0-3	3/4
		Minor Project		3
			Total	15-1
		Major Project		15
			Total	15
			Grand Total	62

MTR 7 REGISTRATION

At the beginning of each semester, until the completion of the program, every student must register for the semester and for the courses that he/she will study during the semester.

MTR 7.1 Procedure for Registration

The registration schedule is announced in advance, and registration is normally carried out within the first two days of each semester through the prescribed procedure by the Registrar. Late registration may be permitted for valid reasons on submission of an application to the Registrar, and only on payment of the prescribed late registration fee. In any case, registration must be completed before the prescribed last date for late registration in the Academic Calendar. Students having any outstanding dues to the Institute or hostel will not be permitted to register.

MTR 7.2 Eligibility for Course Registration

A student with no backlog courses (i.e. who has passed all the previous courses) will be eligible to register for all courses prescribed in the curriculum for that semester, inclusive of the specified number of electives. A student who has backlog course(s) or is on probation may be recommended a different set of courses, by the Dean (Academic Programs).

MTR 7.3 Pre-Requisite Courses

A student registering for a course must have successfully completed the Prerequisite course(s), if any, for that particular course.

MTR 7.4 Withdrawal from Semester and Discontinued for Failing to Register

- a. A student who wishes to withdraw prior to registration for a semester must obtain a formal approval from the Dean (Academic Programs) before the prescribed last date for late registration for the concerned semester. Withdrawal after registration for a semester is permitted only on medical grounds or for other exceptional reasons and formal approval for such withdrawal must be obtained from the Dean (Academic Programs) before the date of commencement of the end-semester examination for the concerned semester. Withdrawal from a semester, either prior to registration or after registration is permitted for only one semester at a time. If a student does not register for a regular semester or does not withdraw with permission from the Dean (Academic Programs) as indicated above, he/she will be discontinued from the Institute.
- b. A student who registers for a semester after having withdrawn in the previous semester(s) can register for the available courses as prescribed in the curriculum for that particular semester subject to the pre-requisites, if any.
- c. The transcript of a student who has “withdrawn” status would show the appropriate status for the concerned semester(s). The transcript of a student who is suspended for an academic or disciplinary reason would also show “withdrawn” status.

MTR 8 COURSE ASSESSMENT AND MODES OF ASSESSMENT

MTR 8.1 Course Assessment

The various modes of assessment used for rating students’ performance in a course include home assignments, tutorial assignments, laboratory work, group assignments, quizzes, tests (open or closed book), viva-voce, mini projects, etc. and the end-semester examination. Attendance in lectures/labs/tutorials may also be given due weightage in course assessment. The instructor may make attendance in lectures/tutorials/labs compulsory (80% or less) and after consulting the Dean (Academic Programs), award “F” grade to students who do not achieve the prescribed level of attendance in that course.

The distribution of weightage for the assessment (continuous evaluation) through the various modes listed above will be as indicated by the course instructor at the beginning of the semester after taking due approval from the director. Note: Academic requirements such as projects and summer assignments, which are prescribed in the curriculum, are regarded as courses for the purpose of assessment.

MTR 8.2 Grading

- a. For every course taken by a student, he/she is awarded a letter grade based on his/her combined performance in all the assessments. These letter grades are assigned points on a 10-point scale as described in the table below

Letter Grade	Corresponding Points	Explanation
AA	10	Outstanding
AB	9	Excellent
BB	8	
BC	7	

CC	6	
CD	5	
DD	4	
F	0	Fail
I	-	Incomplete
P	-	Passed

b.A student passes the course if he/she gets any grade in the range of AA to DD, but fails if he/she gets the grade F. Certain courses are indicated as Pass/Fail courses, and in these courses a grade of P or F is awarded. F grade may also be awarded in case of malpractice in examination/continuous evaluation process. Pass/Fail courses are not considered for calculation of SPI/CPI.

c. “I” grade will be awarded in a course if the overall performance of the student is satisfactory in the course, but the student either misses the end-semester examination due to illness, accident/death in the family or obtains

¹Hkkx Iµ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 371

such an approval from the Dean (Academic Programs) under exceptional circumstances. A student who misses the end-semester examination must apply and his/her application must be supported (i) by proper medical certificate duly approved by the Medical Authority of the Institute in the case of illness, or (ii) by adequate evidence in the event of death in the family. An application not so supported will not be considered. Grade “I” awarded for missing the end-semester examination will be converted into a performance grade (depending on the overall performance of the student in the course) after taking an examination equivalent to the end-semester examination of that particular course. An “I” grade must be converted into a performance grade by the specified date in the academic calendar for the next semester, otherwise it will be converted into “F” grade.

MTR 9 REPEATING A COURSE

MTR 9.1 Backlog Course

A student must repeat a course in which he/she has obtained an F grade in a course taken for credit. Such a course is regarded as a backlog course and is subject to the regulations for registration. A backlog elective course can be replaced by another elective of the same category.

MTR 9.2 Grade Improvement

A student whose CPI is less than 5.0 is allowed to repeat a course in which a DD grade was obtained for the purpose of grade improvement in a regular semester only. The grade obtained in the repeated attempt will be considered for the purpose of calculating the CPI. The grade obtained in the first attempt will be shown in the Transcript, but will not be considered for calculating the CPI.

MTR 10 PERFORMANCE INDICES

MTR 10.1 Semester Performance Index (SPI)

The performance of a student in a semester is indicated by the Semester Performance Index (SPI). The SPI is the weighted average of the grade points obtained in all the courses registered by the student during the semester, calculated to two decimal places.

MTR 10.2 Cumulative Performance Index (CPI)

An up-to-date assessment of the overall performance of a student from the time of entering the Institute is obtained by calculating the student’s Cumulative Performance Index (CPI). The CPI is weighted average of the grade points obtained in all the courses registered for credit by the student after entering the Institute. The CPI is also calculated to two decimal places.

MTR 10.3 Calculating SPI and CPI

The SPI is an indicator of the overall academic performance of a student in all the courses he/she has registered during a given semester. It is computed as follows:

If the grades (numeric values as per MTR 10.2) awarded to student are $G_1, G_2, \dots$ etc. in courses with corresponding credit units $U_1, U_2, \dots$ etc., the SPI is given by

$$SPI = (U_1G_1 + U_2G_2 + \dots) / (U_1 + U_2 + \dots)$$

In the above computation, courses with P grades are ignored. Similarly, the CPI indicates the cumulative academic performance in all the courses taken including those taken in the current

semester as

MTR 11. ACADEMIC REQUIREMENT

11.1 Typical duration of the M. Tech programme is 02 years. A student has to complete all the academic requirement to earn an M. Tech degree within a maximum of 03 years.

11.2 A student has to secure minimum CPI of 6.0 for the graduation.

11.3 A student needs to maintain minimum CPI of 5.0 for the continuation in programme.

11.4 Students have to earn minimum of 62 credits in either M. Tech (Project Mode) or M. Tech (Thesis Mode)

11.5 A semester load is defined as equivalent of 12 credits. A student registered for a full semester load solely by course work would typically take 4 courses. Depending on the merits of the case, the Post Graduate Committee (PGC) may permit a student to register for a maximum of 20 credits or a minimum of 9 credits.

MTR 12 PROJECT/THESIS REQUIREMENTS

MTR 12.1M. Tech. with Project

4.Minor and Major projects are in the area of specialization adding to 18 credits. The supervisor certifies that the project is in the area of specialization.

5.Minimum 12 credits are earned from the basket of specialization specific program electives.

6.Students may opt for an industrial project as major project.

MTR 12.2M. Tech. by Thesis

Student entering the M. Tech by Thesis program is expected to carry out research during the second year, beginning in the summer semester (around May, i.e., end of second semester) and ending around the next summer semester (around June/July). The student will carry out research under the supervision of a faculty member at IIIT, Vadodara.

On completion of first year, three member Research Progress Committee will be formulated for each student based on his/her area of research.

Students will have to present the status of their research work continuously in the form of Research Progress Seminars scheduled in July/August, November/December and March/April in front of the committee. Finally, at the time of thesis evaluation, a thesis examination committee will be constituted by the Director in consultation with the Dean Academic Program. A Public Thesis Defense will be scheduled after successful completion of research progress seminars and thesis evaluation by the thesis examination committee.

MTR 12.3Switching Programs

It is possible to switch program of study mid-way. Interested students who have demonstrated excellent research potential have the opportunity to convert to the PhD program.

MTR 13 FINANCIAL DETAILS

MTR 13.1 Fee Structures

The fee structure for M Tech Programme will be provided by institute every year with approval of BoG.

MTR 13.2 Financial Assistance

Eligible students will be provided financial assistance in terms of teaching assistantship (TAsip). The eligibility criteria and the amount of TAsip are as follows:

A student securing minimum CPI of 6.5 is eligible for full TA/RA ship as per the guidelines by Government of India. A Student with CPI 6.0 is restricted to half TA/RA ship. Full TA ship will be equal to TA Provided to M.Tech. students at CFTIs decided by MHRD from time to time.

*Note that, CPI is not the only criteria for availing Full/Half TAsip from the second semester onward.

MTR 13.3 TA Evaluation

There will be "TA Evaluation Form" for performance evaluation of a TA by the Course Instructor. For every subsequent semester, TAs CPI and Feedback from Course Instructor will be considered as criteria for deciding on next semester TAsip.

MTR 14 LEAVE RULES

Leave rule for MTech students those who are receiving Institute scholarship:

14.1 The following rules are applicable with respect to receiving scholarship. The attendances for the courses will be governed by the academic regulations.

14.2 Total number of days of leaves per year is 30 days.

14.3 During the period of academic session (not defined as vacation for faculty), the student can avail at most 7 days of leaves in a semester. Remaining days of the leaves can be availed during the vacation period.

14.4 M. Tech students are not eligible for vacation.

14.5 Longer duration of leaves (beyond 7 days) can be permitted with the approval of the Director.

14.6 Female students will be eligible for maternity leaves at par with regular employee of the Institute.

14.7 Hkkx Iµ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 373

MTR 15. DISSERTATION

15.1. The oral examination for students will be conducted before close of academic calendar for the academic year. If a student does not appear in the oral examination within this time period, his/her programme would be deemed to have been terminated. Request for reinstatement in the programme by such a student should be addressed to the PGC, Dean (AP), and the Director.

15.2. The thesis supervisor / PGC will intimate the date of the oral examination.

15.3. The oral examination committee will evaluate the thesis/project, conduct the oral examination and send a report of the examination to the Convener, PGC.

15.4. A thesis will be considered to have been accepted if all members of the oral examination committee recommend its acceptance. A thesis, which is not accepted, will be considered to have been rejected.

15.5. If a thesis is rejected along with a recommendation for resubmission after incorporating any modification/correction suggested by the oral examination committee, oral examination of the re-submitted thesis/project will be conducted by the original committee unless a different committee is approved by the Convener, PGC. If the re-submitted thesis is rejected, the matter will be reported to the Dean (AP) and the Director.

15.6. Acceptance of thesis/project will be reported to the Dean (AP) for approval.

MTR 16 AWARD OF DEGREE

MTR 16.1 The M Tech (CSE) Degree will be conferred on a student after he/she has fulfilled the graduation requirements stipulated in the curriculum (as approved by the Senate).

MTR 16.2 Final CPI and Class:

For the purposes of computing the CPI at the end of the program, the student's CPI will be computed on the basis of the best CPI obtainable from the courses taken. The Transcript will indicate Distinction if the student obtains a CPI of 9.0 or above and First Class if the student obtains a CPI of 6.5 or above but less than 9.0.

MTR 16.3 Certificate of Academic Accomplishment:

A student who is unable to complete the degree requirements within the stipulated maximum period would be eligible to receive a “Certificate of Academic Accomplishment” by applying for it. The eligibility criteria and procedure for issue of the Certificate would be as laid down by the Institute senate from time to time.

MTR 17. CODE OF CONDUCT

IIITV is an institute of academic excellence. A positive learning environment provides opportunities for students to practice good citizenship in the larger society and to practice respectful dissent. These are the practices and qualities that the Student Code of Conduct encourages.

The Student Code of Conduct serves as a reference and working guide when attempting to resolve student disciplinary issues. The student discipline manual is approved from time to time will provide the frame work for code of conduct for students. .

Disciplinary Action Committee (DAC)

Dean (Students), Convener (ex-officio)

Hostel Executive Committee (HEC) members

Registrar, Member (ex-officio)

Faculty Member (nominated by Director, IIITV)

Two Students (Boy & Girl) Representatives (nominated by DAC)

Doctor of Philosophy

Programme Ordinance

Indian Institute of Information Technology Vadodara

February 2019

1Hkx IIµ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 375

Table of Content

PHR 1 PROGRAM OVERVIEW

Error! Bookmark not

defined. PHR 2 ELIGIBILITY CRITERIA AND ADMISSIONS

334 PHR 3

335 PHR 3.2 Electronics & Physics

335

335 PHR 4.1 Detailed Outline of PhD Program

324

337 **PHR 7 FINANCIAL DETAILS**

330

331 **PHR 8. LEAVE RULES**

338 I

The following are the extracts from THE INDIAN INSTITUTES OF INFORMATION TECHNOLOGY (PUBLIC-PRIVATE PARTNERSHIP) ACT, 2017 (NO. 23 OF 2017)

Section 33: Subject to the provisions of this Act and the Statutes, the Ordinances of every

Institute may provide for all or any of the following matters, namely: —

- a. the admission of the students to the Institute;
- b.the courses of study to be laid down for all degrees and diplomas of the Institute;
- c. the conditions under which students shall be admitted to the degree or diploma courses and to the
- d.the conditions of award of the fellowships, scholarships, exhibitions, medals and prizes;
- e. the conditions and mode of appointment and duties of examining bodies, examiners and moderators;
- f. the conduct of examinations;
- g.the maintenance of discipline among the students of the Institute; and
- h.any other matter which by this Act or the Statutes is to be or may be provided for by the Ordinances.

Section 34:

1.Save as otherwise provided in this section, Ordinances shall be made by the Senate.

2.All Ordinances made by the Senate shall have effect from such date as it may direct, but every Ordinance so made shall be submitted, as soon as may be, to the Board and shall be considered by the Board at its next meeting.

3.The Board shall have power by resolution to modify or cancel any such Ordinance and such Ordinance shall from the date of such resolution stand modified accordingly or cancelled, as the case may be.

PHR 1 PROGRAM OVERVIEW

Doctor of Philosophy (PhD) program at the Indian Institute of Information Technology, Vadodara (IIITV) is intended for students who wish to conduct high quality research in the selected areas. The structure involves intensive course work followed by quality research work demonstrated with strong publications.

The program aims at shaping the students to engage into the research work leading to excellence. The design of the program is devised inculcation of discipline in the research while exploring the new frontiers of selected faculties.

Research Groups:

- Signal Processing & Computer Vision
- Electronics & Physics
- Linguistics
- Mathematics

PHR 2 ELIGIBILITY CRITERIA AND ADMISSIONS

Eligibility

Eligibility criteria for admission will be laid down by the Senate from time to time. These criteria may be discipline specific.

The minimum requirement is a B.E/ B.Tech. for Engineering disciplines and a Master's degree for other disciplines.

Applicants must possess any one of the following degrees:

Engineering: M.Tech./ME in CS/IT/ECE or related areas.

OR

M.Sc. Applied Mathematics/Computer Science and related areas. Exceptional candidates with B.E/B.Tech. in relevant areas can also be considered.

Science: M.Tech. Material Science/ Nano-Technology/ Applied Optics/Engineering Physics/ Scientific Computing, M.Sc. in Mathematics/ Physics/ Statistics/ Electronics/ Computer Science and related areas

OR

Exceptional candidates with B.E/B.Tech. in relevant areas can also be considered.

Humanities: MA/M.Phil in Linguistics/ English and related areas.

ADMISSION

Students can be admitted two times in a year. Admission will be granted on the basis of interview/admission test held by Institute. Admission will be normally made at beginning of semester (autumn and winter)- Advertisement for admission will be widely circulated.

ASSISTANTSHIP

Institute assistantships will be available to eligible students as per prevailing norms.

Assistantships from external funding organizations will be available as per terms and conditions of the concerned funding organizations.

Students receiving assistantships from the Institute or fellowships from any other funding agencies are required to perform academic duties as per prevailing norms.

PHR 3 RESEARCH GROUPS

PHR 3.1 Signal Processing & Computer Vision

Core Courses: Essential Mathematics, Random Process & Simulations, Advance Signal Processing.

Electives: Computer Vision, Pattern Recognition & Machine Learning, Image Analysis, Convex Optimization, Vector Space Projections, Remote Sensing Data Analysis, Inverse Problems in Imaging, Medical Image Processing, Multiview Geometry, Statistical Signal Processing, Natural Language Processing, Speech Processing.

1Hkkx IIµ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 377

PHR 3.2 Electronics & Physics

Core Courses: Essential Mathematics, Quantum Mechanics, Statistical Mechanics, Physics of Semiconductor Devices, VLSI Design, Digital IC Design, Numerical Methods.

Electives: Condensed Matter Physics, Nano & Molecular Electronics, Information Displays, Nano Scale Devices & Circuits, Flexible Electronics, Non Linear Systems, Advanced Embedded Systems, Mixed Analog & Digital Design, Bose Einstein Condensate System.

PHR 3.3 Linguistics

Core Courses: Sociolinguistics, Applied Linguistics, Semiotics, Semantics.

Electives: Computational Linguistics, Second Language Acquisition, Language & Gender, Phonetics & Phonology, Morphology.

PHR 3.4 Mathematics

Linear Algebra, Abstract Algebra, Analysis and Topology, Commutative Algebra, Algebraic Geometry, Representation Theory.

PHR 4 PROGRAM STRUCTURE**PHR 4.1 Detailed Outline of PhD Program**

1. The program is full-time. Students are expected to be in the Institute for the entire tenure of PhD program.
2. Students are required to take courses offered by respective research group and research courses in consultation with mentor/supervisor.
3. Student is required to appear for PhD qualifying exam (Comprehensive Exam) between (beginning of) 2nd and (end of) 4th semester. This will include a written exam and viva to be conducted by designated committee members. Students will be allowed to appear for Comprehensive Exam only twice.
4. If a student is not able to qualify Comprehensive Exam before end of 4th semester, the candidature of a student will be terminated automatically.
5. It is expected that the student will carry out at least 4 semesters of research work under the supervision of a faculty at IIITV.
6. Research Progress Committee (RPC) will evaluate the work done by student each semester. RPC will be constituted by Director/Dean-AP in consultation with supervisor.
7. Students may take maximum two self-study courses.
8. After completion of minimum credit requirements, student will have to submit a synopsis of his work. On approval from the RPC, candidate will have to submit thesis within six months from the date of synopsis presentation.
9. Thesis will be sent to examiners for reviews. Thesis examiners will be identified by the Institute.
10. On receipt of reviews, based on the feedback received, candidate will have to appear for a public defense.
11. We encourage the students to undertake research internship.

PHR 4.2 PhD Program flow

Course
work
(1-2
semesters)
Comprehens
ive
exam
(2nd
semester onward
s)

State-of-
the art
seminar
Research
Progress
Seminar at every
semester
(Evaluation)
Open Seminar
(after completion of
all
research work)
Thesis
Synopsis
submission
Thesis submission

Public Defense / Final
viva exam

१Hkkx IIµ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 379

PHR 5. CREDIT STRUCTURE AND ACADEMIC REQUIREMENT

- Students will undergo credits referring to courses, i.e., Course credits, and credits referring to research, i.e., Research credits.
- At the beginning of the program, a student will typically undergo courses related to his/her area of research. This is called course work period.
- Every student has to appear for PhD comprehensive examination towards the end of his/her course work.
- After successful completion of the course credits and the PhD comprehensive examination, a student will formally allow to pursue research on a topic by registering for Research credits.
- Research credits are evaluated in research progress seminar (RPS) presented by the students at the end of every semester.
- A student will register 12 units of Research credits in each semester until submission of the Thesis.
- After Thesis submission, the student may go for leave and will have to register with zero units at the Institute.

ACADEMIC REQUIREMENT

- A student is allowed to complete the research work and submit the thesis within maximum of 05 years of duration from the date of admission.
- A student needs to have minimum CPI of 7.0 for the award of degree.
- A student should maintain minimum CPI of 6.0 for continuation in program.
- Minimum CPI of 6.5 is required for full TA/RA-ship and minimum of 6.0 CPI is mandatory for the Half TA/RA-ship.
- A semester load is defined as equivalent of 12 credits. A student registered for a full semester load solely by course work would typically take 4 courses. Depending on the merits of the case, the PGC may permit a student to register for a minimum of 9 credits.
- Following are minimum credit requirements for the graduation: a) minimum course credit: 12, b) minimum research credit: 48, and c) minimum credit requirement for degree: 72

PHR 6 APPOINTMENT OF SUPERVISOR (S)

The Institute will appoint Supervisor(s) to a student. The Supervisor(s) will be identified and appointed on successful completion of Comprehensive examination and Seminar.

CHANGE/ ADDITION OF SUPERVISOR(S)

The Chairman, Senate on recommendation of doctoral scrutiny committee may permit to change his/her Supervisor(s). Mutual consent of the student and supervisor(s) will be needed for the same.

PHR 7 FINANCIAL DETAILS

PHR 7.1 Fee Structures

The fee structure for PhD Programme will be provided by institute every year with approval of BoG, IIIT Vadodara.

PHR 7.2 Financial Assistance

Eligible students will be provided financial assistance in terms of teaching assistantship (TAsip). The eligibility criteria and the amount of TAsip are as follows:

A student securing minimum CPI of 6.5 is eligible for full TA/RA ship as per the guidelines by Government of India. A Student with CPI 6.0 is restricted to half TA/RA ship. Note that, CPI is not the only criteria for availing Full/Half TAsip from the second semester onward.

PHR 7.3 TA Evaluation

There will be **TA Evaluation Form** for performance evaluation of a TA by the Course Instructor. For every subsequent semester, TAs CPI and Feedback from Instructor will be considered as criteria for next semester TAsip.

PHR 8. LEAVE RULES

Leave rules for PhD students those who are receiving Institute scholarship:

The following rules are applicable with respect to receiving scholarship. The attendances for the courses will be governed by the academic regulations.

8.1 Total number of days of leaves permitted is 30 days in a year.

8.2 During the period of academic session (not defined as vacation for faculty), the student can avail at most 7 days of leaves in a semester. Remaining days of the leaves can be availed during the vacation period.

8.3 These students are not eligible for vacation.

8.4 Longer duration of leaves (beyond 7 days) can be permitted with the approval of the Director.

8.5 Female students will be eligible for maternity leaves at par with regular employee of the Institute.

PHR 9. CODE OF CONDUCT

IIITV is an institute of academic excellence. A positive learning environment provides opportunities for students to practice good citizenship in the larger society and to practice respectful dissent. These are the practices and qualities that the Student Code of Conduct encourages.

The Student Code of Conduct serves as a reference and working guide when attempting to resolve student disciplinary issues. The student discipline manual is approved from time to time will provide the framework for code of conduct for students. .

Explanation of Punishments

8. Expulsion from the Institute:

The offender is asked to permanently leave the institute; the parents are called and the student is handed over to them.

9. Academic Suspension for a Semester(s):

The offender is suspended for a specified number of academic semester(s).

10. Expulsion from Hall of Residence (HoR):

The offender is asked to vacate the room from HoR. In such cases, the student is allowed to continue academics but is not allowed to stay in the HoR. He/she can visit the Institute premises only between 0800

to 2100 hrs on all days (including weekends/holidays). Entry is to be made at the register (kept with the security at the main gate) while coming/leaving IIITV campus. The student is not allowed to enter the HoR for any reason at any time.

11. Restitution:

This is typically done if a student is found guilty in any kind of infrastructure damage. In such cases, student may be asked to repair or replace the damaged thing, in addition to some other penalty/punishment.

12. Suspension of Privileges:

Certain privileges are withdrawn like TA, if any.

13. Community Service:

The offender is assigned a specific number of hours of community/social service at IIITV under a mentor. The idea behind this is to make the student realize the offence while not penalizing the parents due to consequent financial burden, otherwise.

14. Counseling:

A student under Disciplinary Probation can be mandated to meet the counselor.

1Hkkx IIµ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 381

Ordinance

Manual of Student Discipline

Indian Institute of Information Technology Vadodara

February 2019

PREAMBLE

An academic campus, with young students drawn from varying backgrounds, is like a country in micro scale. Students have varying perceptions of their rights and responsibilities, Dos and Don'ts. Acts of indiscipline are bound to be committed, albeit only by a handful of students. The victim of such acts is sometimes the institute, and more frequently another student or group of students.

It is the institute responsibility to maintain discipline in the campus. This manual presents a systematic procedure for making the process of discipline administration more predictable and simpler to operate. An attempt has been made to make the provisions fair to all concerned. It is important that justice is not only fair but also appears to be so. The proposed system is administered through collective decision making, the deciding authority consisting of faculty members and students. Needless to say the ultimate responsibility of deciding between the right and wrong rests with the Senate and with the Director.

The most desirable use of any Discipline Manual is non-use. It is hoped that no student of IIIT Vadodara shall ever be a victim of an act of indiscipline and that no student shall have to face a disciplinary proceeding.

Section- I

PHILOSOPHY OF DISCIPLINE ADMINISTRATION

An institution of higher learning not only provides a scholastic atmosphere for research and education, it is home of young students striving to make a career in knowledge based professions. The institutes must provide a social environment that is free and peaceful. Occasionally an individual student may behave irresponsibly and it is the duty of the Institute administration not only to take corrective steps as appropriate, but also to pre-empt such events and take precautionary measures.

At IIIT Vadodara, the responsibility of curbing unacceptable behavior among students is vested on the Disciplinary Action Committee (DAC) of the Senate, which is responsible not only for investigation of reported complaints but also for advising the administration on policy issues affecting behavior of students on campus. It is also empowered to take suo moto cognizance of larger disciplinary issues and recommend corrective measures that will address to social difficulties well in advance before an undisciplined incident may occur.

The DAC is normally aware of its immense responsibility of being the custodian of the trust of students, their parents, the teachers and staff of the Institute as well as the Government. While some see the DAC as a purely punitive body, in reality it is not so. The objective of the Committee is to ensure discipline on campus through

modulation of character, through persuasion, compassion and understanding, so that no student is inclined to commit an offence. But considering

the limitations of human capacity, and the limited counseling resources, the committee is often forced to take recourse to awarding punishment to students.

For the DAC, a punishment is certainly not an act of vengeance. To some extent, it is expected to help an offender by shaping his/her modify the character; but more important, it is a message to other students against committing an offence, a deterrent against recurrence of undisciplined behavior, and a means of protecting the welfare of the larger student community. The committee's job is to establish the facts, grade the severity of the offence and recommend deterrent measures commensurate with the offence.

Institute campuses have a unique social structure. The student community can be polarized not only as seniors vs freshers, but as seniors vs juniors, final year vs other, UG vs PG, home state vs out of state, along department lines, hostel lines, boarders vs day scholars, and so on. In our country, there are frequent instances of gangs, toughs, bullies and rowdies. The DAC must not only handle reported cases, but also must nip such polarization in the bud through proactive action. The consequences of failure can be devastating to individuals, the institute and beyond.

The following are some of the guiding principles that the DAC shall normally consider:

- i. The Institute's justice system is based primarily on trust. The institute desires that students grow up in a free and safe environment, not subject to excessive monitoring. This is expected to give them confidence to be leaders of the society. The rare black sheep of the community, or a rare act of indiscipline that encroaches on others' rights to free living, should be penalized heavily so that it serves as a true deterrent against recurrence of the offence by the same or a different individual.
- ii. Certain offences transcend the narrow scope of the event itself. They have major social implications and what is detected is only the tip of the iceberg. Cases of deaths and suicides of first year engineering students being reported in newspapers may be taken as example. These have not been considered as murder or manslaughter, but as a far greater event called "Ragging" and has dealt with them accordingly. The DAC should also look at social issues the same way. An assault on a fresher by a senior, fear of the final years in the minds of the pre final year or other junior students, a state based polarization and similar offences should not be treated as simple cases of interpersonal quarrel, but should be addressed as more deep rooted maladies that must be corrected at the root.
- iii. It may be seen that the DAC of IIIT Vadodara does not have access to investigative machinery, qualified advocates, nor can it afford delay beyond certain limit. On the other hand, considering the volatile nature of the adolescent mind, the consequence of a wrong decision can be devastating, whether the decision is in favor or against an accused. The wider student community, who is much better informed of the truth expects the DAC to discover the facts on its own and award penalties proportionate with the offence. Even a "can't decide" conclusion leaves a question mark on the character record of the complainant as well as of the accused. "Benefit of doubt" should be the last resort. The committee must rely on statements of students, faculty and officials, behavior of witnesses during examination and common sense and arrive at a definite conclusion. This is not easy, but has to be done.
- iv. The DAC is expected to make decisions based on the information available to it. It is often not possible to establish the "real truth" "beyond doubt". While penalizing the wrong person is unfair, sparing the guilty and thereby creating a dozen more victims without any fault of theirs is unkind. The DAC must choose one of these two evils basing on its wisdom and probability of correctness.
- v. While arriving at the deterrent measures, the DAC is expected to receive suggestions for lax penalty on grounds of: (a) the complainant or the accused is a fresher and unaware of the rules, (b) the complainant or the accused is on the verge of completing the studies, (c) the accused may lose a good job offer, (d) the accused does not have a job offer, (e) the accused is from a rich and respected family (f) the accused is from a poor family, and so on. It is neither fair nor feasible to relate penalties to such extraneous considerations. The DAC must look at the welfare of the larger student community ignoring such specific considerations.
- vi. Sometimes the committee may look deeper into the fundamental cause of deviant behavior by a student and find that it happened because of a childhood incident, an incident within IIITV early in his career, an ongoing practice in the institute or a sustained laxity by the institute in implementing its own regulations. Such underlying causes need to be considered and appropriate recommendations made to implementing agencies, particularly when the underlying cause is within the institute. When a deviant behavior is traceable to

childhood deprivation or similar causes, the DAC is expected to be considerate. When the underlying cause is a deviant social practice, the committee can either give a lighter or a stiffer (exemplary) penalty. It must look at the long term impact of its decision, the target being to reduce recurrence in future. These considerations, however, should not be stretched too far. Individual offences, which are clear deviations of well-established norms of personal conduct, should not be considered as part of a larger social malady. An ongoing practice must not be cited as justification for committing an offence that is fundamentally unacceptable.

¹Hkkx IIµ[k.M 3(ii)^o Hkkjr dk jkti=k % vIk/kj.k 383

- vii. A candid admission of guilt along with all facts at an early stage of investigation should be rewarded with lighter punishment while remaining compatible with the offence. This will encourage complainants, accused and witnesses to tell the truth the first time. It is specially the duty of the student members of DAC to convey this message to all concerned. Even reasonably delayed statements of truth should be accepted with some concession; otherwise witnesses and accused shall have no motivation for coming out with the facts, thus prolonging the investigations.
- viii. The witnesses constitute the strength of the investigation process. Giving false evidence to protect a friend or punish a foe should deserve severe punitive action.
- ix. Indiscipline grows where students are either too afraid to make a complaint, or believe that their complaints would not be acted upon. The DAC must take prompt action on complaints. Complainants need to be protected against further harassment and against frivolous counter-complaints, such as violating another rule not directly relevant to a case, provoking an offence, etc. In fact it will not be unjust to provide certain degree of “concession in penalty” to students who themselves are guilty but provide vital clues to DAC to solve larger cases of serious indiscipline.
- x. Making a false complaint or hiding relevant facts during enquiry is a serious offence and any indication of such an act should be investigated, the penalty for a mala fide complaint being high. A complainant, however, should be believed till enough evidence accumulates to prove him guilty of mala fide complaint. The DAC needs to ensure that no one is afraid of making a genuine complaint and no one can escape after making a false mala fide complaint.
- xi. Sometimes a victim or a witness of an offence is too scared to make a complaint. The fear comes from two sources – (a) vengeance of the offender and (b) social ostracism against being responsible for the penalty on a fellow student. The burden of creating confidence among the students that a complaint will be acted upon by DAC in a fair and expeditious manner is on the shoulders of the DAC, the Senate and the administration. The students are also to be sensitized to the fact that an early action against a friend in fact protects him against much more severe penalties in future. The DAC and other agencies of the administration should take suo moto cognizance of offences by students and take action without waiting for a complaint by a victim. In fact, a complaint by a victim should be seen only as one of the channels of information before the DAC. While the committee should do everything possible to avoid mutual hard feelings among students, a case of serious offence cannot be withdrawn by a complainant. This principle will protect victims of offences against undue pressure not only from the accused and his friends but also from his or her own peers.
- xii. The mitigating and aggravating circumstances, if any, may be taken into consideration. If there are strong mitigating circumstances such as excellent cooperation from the accused, superior past record under difficult circumstances, the DAC should go for a light punishment, while in case of aggravating circumstances (e.g. poor cooperation, past record of indiscipline, penalized, forgiven or not duly investigated), the penalty should be stiff. If the mitigating circumstances are exceptionally strong, DAC can go below the prescribed range, while if aggravation is exceptionally strong, DAC can prescribe a penalty beyond what is listed.
- xiii. Every disciplinary issue is unique, demanding a unique investigation procedure and a unique remedy. But the DAC as well as the higher administration have the burden of working out the appropriate remedies without the benefit of a formal investigating machinery and without power to impose penalties that are normally available to parents or to state law enforcing authorities. Financial penalties have been consciously discouraged because that would permit children of rich parents buy their way through misdeeds. The only targets available to the Institute are a student's career, his grades, time of graduation etc. The penalty list presented in this booklet works partly on warning, social work etc. and partly on grades and date of graduation, the latter being limited to major offences. Only in case of extremely serious offences, the regulations take recourse to expulsion, temporary or permanent. The regulations consider certain offences to be more serious than others. They include offences done using a computer or communication device (because with less effort one can do much harm using these), offences against female students (because they are less likely to retaliate) and those tampering with examination and grading system (because the future of the entire

student community and the institute reputation rests on the sanctity of the Institute's grading system). In all cases, however, they have consciously been kept lighter than similar situations outside.

- xiv. The target of the Institute disciplinary system is reduction of recurrence of an offending behavior, awarding punishment being one of the means to this end. In case of social offences, creating a positive sense among the larger student population is far more effective in curbing a wrong practice than awarding isolated punishments in detected cases. While exemplary punishments definitely serve as a deterrent, an innovative penalty structure based on creating greater voluntary response may be even more useful. In fact, a combination of both carrot and stick is probably the most effective. This can be achieved through use of the special authority of "executive clemency" given to the director who may use his personal judgment to work out a penalty pattern lighter than what is recommended by the DAC. The DAC should be proactive in suggesting effective alternatives to its own recommendations. It should be noted that decisions of the DAC serve as precedents and future award of penalties must fall into the same pattern. But the director's clemency shall be on case to case basis, responding to prevailing circumstances, and will not serve as precedent for the future.

Section –II

RULES REGARDING CONDUCT AND DISCIPLINE

Following rules shall be in force to govern the conduct and discipline of all students:

1. Students shall show due respect to the teachers of the Institute, the Wardens of the Hostel, proper courtesy should also be extended to the employees of the Institute and of the Hostel. They shall also pay due attention and courtesy to visitors.

2. Students are required to develop a friendly relationship with fellow students. In particular, they are expected to show kindness and consideration to the new students admitted to the Institute every year. Law bans ragging in any form to anybody. Any act of physical or mental pressurization of junior students, individually or in group, will be considered as an act of ragging. Ragging also includes forcing junior students to meet seniors outside institute premises, or in places or time at which a student has no valid reason to be present, asking irrelevant questions or using abusive language. Ragging will be considered as gross indiscipline and will be severely dealt with, which may include expulsion from the institute.

Any incident of ragging inside or outside the campus must be reported to a warden or a designated faculty member by any student, senior or fresher who has witnessed the incident. Failure to report a ragging incident will be considered a serious offence, even if one is not personally involved in it.

If a junior student yields to any form of ragging by senior students and does not inform the Institute or hall authorities, or willfully withholds the information in an enquiry of ragging incident, the matter will be treated as indiscipline on the part of the junior student and invite punishment comparable to those against ragging itself.

Willful withholding of complaint by a junior student does not automatically exempt a senior from punishment.

3. The following acts of omission and/or commission and comparable offences shall constitute gross violation of the code of conduct and are liable to invoke disciplinary measures:
 - i. Furnishing false statement of any kind in the form of application for admission or for award of scholarship or prizes etc.
 - ii. Furnishing false statement to the Disciplinary Committee, or willfully withholding information relevant to an enquiry.
 - iii. Organizing or participating in any activity that has potential for driving fellow students along lines of religion, caste, home state, batch of admission, hall of residence or any other unhealthy criterion.
 - iv. Physical or mental harassment of freshers through physical contact or oral abuse.
 - v. Getting involved in a brawl or fight with persons outside the Institute, either alone or in a group, irrespective of who initiated the conflict.
 - vi. Willfully damaging or stealthily removing any property belongings of the Institute, Hostel or fellow students.
 - vii. Adoption of unfair means in the examinations.
 - viii. Possession, consumption or distribution of alcoholic drinks or any kind of hallucinogenic drugs.
 - ix. Organizing or participating in any group activity except purely academic, scientific or technical programmes in company with others in or outside the campus without prior permission of the PIC Students' Welfare.
 - x. Mutilation or unauthorized possession of library books.

- xi. Not co-operating with faculty, officers or security personnel investigating a potential disciplinary issue.
- xii. Resorting to noisy and unseemly behavior, disturbing studies of fellow students.
- xiii. Disturbing in drunken state or otherwise an academic or student function.
- xiv. Not following safety practices or causing potential danger to oneself or other persons in any way.
- xv. Displaying lack of courtesy and decorum, resorting to indecent behavior anywhere within or outside the campus.
- xvi. Not intimating his/her absence to the Warden of the Hostel before leaving campus.
- xvii. Getting involved in an activity that violates State or National laws.

4. Commensurate with the gravity of the offence, the punishment

may be i. reprimand,

ii. additional work in the institute,

¹Hkkx IIµ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 385

iii. debarment from student activities and elections and captaincy of sports teams,

iv. debarment from medals and prizes,

v. partial (one month or one semester) or complete debarment from campus placement,

vi. reduction in grade in one or more courses,

vii. compulsory failure in one or more courses, with or without forcing to study in a slow pace.

viii. expulsion from the Hostel,

ix. rustication for a specified period, or

x. outright expulsion from the Institute

Punishments under items (v) to (x) will constitute "Major Punishments" and will debar a student from all academic medals and prizes, as well as important non-academic awards.

In addition, for economic offences (either misappropriation of money or damage to Institute property), the cost to the Institute will be recovered along with a penalty which may be up to ten times of the cost recovered.

5. For minor offence committed (a) in the Hostel, (b) in the Department or a class room and (c) elsewhere, the Warden, the Head of the Department and the PIC Students' Welfare, respectively, shall have the authority to reprimand, impose fine or take any other suitable measure. All cases involving punishment other than reprimand or fine shall be reported to the Chairman of the DAC in a formal manner.

6.(a) All major acts of indiscipline, which may have serious repercussion on the students in general and/or which may warrant a uniform and more formalized nature of investigation, shall be handled by the DAC appointed by Senate.

The standing Disciplinary Committee consists of the following ex-officio and other members:

i. PIC Students' Welfare – Chairman

ii. Wardens of the Hostel – Member

iii. Two members of faculty nominated by the Senate, for a period of two years – Member

iv. Three senior students (one UG, one PG, one female UG or PG) nominated by the Director for a period of one year Member

v. Registrar - Member Secretary

Other faculty members may be invited to the proceedings of the DAC at the discretion of the chairman as per need.

(b) The Standing Disciplinary Committee shall investigate complaints, examine available evidence and recommend punishment.

(c) Recommendation of the committee, which will include the suggested punishment in cases of guilt proven, will be forwarded to the Director for necessary action.

(d) Proof of guilt need not necessarily be at the same level as necessary in a court of law. The committee, in order to protect the academic rights of a greater body of students, may award disciplinary measures if it is reasonably satisfied that such measures are in the greater interest of the students.

(e) The Director, at his discretion may take additional measures keeping in mind long term issues and impact on other aspects of Institute management. The Director in capacity of Chairman, Senate may make minor changes in the nature of punishment awarded or reduce the level (as per item 4 above) and/or quantum of punishment if he feels appropriate. But he shall not increase the quantum of punishment recommended by the DAC.

On approval of Director, the Registrar will bring out appropriate orders with copies to the parents / guardians of the student.

(f) If the Director feels that the nature and/or quantum of punishment is not commensurate with the offence and may create long term problems, he may refer the matter to the full Senate. The Senate's decision in the matter will be final.

(g) In rare cases, when the director feels it to be appropriate in the interest of the Institute, he may invoke, at any stage of the proceedings.

7. Acts which may be classed as 'crimes' rather than acts of indiscipline will be reported to the state authorities; they include such acts as causing serious injury to fellow students or others, causing major damage to Institute property, being involved in activities prejudicial to national security or to that maintaining communal harmony etc.

8. Cases of adoption of unfair means in an examination shall be dealt with by the Examination Committee consisting of the following members:

- i. Dean, Academic Affairs – Chairman (Convener, Exam Cell in absence of the Dean)
- ii. The concerned examiner(s) & the faculty reporting the incident – Members
- iii. Two members of faculty nominated by the Director for a term of two years – Members
- iv. Registrar -Member Secretary

If adoption of unfair means is proved, the punishment may be, depending on the quantum of the offence and prior record, reduction of grade, de-registration of a course, expulsion for one or more semesters or outright expulsion from the Institute.

The Committee shall recommend appropriate measures in each case to the Director for awarding the punishment.

In case of minor offences in the examination hall, the invigilator can enter a punitive deduction of marks on the answer script which will be implemented by the course teacher at the time of evaluation of the script.

9. Any act of indiscipline in a Hostel will be investigated by Hostel Executive Committee (HEC) which will recommend the action to the Director. He will decide the course of action to be taken and implement it. However, in case the matter is of serious nature, the HEC will forward it to the DAC.

10. Cases of indiscipline in a lecture hall or laboratory can be handled by the course instructor by expelling from the class, marking absent for a few classes or penalizing on marks under Teacher's Assessment.

11. An invigilator in an Examination Hall may recommend deduction of marks (up to 10 marks) on the answer script for indiscipline in the examination hall, disobeying advice of the invigilator or other minor offences. In case of adoption of unfair means in examination or creation of serious disturbance in the examination hall, the invigilator shall report a student to the Examination Committee.

12. Any act of the indiscipline and steps taken by the Director will be reported to the Senate in its next meeting. If opportunity still exists, the Senate may deliberate and alter the nature and/or quantum of punishment awarded.

13. A punishment, once awarded and notified cannot be changed by the Director, the Disciplinary Action Committee, or any administrative authority. However, when new facts come to light, the Senate can amend the punishment and take any other corrective measures that it feels appropriate.

14. Ordinarily minor disciplinary offences and punishments will not be reflected in a student's Conduct Certificate. But in serious cases, Disciplinary Action Committee, the Director or the Senate may decide to make an appropriate entry in the student's Conduct Certificate.

Section - III

CONDUCT RULES FOR RESIDENTS OF HOSTEL

Following are the detailed rules governing residence requirements of students:

1. The IIIT Vadodara is a totally residential institution and all students are required to stay in the hostel.
2. Under special circumstances, the Director may permit a student to reside with his/her Parent/Guardian in the Institute Campus or within a reasonable distance from the Institute. Such a student shall, however, be attached to a Hostel and will be required to pay specified rent component and certain other dues as decided by the Institute. However, this permission may be withdrawn at the discretion of the Institute, at any time without assigning any reason.
3. The mess/canteen of the hostel shall function as a single integrated unit and shall not, under any circumstances be sub-divided into any kind of groups or subgroups.
4. The allotment of rooms in a Hostel should be directed towards integration of students of different courses, batches, residential districts and communities. Wardens may reshuffle allotment in the middle of a year if this objective is not met adequately.
5. No student shall come into or give up the assigned accommodation in the Hostel without prior permission of the Warden.
6. A student shall reside in a room allotted to him/her and may shift to any other room only under the direction/permission of the Warden of the hostel. Mutual interchange of room without permission of the Warden is forbidden.
7. Students shall be required to make their rooms available whenever required for inspection, repairs, maintenance or disinfecting and shall vacate the rooms when leaving for the vacations/holidays.
8. Students shall be responsible for the proper care of the doors, windows, furniture, fan, and other fittings in the rooms allotted to them and shall generally assist the Warden in ensuring proper use, care and security of those provided in the Hostel of common use of all students.
9. Students will be responsible for the safe keeping of their own property. In the event of loss of any personal property of a student due to theft, fire or any other cause the Institute shall accept no responsibility and shall not be liable for payment of any compensation.
10. Engaging personal attendants, keeping pets and use of appliances like electric heater, refrigerator, induction cook top etc. by a student in the Hostel are prohibited.
11. Consumption of tobacco, alcoholic drinks and hallucinogenic substances is strictly forbidden.
12. Students must honor the timing of the hostels in matters of moving in or out of hostel and meal timing.
13. The Hostel has an autonomous management system based on student participation. Every student must make an effort to participate in hostel management and other welfare activity within the hostel.
14. Keeping of motorcycles, mopeds or automobiles by the undergraduate boarders is not permitted in hostel premises even if a student parks his vehicle outside the hostel. Students permitted to stay outside are permitted to come to the Institute using their own vehicles, but not permitted to ride them in the hostel area.

Section - IV**PROCEDURE OF DISCIPLINE ADMINISTRATION**

An incident of indiscipline may be reported either by an affected individual (student, faculty or staff) or by an observer. The complaint may be made to one of the following offices, depending on the place of occurrence and affiliation of individuals concerned.

- (a) Wardens of Hostel
- (b) Heads of Departments
- (c) PIC Students' Affairs
- (d) Director

When a senior faculty member, irrespective of his administrative responsibility, observes a potential discipline issue of minor nature, he is expected to intervene and settle a dispute amicably before it becomes serious. However, if the situation cannot be diffused, a complaint must be lodged.

When a Warden or an HOD receives a complaint, he/she must assess the gravity of the possible offence. In case of minor issues, he/she is expected to work out a mutually acceptable solution and settle the issue. In case of minor damage to institute property, if any, he/she may get it repaired or replaced by the offender without further reporting. However, if the case is of serious nature (e.g. group fighting, offence against female students, tampering of academic records, major damage to institute property and comparable offences), the matter must be reported to PIC Student's Affairs or Director for formal proceedings. In case of interpersonal conflicts, if an affected individual is not satisfied by the solution proposed by HOD or Warden, he/she may appeal to PIC Students' Affairs or Director.

When PIC Students' Affairs or Director receive a complaint, depending on the seriousness of the offence, they may either refer the matter to the concerned Warden or HOD for an amicable settlement, or put up the matter to DAC. For cases referred to the DAC, the committee will investigate the case and give its recommendation of deterrent to the Director for approval. The DAC report must record the names of students involved, the charges, the conclusion of the committee, mitigating and aggravating circumstances if any and its recommendations for award of punishment if any. The Director may at his discretion, either approve the recommended punishment, return it to DAC for review, approve with reduction of punishment or put up to Senate for a collective decision. After a decision is made, the Registrar will bring out an office order stating the charges, the conclusion and the punishment awarded. The serial number and the description of the offence and of the punishment should be clearly recorded. Copies of the office order will be made available to the affected students, their parents/guardians, faculty advisors, HODs, Wardens and also to the complainants. For creating awareness among the students a separate notice stating the offence and punishment awarded may be prepared by Registrar with approval of Director and put up on the Notice Boards without mentioning names of the students involved.

Section - V

LIST OF POSSIBLE DETERRENTS THAT MAY BE RECOMMENDED BY THE DAC

(This list is given only as a basic guideline for the sake of uniformity across separate incidents, NOT intended to limit the powers and responsibilities of the DAC. The committee is expected to use this list and the guideline given in Section V, and also to create innovative combination of the recommended deterrents.)

P-1	Warning. [Only for mild offences, committed first time]
P-2	Social work.[Staying in vacation and providing technical support to the institute under supervision of a faculty member]
P-3	Debarment from elected offices and captaincy of sports teams.
P-4	Deduction of marks by noting on answer script (Up to 10 marks) [In examination hall only] Minor indiscipline during examination.
P-5	Registering for a course whose credits are not included for CPI calculation, however, passing grade is required for graduation requirement. (Except B.Tech. First Year).
P-6	Debarment from Medals & prizes linked to academic performance, and prizes based on cumulative performance in any field (sports, culture, literature etc.)
P-7	Placement facility withdrawn till mid-semester exam of pre-final Semester or for remaining period of pre-final and final semesters for final year students with one job offer.
P-8	Delay in publication of final results by 1 to 3 months; degree to be awarded in the same year, if convocation dates permit.
P-9	Delay in publication of final results by 3 to 6 months; degree to be awarded in the same year, if convocation dates permit.
P-10	Placement facility withdrawn for pre-final semester including winter vacation.
P-11	Reduction of grade by one or more steps in one course (DE grade may be converted to F).
P-12	Reduction of grade by one or more steps in two or more courses (DE grade may be converted to F)
P-13	Reduction of grade by one or more step in all courses of one semester (DE grade may be converted to F).
P-14	Awarding F grade in one paper [For examination related offences only].

P-15	Awarding F grade in two or more papers. [For examination related offences only].
P-16	Awarding F grade in all theory papers of a semester [For examination related offences only].
P-17	Placement facility withdrawn totally (Cancellation of offers to final year student if already placed).
P-18	Delay in publication of final result by 1 to 3 months, accompanied with assigned work within the Institute under supervision of a faculty member or officer. (To sign in Departmental student attendance register). Degree to be awarded during the same year if convocation date permit.
P-19	Delay in publication of final result by 3 to 6 months, accompanied with assigned work within the Institute under supervision of a faculty member or officer. (To sign in Departmental student attendance register). Degree to be awarded in the following year.
P-20	Conversion of grade in one to three courses to unregistered forcing the student to repeat the course(s). (Degree period extends beyond minimum requirement)
P-21	Award of 'Un-registered' status to all courses of 1 semester forcing to repeat the semester. (Degree period extends beyond minimum requirement)
P-22	Award of 'Un-registered' status to all courses of 2 semesters forcing repeat one whole year. (Degree period extends beyond minimum requirement)
P-23	Award of 'Un-registered' status in all courses of a semester or more and mention of "Bad Conduct" in Conduct Certificate. (Degree period extends beyond minimum requirement)
P-24	Outright expulsion from the Institute and/or Hostel. (for a time period to be decided based on severity of the indiscipline)
P-25	Outright expulsion from the Institute + FIR in police station.

¹Hkkx IIµ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 389

Notes:

1. P-3 (Debarment from elected offices and captaincy of sports teams) will be automatically added to all punishments from deterrent P-5 onwards.
2. P-5 (Debarment from Medals & prizes linked to academic performance) and will be automatically added to all punishment from deterrent P-7 onwards.
3. P-7 (Placement facility withdrawn till mid semester exam of 7th Semester, or for remaining period of 7th and 8th semesters for final year students with one job offer) will be automatically added to all punishment from deterrent P- 8 and P-9.
4. P-10 (Placement facility withdrawn for one semester including winter vacation) will be automatically added to deterrents P-11 and P-16.
5. P-17 (Placement facility withdrawn totally) will be automatically added to deterrents P-18 to P- 25.
6. For causing damage to Institute property by irresponsible behavior: Recovery of cost at the rate of ten times the replacement cost of the damage, in addition to other disciplinary measures. [If specific persons cannot be identified, it may be divided among a group of students.]
7. Financial dishonesty or stealing private or public property (conscious attempt to benefit illegally, successful or unsuccessful): Ten times the possible gain to the culprit + other punishment.
8. For repeat offenders, i.e. for being penalized the second time by the DAC for the same or a different offence, the punishment shall be higher by 1 step or more depending on the circumstances.
9. In case of research students (Ph.D. and M.Tech. (2nd year)), the DAC will work out equivalent deterrents (with appropriate consideration for the greater sense of responsibility expected out of senior students) in terms of loss of course or research credits, loss of fellowship, delay in dispatch of thesis for evaluation after it is received by the Academic Section, or partial or total expulsion from the institute.

Section - VI

TYPICAL OFFENCES TO BE CONSIDERED BY DAC

A. General Offences		
OA-1	Misbehaving with a student in the hostel.	P1-P2
OA-2	Misbehaving with a student in academic area, sports field or other activity area.	P1-P2
OA-3	Riding motorbike without crash helmet, at high speed or with 2 pillion riders, parking in hostel area for the 3rd or more time.	P2-P3
OA-4	Obstructing a student from pursuing his studies peacefully by persistent disturbance, loud noise etc.	P2-P3
OA-5	Throwing trash or spitting on the walls, corridors or public places.	P2-P3
OA-6	Smoking or chewing tobacco in academic area and halls of residence, (including roads and open space), canteens, playgrounds and other public spaces within institute jurisdiction.	P2-P3, P-5
OA-7	Willfully causing minor damage to buildings, furniture or other resources.	P3,P5-P7
OA-8	Misbehaving with a Professor, Employee or Visitor anywhere, inside or outside the class room.	P3,P5-P7
OA-9	Misbehaving with a Professor, Employee or Visitor in drunken / intoxicated state outside the class room.	P5-P9
OA-10	Making unauthorized statements before print or electronic media on matters related to institute administration.	P5-P9
OA-11	Damaging Institute property in a drunken / intoxicated state.	P5-P9
OA-12	Entering an outside water body, roof top or any location understood to be out of bounds to students for maintaining safety and security.	P5-P9
OA-13	Stealing private or public property.	P7-P10
OA-14	Misusing an elected office for personal gain.	P3, P7-P10
OA-15	Tampering I-card, Medical card or another identity given by the Institute.	P7-P10
OA-16	Consciously not reporting an offence to authorities or withholding information from an enquiry officer.	P7-P11
OA-17	Forgery, impersonation and other ways of using the identity of another student.	P7-P11, P24
OA-18	Willingly damaging, defacing or destroying a building, furniture, equipment, book or other property owned or controlled by the Institute or otherwise located within the precincts of the Institute.	P7-P13
OA-19	Smoking in class, laboratory, library, seminar halls or auditorium	P7-P13
OA-20	Physically obstructing a faculty or staff member from performing his duty.	P7-P13
OA-21	Systematically harassing another student.	P7-P13, P24
OA-22	Harassing female students through verbal abuse or written abuse.	P7-P13, P24
OA-23	Participating in a group (3 or more students) to quarrel with or to intimidate another student or an outsider.	P7-P13

OA-24	Participating in a group (3 or more students) to quarrel with or to intimidate another group of students.	P7-P13
OA-25	Threatening, abusing or assaulting an institute staff including contract labor.	P7-P13
OA-26	Stealing Institute property (e.g. computer parts).	P7-P13
OA-27	Creating division among students on the basis of religion, caste, home state or any other criteria	P7-P13
OA-28	Impersonating or signing for a faculty or employee of the institute or producing a forged document; taking over function of an Institute staff or officer without authority.	P7-P13
OA-29	Lying or furnishing false complaints, spreading rumors to the institute or showing disrespect to DAC or another enquiry committee.	P10-P13
OA-30	Sexual harassment of a fellow student or of another person. [“sexual harassment” means any unwanted sexual attention, in the form of physical contact, comments, inappropriate gestures, suggestions, hints, innuendo or similar conduct which the perpetrator knows, or ought reasonably to know, will create an environment in which the person subject to the conduct is humiliated or denied his or her dignity.]	P17-P19

¹Hkkx IIµ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 391

OA-31	Interfering with a disciplinary proceeding by bribing, threatening or intimidating a witness or any other person related to a disciplinary case.	P17-P19
OA-32	Fighting with a student or outsider leading to physical injury.	P10-P13, P17-P19
OA-33	Assaulting and injuring another student without sufficient fight back.	P11-P13, P17-P20
OA-34	Entering barricaded area without authority seriously compromising safety and security of self and others.	P11-P13, P17-P20
OA-35	Threatening, abusing or assaulting a faculty member or academic officer.	P12-P13, P17-P21
OA-36	Leading a group (3 or more students) to quarrel with or to intimidate another group of students.	P13, P17-P21
OA-37	Leading a group (3 or more students) to quarrel with or to intimidate an outsider, whatever the cause.	P13, P17-P21
OA-38	Using motor vehicle (2 or 4 wheeler) to intimidate a student or employee of the institute.	P17-P21
OA-39	Harassing female students through photographic, print or electronic media.	P17-P22, P24
OA-40	Participating in a group fight leading to physical injury.	P20-P23
OA-41	Organizing or leading a scuffle, fight or abusive quarrel between groups of students in or around a student function.	P20-P23
OA-42	Possessing or using hallucinogenic drug.	P21-P22
OA-43	Leading a group fight leading to physical injury.	P21-P24
OA-44	Unauthorized entry into a Professor's room, laboratory, library or similar place e.g. by using a duplicate key, breaking a lock or by any other means.	P21-P24
OA-45	Interacting with persons or groups believing in violence.	P24-P25
OA-46	Supplying or selling hallucinogenic drug.	P24-P25
OA-47	Possessing explosives, firearms or such dangerous items.	P24-P25

OA-48	Activities prejudicial to national security or communal harmony	P25
B. Offences related to harassment of Fresher's [For Senior Students only] (Any act which makes the student uncomfortable.)		
OB-1	Calling First Year student to meet anywhere in campus or outside.	P7-P11
OB-2	Making phone calls, handing over used books, offering to show the market to First Year students.	P8-P12
OB-3	Meeting First Year students in a place where one of them does not have a reason to be present at that time.	P10-P13, P17
OB-4	Calling a first year student to a senior's room.	P11-P13, P17
OB-5	Using abusive language, asking names in impolite language or similar threats.	P11-P13, P17-P21
OB-6	Entering a First Year student rooms/hall as appropriate without permission of Warden or exceeding any other permitted limits.	P17-P23
OB-7	Organizing or participating in regimented activity such as walking with face down, wearing clothing of prescribed design or other modes of subjugation.	P20-P23
OB-8	Slapping or beating a fresher or inflicting another physical/mental torture on one or more students.	P22-P24
OB-9	Participating in a group of seniors inflicting physical or mental torture on freshers.	P22-P24
OB-10	Leading a group of seniors in a ragging activity.	P23-P25
C. Offences related to harassment of Freshers' [For Freshers']		
OC-1	Not reporting an incident OB-1 to OB-5 involving another fresher.	P1-P3, P5
OC-2	Not reporting an incident OB-1 to OB-5 involving oneself.	P1-P3, P5
OC-3	Not reporting an incident OB-6 to OB-10 involving another fresher	P2-P3, P5-P6
OC-4	Not reporting an incident OB-6 to OB-10 involving oneself.	P3, P5-P10
OC-5	Cooperating in offence OB-1, OB- 2 or OB-3 by senior students.	P7-P11
OC-6	Serving as a conduit for passing on ragging-related message or materials from senior students to first year students.	P10-13, P17
OC-7	First year student using abusive language to senior students or other first year students.	P11-P13, P17
D. Academic Offences		
OD-1	Creating disturbance in class, library, laboratory or seminar etc.	P1-P3, P5
OD-2	Misbehaving with a professor in a class, laboratory, library etc.	P5-P9
OD-3	Entering a class, laboratory, library, seminar or similar place in an inebriated state.	P7-P12

OD-4	Stealing, damaging or removing pages from library books and other library material.	P11-P18
OD-5	Submission of the same piece of one's own work for assessment and award of credit in two (or more) instances.	P8-P19
OD-6	Consciously placing material from other sources in theses and publications without acknowledging the author.	P11-P19
OD-7	Publishing (or otherwise claiming to be one's own) a work without consent of other researchers including one's research guide.	P18-P22
OD-8	Manipulating attendance or other ordinary academic record by electronic or physical means.	P18-P-22

¹Hkkx ढμ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 393

OD-9	Presenting a substantial volume of another person's work as one's own in a thesis or publication.	P21-P24
OD-10	Manipulating grades and vital academic records through electronic or physical means.	P22-P24

E.Examination Related Offences

OE-1	Creating disturbance in an examination hall.	P4
OE-2	Misbehaving with a classmate in examination hall.	P4, P10-P11
OE-3	Possession of a mobile phone or similar communication device in active state in an examination.	P4, P10-P12
OE-4	Writing formulas or material on a question paper that can help a fellow student during examination.	P4, P10-P12
OE-5	Talking to another examinee or an outsider during examination.	P4, P10-P14
OE-6	Writing on desk in examination hall.	P10-P14
OE-7	Allowing another student to copy from one's answer script.	P10-P14
OE-8	Misbehaving with a Professor/Invigilator in an examination hall.	P10-P14
OE-9	Consulting a paper, book or a person in corridor, toilet or another place.	P12-P16
OE-10	Possession of a cheat with relevant material in an examination.	P12-P16
OE-11	Carrying relevant material by writing on one's body (palms, legs etc.) or clothing to examination.	P12-P16
OE-12	Possession of a book or significant quantity of written material in examination hall.	P14-P18
OE-13	Copying from examination script of another candidate.	P-15-P18
OE-14	Going outside examination area (i.e. outside hall, toilet and connecting passage) for any purpose without permission of principal invigilator.	P18-P21
OE-15	Sending question paper or answer script outside examination hall.	P20-P22
OE-16	Submitting answer script with answers written outside the hall.	P20-P22
OE-17	Threatening an invigilator or a teacher.	P20-P24

OE-18	Impersonating another candidate in examination of allowing oneself to be impersonated	P20-P24
OE-19	Deliberately acquiring advance knowledge of detailed content of an examination paper.	P21-P24
OE-20	Large scale, organized activity for influencing examination process, grades or academic records.	P22-P24
F.Offences Related to Public Functions		
OF-1	Creating disturbance in a student function.	P8-P11
OF-2	Indecent behavior in a public function.	P12-P15
OF-3	Entering a student function in an inebriated state.	P12-P15
OF-4	Indecent behavior in a public function under influence of alcohol or another drug.	P17-P20
OF-5	Violating barricades in an institute function without sufficient reason or authority.	P18-P21
OF-6	Leading a disturbance in a student function through organizing boycott, protest or any other means.	P20-P24
OF-7	Creating a group disturbance (violent or otherwise) in a student function.	P21-24
G.Cyber Offences		
OG-1	Tampering with one's own electronic identification system normally employed for giving access or attendance.	P13, P17-P19
OG-2	Placing indecent material or any material likely to disturb harmony within the Institute in IIITV or other website.	P18-P19
OG-3	Gaining access into the personal computer of another student and altering content without the owner's consent.	P18-P20
OG-4	Gaining access into the computer account of another student in a departmental or central computer.	P19-P21
OG-5	Harassing a fellow student by using electronic media [SMS, Email, Web site]	P19-P21
OG-6	Stealing or otherwise possessing electronic password of a faculty, staff member or an outsider related to the institute without latter's consent.	P20-P22
OG-7	Passing on electronic password of a faculty or staff member, or an official password to a third person without the consent of the owner.	P20-P22
OG-8	Gaining access and using the personal computer of a faculty or staff member or his account in a departmental or central computer by stealing his password or by other means.	P21-P23

OG-10	Using a computer (own account or that of another individual) for doing serious mischief or for personal gain.	P22-P25
OG-11	Gaining access into administrative account of a departmental or central computer system, or to any official user account without authority, irrespective of the motive.	P24-P25

का 23), क धारा 34 (1) (2) और (3) के साथ पठित धारा 33 द्वारा दश शि_य+ का योग करते,ए, शासी बोर्ड के (अ).—भारतीय सूचना ाौोगिक संथान (साव जिनक-निजी भागीदारी) अधिनियम, 2017 (2017

[illegible]

6. 5.1 5.2 5.3 6.1

बी.टेक. काय Yम म@ वेशशाखा का आवंटन फस क वापसी पंजीकरण छमाही पंजीकरण Yया

401 401 401 401 401

